जबलपुर, नई दिल्ली एवं पटना से एक साथ प्रकाशित

www.pratahkiranlive.com

राष्ट्रीय दैनिक

# प्रातः किरण

हर खबर की खबर

सुविचार

आप अपनी तकदीर खुद लिखते हैं।

■ वर्ष -01 ■ अंक - 198 ■ जबलपुर, सोमवार, 16 फरवरी 2026 ■ विक्रम संवत् 2082 ■ पेज - 12 ■ मूल्य रू 04.00

## संक्षिप्त समाचार

### मुंबई मेट्रो के निर्माणाधीन पुल का हिस्सा गिरने से एक की मौत, तीन घायल; जांच के आदेश

नई दिल्ली। मुंबई के मुलुंड इलाके में शनिवार, 14 फरवरी 2026 को एक बड़ा हादसा हो गया। दोपहर करीब 12:15–12:20 बजे निर्माणाधीन मेट्रो लाइन–4 (वडाला–कसारवडावली) के एलबीएस रोड स्थित हिस्से में पुल के पैरापेट (किनारे की दीवार) काटुकड़ा अचानक नीचे गिर गया। यह हिस्सा नीचे से गुजर रहे एक ऑटो–रिक्शा और एक निजी कार पर आ गिरा। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। मृतक की पहचान रामधन यादव के रूप में हुई है, जिन्हें अस्पताल लाने पर मृत घोषित कर दिया गया। घायलों में राजकुमार इंद्रजीत यादव (45) की हालत गंभीर है और वे आईसीयू में भर्ती हैं। महेंद्र प्रताप यादव (52) और दीपा रुहिया (40) की स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

### फर्नीचर गोदाम में लगी भीषण आग, धमाकों से दहला इलाका, दमकल की 5 गाड़ियां मौके पर

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में रविवार दोपहर एक फर्नीचर गोदाम और कारखाने में भीषण आग लग गई। आग दोपहर करीब 4 बजे लगी और देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आग की लपटें दूर तक दिखाई देने लगीं, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। घटनास्थल पर रुक–रुक कर धमाकों की आवाजें भी सुनाई दे रही हैं।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया गया। भोपाल नगर निगम के साथ भेल की फायर ब्रिगेड की टीम भी आग पर काबू पाने में जुटी हुई है। आग जिस जगह लगी, उसके पास कई हॉस्टल और पीजी मौजूद हैं, जिससे खतरा और बढ़ गया। कारखाने के सामने ही नगर निगम का मुख्यालय और आईएसबीटी भी स्थित है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है, आग बुझाने का प्रयास जारी है।

### हजारीबाग में हाथियों का हमला, छह की मौत

नई दिल्ली। झारखंड के हजारीबाग जिले के चर्चू प्रखंड स्थित गोंडवार गांव में गुरुवार (13 फरवरी) देर रात हाथियों के एक झुंड के घुस आने से छह लोगों की मौत हो गई। यह घटना अंगो थाना क्षेत्र में रामगढ़–हजारीबाग सीमा के पास हुई। रात करीब 12 से 1 बजे के बीच पांच हाथियों का झुंड गांव में दाखिल हुआ और अफरातफरी मच गई। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, पूर्वी वन प्रभाग के प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) विकास कुमार उज्ज्वल ने बताया कि यह वही झुंड हो सकता है, जो हाल के दिनों में बोकारो जिले में हुई घटनाओं में शामिल था। शुरुआती जानकारी के अनुसार हाथी तेजी से एक जिले से दूसरे जिले की ओर बढ़ रहे थे और उनका व्यवहार असामान्य व आक्रामक दिखाई दे रहा था।

# महाशिवरात्रि पर काशी में उमड़ा भक्तों का महासैलाब

● वाराणसी, एजेंसी

महाशिवरात्रि पर बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए रात 12 बजे से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। लाखों भक्त जलाभिषेक और दर्शन के लिए पहुंचे, लेकिन इस बार भक्ति के साथ-साथ क्रिकेट का रंग भी साफ दिखाई दिया। बाबा विश्वनाथ का ससुराल कहे जाने वाले सारनाथ स्थित सारंगनाथ मंदिर में क्रिकेट प्रेमियों ने माता गौरा और भगवान शिव की आरती उतारी और रुद्राभिषेक किया। इस दौरान फैंस ने हाथों में पोस्टर लेकर टीम इंडिया की जीत के लिए बाबा सारंगनाथ और मां पार्वती से प्रार्थना की। वहीं, कानपुर में भी क्रिकेट प्रेमियों ने काकादेव मंदिर में भारतीय टीम की जीत के लिए विशेष पूजन की।

### अप्रैल-मई में नहीं होंगे पंचायत चुनाव!

बता दें की महाशिवरात्रि को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस को सुरक्षा व्यवस्था में तैनात किया गया है। इसके साथ ही मंदिर परिसर के अंदर व बाहर सड़क पर बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई है और पूरे रास्ते को नो व्हीकल जोन में तब्दील कर दिया गया है। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने बाबा विश्वनाथ की होने वाली मंगला आरती के समय में भी बदलाव किया है।

### भगवान भोले की भक्ति में डूबी काशी

महाशिवरात्रि पर काशी भगवान भोले की भक्ति में डूबी नजर आई। यहां दूर–दराज से श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए पहुंचे हैं, जो देर रात से ही पंक्ति में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। बाबा के दरबार में हजारी लगाने पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का स्वागत उनके ऊपर पुष्प वर्षा करके किया गया है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इसी दिन भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती का विवाह हुआ था और इसी को लेकर शिवरात्रि मनाई जाती है।

### 15 से 20 लाख श्रद्धालु

बाबा विश्वनाथ के दरबार में मत्था टेकने के लिए उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों से बिहार, झारखंड और देश के कई अन्य राज्यों से श्रद्धालु पहुंचे हुए हैं। जिला प्रशासन को उम्मीद है कि करीब 15 से 20 लाख श्रद्धालु महाशिवरात्रि पर बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर सकते हैं। इसको लेकर जिला प्रशासन ने भी पूरी तैयारी कर रखी है। प्रशासन ने बाबा विश्वनाथ के मंदिर में पहुंचने वाले प्रत्येक मार्ग पर बैरिकेडिंग लगाई है और इन रास्तों पर किसी भी प्रकार के वाहनों को ले जाने की मनाही है।

## एमएसपी पर राहुल गांधी को अमित शाह का करारा जवाब

# झूठ बोलकर जनता को गुमराह न करें

● नई दिल्ली, एजेंसी

**केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी पर किसानों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि मोदी सरकार ने यूपीए की तुलना में एमएसपी पर 15 गुना अधिक अनाज खरीदा है। यह प्रतिक्रिया राहुल गांधी द्वारा भारत–अमेरिका व्यापार समझौते की आलोचना और एमएसपी की कानूनी गारंटी की मांग के बाद आई है, जिससे दोनों नेताओं के बीच किसानों के मुद्दे पर राजनीतिक टकराव बढ़ गया है।**

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कांग्रेस और विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर झूठ बोलकर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पिछली यूपीए सरकार की तुलना में किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 15 गुना अधिक अनाज खरीदा है। गांधीनगर में एक सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस सरकार और कांग्रेस नेतृत्व हमेशा झूठ बोलकर जनता को गुमराह करते हैं। मुझे इस पर हंसी आती है।

यह घटना राहुल गांधी द्वारा 2026 के बजट सत्र के पहले चरण के दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को सरकार की आलोचना का मुख्य बिंदु बनाने के बाद सामने आई है, खासकर भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के संदर्भ में। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता किसानों के साथ धोखा है, जिससे खरीद प्रणाली कमजोर हो सकती है और एमएसपी और बोनस में कमी आ सकती है।

उन्होंने सवाल उठाया कि अगर सरकार सस्ते अमेरिकी आयात की अनुमति देती है, जिससे घरेलू एमएसपी अप्रभावी हो सकता है, तो महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में कपास, सोया और मक्का के किसान ÷मूल्य संकट÷ से कैसे निपटेंगे। 13 फरवरी, 2026 को गांधी ने संसद में किसान संघों के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की, जहां उन्होंने एमएसपी की कानूनी गारंटी के लिए सरकार पर दबाव डालने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

### अमेरिका को लाभ दिये जाने का लगाया था अरोप

11 फरवरी को अपने बजट भाषण में, उन्होंने सरकार पर भारतीय किसानों के हितों को विदेशी बाजारों में 'बेचने' का आरोप लगाया और तर्क दिया कि जहां अमेरिकी किसानों को भारी सब्सिडी का लाभ मिल रहा है, वहीं भारतीय किसानों को उचित कानूनी एमएसपी से वंचित रखा जा रहा है। उनके आरोपों का जवाब देते हुए अमित शाह ने कहा कि संसद में कांग्रेस के राजकुमार राहुल गांधी किसानों की बात करते हैं। आज मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि आपने किसानों से कितना अनाज खरीदा है। यूपीए सरकार के 10 साल और नरेंद्र मोदी सरकार के 10 साल। हमने किसानों से एमएसपी पर आपसे 15 गुना ज्यादा अनाज खरीदा है। नरेंद्र मोदी जी ने किसानों का बजट 26,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1,09,000 करोड़ रुपये किया है।

### राहुल के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस नहीं देगी भाजपा

#### भाषण से कुछ शब्द हटाने का फैसला संभव

केंद्र सरकार राहुल गांधी भाषण में प्रयुक्त शब्दों को हटाए जाने की संभावना है क्योंकि उनके द्वारा लगाए गए आरोप प्रमाणित नहीं हुए हैं। यह घटना केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के उस बयान के एक दिन बाद सामने आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि लोकसभा में भाजपा सदस्य राहुल गांधी के खिलाफ सदन को गुमराह करने और निराधार बयान देने के लिए विशेषाधिकार नोटिस लाएंगे।

## एपस्टीन फाइल्स मामला

# भाजपा ने कपिल सिब्बल को घेरा

● नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के बदनाम फाइनेंशर और यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी फाइल्स ने भारत में भी राजनैतिक बवाल मचाया हुआ है। कांग्रेस की तरफ से पहले केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के ऊपर हमला किया गया, अब भाजपा ने भी पलटवार करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल पर निशाना साधा है। भाजपा ने राहुल गांधी से जवाब देने की मांग करते हुए दावा किया कि कपिल सिब्बल को एक ऐसे कार्यक्रम के दौरान पुरस्कार मिला था, जिसे यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन ने फंड किया था। कपिल सिब्बल से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने इस दावे के बकवास बताकर खारिज कर दिया।

कांग्रेस की तरफ से प्रवक्ता पवन खेड़ा ने इन आरोपों पर जवाब दिया। मीडिया से बात करते हुए पवन खेड़ा ने कहा कि उस समय सिब्बल केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री थे। उन्हें 'शिक्षा में वैश्विक सहयोग के प्रति उनके दृढ़ समर्थन' के लिए समारोह में पुरस्कार दिया गया था। खेड़ा ने कहा, 'इसका जेफ्री एप्स्टीन से कोई संबंध नहीं है।'

### रिफॉर्म एक्सप्रेस ने बड़ी प्रगति की, पर मैं स्वभाव से पूरी तरह संतुष्ट होने वालों में नहीं

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बजट सत्र के पहले चरण के बाद अपने पहले इंटरव्यू में कई अहम बदलावों पर बात की है। पीएम ने कहा कि मौजूदा सरकार ने सुधार को लेकर जो प्रतिबद्धता जताई थी, वह हमने अपने शब्दों और कार्यों के जरिए दर्शाया है। पीएम ने निजी सेक्टर के महत्व को भारत की विकास यात्रा का एक अहम साथी करार दिया। विकसित भारत का अगला चरण इस बात पर निर्भर होगा कि निजी सेक्टर उन्नयन, लंबी अवधि की क्षमताएं पैदा करने और वैश्विक प्रतियोगिता में कितना बेहतर ढंग से निवेश करता है।

## राहुल गांधी का केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार

# अमेरिकी ट्रेड डील पर पीएम से पूछे 5 सवाल

● नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिका से हुए अंतरिम ट्रेड डील के खिलाफ अपने तेवरों में किसी तरह की नरमी नहीं लाने का इरादे साफ करते हुए रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से पांच सवाल पूछे।

साथ ही कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि इस ट्रेड डील के नाम पर देश के किसानों के साथ विश्वासघात होते हुए दिखाई दे रहा है। राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट पर कहा कि मैं प्रधानमंत्री से कुछ आसान सवाल पूछना चाहता हूं। नेता विपक्ष ने कहा कि किसानों को इन सब पर सफाई तो मिलनी ही चाहिए। यह सिर्फ आज की बात नहीं है। ये भविष्य की भी बात है और क्या हम किसी दूसरे देश को भारत की कृषि उद्योग पर लंबे समय की पकड़ बनाने दे रहे हैं।

### राहुल गांधी के पीएम से पांच सवाल

- पहला डीडीजी इंपोर्ट करने का वास्तव में क्या मतलब है? क्या इसका मतलब यह है कि भारतीय मवेशियों को जीएम अमेरिकी मक्का से बने डिस्टीलर्स ग्रेन खिलाए जाएंगे? क्या इससे हमारे दूध उत्पाद प्रभावी रूप से अमेरिकी कृषि उद्योग पर निर्भर नहीं हो जाएंगे?
- दूसरा सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि अगर हम जीएम सोया तेल के आयात की अनुमति देते हैं तो मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और देशभर के हमारे सोया किसानों का क्या होगा? वे एक और कीमतों का झटका कैसे झेल पाएंगे?
- कांग्रेस नेता ने पीएम से तीसरा सवाल किया कि जब आप अतिरिक्त उत्पादों कहते हैं तो उसमें क्या–क्या शामिल है? क्या यह समय के साथ दाल और अन्य फसलों को अमेरिकी आयात के लिए खोलने के दबाव का संकेत है?
- क्या है नान–ट्रेड–बैरियर्स हटाने का मतलब? : राहुल गांधी ने चौथा प्रश्न उठाते हुए कहा कि नान–ट्रेड–बैरियर्स हटाने का क्या मतलब है? क्या भविष्य में भारत पर जीएम फसलों पर अपने रुख को ढीला करने, खरीद को कमजोर करने या एमएसपी और बोनस को कम करने का दबाव डाला जाएगा?
- पांचवा सवाल उठाया कि एक बार यह दरवाजा खुल गया, तो हर साल इसे और ज्यादा खुलने से हम कैसे रोकेंगे? क्या इसकी रोकथाम होगी, या हर बार सौदे में धीरे–धीरे और भी फसलों को में पर रख दिया जाएगा?

## राहुल की उल्टी खोपड़ी...

### केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी का तीखा हमला

**गयाजी।** शहर स्थित एसएसपी कोठी के पास रविवार को एक निजी अस्पताल के उद्घाटन अवसर पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। फीता काटकर अस्पताल का उद्घाटन करने के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि जिस बिल को राहुल गांधी किसानों के लिए हानिकारक बता रहे हैं, वह पूरी तरह किसानों और आम लोगों के हित में है। मांझी ने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी की खोपड़ी उल्टी है, उन्हें असलियत की समझ नहीं है। उन्होंने दावा किया कि इस बिल से 95 प्रतिशत लोग लाभान्वित होंगे, जबकि केवल 5 प्रतिशत मामलों में लेन-देन से जुड़ी समस्याएं हैं।

### 95 प्रतिशत लोगों को फायदा

उन्होंने कहा कि जिससे 95 प्रतिशत लोग फायदा में हैं तो थोड़ा-बहुत नुकसान कौन सी बड़ी बात है। उनके अनुसार विपक्ष तथ्यों को तोड़-मरोड़कर जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रहा है। केंद्रीय मंत्री मांझी अपने बेबाक बयानों के लिए जाने जाते हैं।

## अयोध्या का रेलवे स्टेशन भाजपा के 'भ्रष्ट मॉडल' का उदाहरण: अखिलेश यादव

**लखनऊ।** कन्नौज में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कन्नौज रेलवे स्टेशन को गोरखपुर रेलवे स्टेशन की तर्ज पर विकसित करने की सरकार की योजना को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से तंज कसते हुए कहा कि अयोध्या में जो रेलवे स्टेशन बनाया गया, वह भाजपा के 'भ्रष्ट मॉडल' का उदाहरण है।रविवार को अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार को चाहिए कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि बनते ही गिर जाने वाली पानी की टंकी थोड़ी दूर बनाई जाए, छत ऐसी हो कि नीचे खड़े लोगों को छतरी न लगानी पड़े और एप्रोच रोड की परत न उखड़े। उन्होंने यह भी कहा कि लिफ्ट और एस्केलेटर लगाए जाएं तो वे सही तरीके से काम भी करें।सपा अध्यक्ष ने कमीशनखोरी पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में पारदर्शिता होनी चाहिए और यात्रियों के लिए वेटिंग एरिया वास्तव में सुविधाजनक बनाया जाए।

## शपथ से पहले तारिक रहमान का बड़ा बयान

# भारत, चीन और पाकिस्तान के साथ रिश्तों पर 'बांग्लादेश फर्स्ट' की नीति की घोषणा

● ढाका, एजेंसी

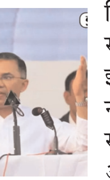

बांग्लादेश में बीएनपी की प्रचंड जीत के बाद तारिक रहमान की ताजपोशी तय! शपथ से पहले रहमान ने भारत, चीन और पाकिस्तान को लेकर अपनी नई विदेश नीति का खुलासा किया है। अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और शेख हसीना के प्रत्यर्पण पर क्या है उनका रुख? पढ़ें बांग्लादेश की बदलती राजनीति और संवैधानिक चुनौतियों पर यह विशेष रिपोर्ट। दक्षिण एशियाई राजनीति के गलियारों में इस समय केवल एक ही नाम की गूंज है–तारिक रहमान। बांग्लादेश के आम चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी को मिले प्रचंड दो-तिहाई बहुमत के बाद अब सत्ता के हस्तांतरण की घड़ियाँ समीप आ गई हैं। निर्वासन और संघर्ष के लंबे दौर के बाद तारिक रहमान की ताजपोशी की तैयारियां जोरों पर हैं।

### मोदी नहीं, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जाएंगे बांग्लादेश

बांग्लादेश के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री तारिक रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में भारत की तरफ से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला प्रतिनिधित्व करेंगे। यह जानकारी भारतीय विदेश मंत्रालय से साझा की गई है। इससे पहले कयास लगाए जा रहे थे कि पीएम मोदी बीएनपी अध्यक्ष के शपथ ग्रहण का दौरा कर सकते हैं।

## प्रोटेक्ट

### भारत में पहली बार इस तरह की सुरंग का होगा निर्माण

# ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे बनाई जाएगी टनल, चलेंगे ट्रेन के साथ अन्य वाहन

■ **6 घंटे का सफर 20 मिनट में तय होगा**

● नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार को कैबिनेट मीटिंग में असम में ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे देश की पहली रोड-कम-रेल टनल समेत फोर लेन एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड कॉरिडोर को मंजूरी दी गई। इसकी कुल लागत 18,662 करोड़ होगी। यह भारत की पहली और दुनिया की दूसरी अंडरवॉटर रोड-कम-रेल टनल परियोजना होगी, जिसमें एक ही सुरंग में रोड और रेल लाइन होगी। ट्रेन और गाड़ियां एक साथ चलेंगी। इसे इंजीनियरिंग-प्रोक्योरमेंट-कंस्ट्रक्शन मॉडल पर विकसित किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के तहत गोहपुर से नुमालीगढ़ के बीच 15.79 किमी लंबी टनल बनाई जाएगी। अभी नुमालीगढ़ और गोहपुर के बीच करीब 240 किमी की दूरी तय करने में 6 घंटे का समय लगता है। इस प्रोजेक्ट के बाद यह घटकर 20 मिनट रह जाएगा।

दुनियाभर में अभी चैनल टनल ही एकमात्र अंडरवाटर रोड-कम-रेल टनल है। यह टनल इंग्लिश चैनल के नीचे बनी है, जो यूनाइटेड किंगडम और फ्रांस को आपस में जोड़ती है। यह टनल 1994 में आम नागरिकों के लिए खोली गई थी। इस टनल की कुल लंबाई लगभग 50.45 किलोमीटर है, जिसमें से लगभग 37.9 किलोमीटर हिस्सा समुद्र के नीचे स्थित है।

### 1 लाख करोड़ का अर्बन चैलेंज फंड मंजूर

कैबिनेट मीटिंग में शहरी अवसंरचना को बढ़ावा देने के लिए 1 लाख करोड़ की केंद्रीय सहायता वाले अर्बन चैलेंज फंड (ष्टस्न) को मंजूरी दी है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह योजना 2025–26 से 2030–31 तक लागू होगी। छोटे शहरों के लिए 5,000 करोड़ की क्रेडिट रिपेमेंट गारंटी योजना को भी मंजूरी मिली है।

### इन शहरों को लाभ होगा

- 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहर।
- राज्य व केंद्रशासित प्रदेशों की राजधानियां।
- 1 लाख से ज्यादा आबादी वाले औद्योगिक शहर।

## संक्षिप्त समाचार

### कुर्की नोटिस के बाद करदाता ने जमा किए 50 हजार

**जबलपुर।** निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार शहर के सभी 16 संभागों में बकाया राजस्व वसूली के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में संभाग मांक 15 सुहागी और 10 रॉझी के द्वारा की गई सख्त कार्रवाई के कारण करदाताओं ने मौके पर ही बकाया राशि का अंशिक रूप से भुगतान किया गया। वसूली अभियान के दौरान वार्ड मांक 72 में एक बड़े बकायादार के विरुद्ध सख्त कदम उठाते हुए निगम की टीम ने 2 लाख रुपये की बकाया राशि की वसूली हेतु कुर्की का नोटिस जारी किया। प्रशासन की इस सख्ती को देखते हुए बकायादार ने तत्काल सि यता दिखाई और मौके पर ही 50 हजार रुपये की राशि निगम कोष में जमा कराई। शेष राशि के भुगतान के लिए भी आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। इसी प्रकार संभाग मांक 10 रॉझी के अंतर्गत महर्षि सुदर्शन वार्ड के अंतर्गत कुर्की की कार्रवाई के दौरान 32 हजार 61 रूपये का चेक प्राप्त किया गया।

### कलेक्ट्रेट परिसर को साफ-सुथरा रखें: कलेक्टर

**जबलपुर।** स्वच्छता सर्वेक्षण-2026 के अंतर्गत जिले के उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं बेहतर रैंकिंग के मद्देनजर कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने जिले के नगरीय क्षेत्र में स्थित सभी शासकीय एवं अर्धशासकीय विभागों एवं संस्थानों के कार्यालय परिसर एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता संबंधी सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने इस बारे में सभी विभागों एवं संस्थान प्रमुखों को विस्तृत दिशा-निर्देश भी जारी किये हैं। कलेक्टर द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में प्रत्येक कार्यालय और संस्थान प्रमुख को अपने भवन, परिसर एवं आसपास के क्षेत्र को नियमित रूप से स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित रखने कहा गया है। इसके साथ ही कार्यालयों के शौचालयों की दैनिक साफ-सफाई, जलापूर्ति, साबुन, हैंडवॉश, डस्टबिन आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं। इसके साथ ही कार्यालयों के शौचालयों की दैनिक साफ-सफाई, जलापूर्ति, साबुन, हैंडवॉश, डस्टबिन आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं।

कार्यालय प्रमुखों से कहा गया है कि परिसर एवं भवन की दीवारों और सीढियों आदि पर पान-गुटखा से बने स्पिट स्पॉट पूर्णत समाप्त किए जायें तथा थूकना प्रतिबंधित किया जाये। इसके साथ ही कार्यालय भवनों के बाहरी एवं आंतरिक दीवारों पर आवश्यकतानुसार रंग-रोगन, पेंटिंग एवं स्वच्छता संदेश अंकित करने, कार्यालय परिसर में कचरा, मलबा या अनुपयोगी सामग्री का इकट्ठा न होने देने, ठोस अपशिष्ट का नियमित निष्पादन नगर निगम के माध्यम से सुनिश्चित करने तथा सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध का पालन करते हुए प्लास्टिक मुक्त परिसर, हरित परिसर एवं जल संरक्षण संबंधी उपायों को प्राथमिकता देने के निर्देश भी सभी विभागों के कार्यालय प्रमुखों को दिये गये हैं।

# पूरी ताकत से लड़ेंगे चुनाव, बनाएंगे सरकार:सपा

## सरकार की नाकामियों को उजागर करने सपा ने निकाली साइकिल रैली

**जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता**

प्रदेश की मोहन सरकार की विफलताओं को उजागर करने समाजवादी पार्टी पूरे प्रदेश में साइकिल रैली निकालने का एलान किया है। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव की अगुवाई में रैली की शुराआत शनिवार दोपहर जबलपुर से किया गया। साइकिल रैली का शुभारंभ अमखेरा बायपास स्थित कांग्रेस छोड़ समाजवादी पार्टी में आए दिग्गत नेता सत्येन्द्र यादव के निवास से की गई। यात्रा में सैकड़ों सपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। उन्होंने हाथों में पार्टी के झंडे और पोस्टर लेकर विभिन्न गलियों तथा मुख्य मार्गों से होते हुए रैली निकाली। रैली के दौरान सपा कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। कई स्थानों पर स्थानीय लोगों ने रैली का स्वागत और समर्थन किया।

### बहोराबाग में रैली का भव्य स्वागत

रैली रद्दी चौकी होते हुए बहोराबाग चौक पर पहुंची। जहां पर लगभग तीन दशकों से समाजवादी पार्टी से जुड़े और जबलपुर के पूर्व जिलाध्यक्ष इकबाल अंसारी ने मंच लगाकर प्रदेशाध्यक्ष व अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस दौरान मंच से पूर्व जिलाध्यक्ष इकबाल अंसारी ने कहा कि समाजवादी पार्टी की विचारधारा से लोगों को अवगत कराने रैली निकाली जा रही है। जिसमें प्रदेशाध्यक्ष के साथ वरिष्ठ पदाधिकारी शिरकत कर रहे हैं।

### सरकार हर मोर्चे पर नाकाम

स्वागत से अभिभूत प्रदेशाध्यक्ष मनोज यादव ने अपने संबोधन में कहा कि पूरे प्रदेश में समाजवादी पार्टी का कुनबा तेजी से बढ़ रहा है। आने वाले चुवानों में समाजवादी पार्टी पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरेगी। उन्होंने राज्य सरकार की विफलताओं को गिनाते हुए कहा कि प्रदेश सरकार सिर्फ प्रदेशवासियों को कर्ज के बोझ के तले लाद रही है। महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं सहित हर मोर्चे पर सरकार नाकाम रही है। यात्रा का मुख्य उद्देश्य बताते हुए उन्होंने कहा कि जनता को सरकार की नीतियों से अवगत कराने और समाजवादी विचारधारा को फैलाने रैली निकाली जा रही है, जो पूरे प्रदेश में निकाली जाएगी। जिसकी शुरूआत जबलपुर से की गई है।

## बीकानेर स्वीट्स से पिस्ता बर्फी के लिए नमूने

**जबलपुर।** भेड़ाघाट क्षेत्र में फूड पॉइजनिंग की शिकायत प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन के अधिकारियों ने एसडीएम शहपुरा मदन सिंह रघुवंशी के नेतृत्व में संदिग्ध पिस्ता बर्फी विक्रेता भेडाघाट चौराहा स्थित बीकानेर स्वीट्स का निरीक्षण किया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेंद्र कुमार दुबे के अनुसार निरीक्षण के दौरान बीकानेर स्वीट्स से पिस्ता बर्फी का नमूना लेकर विश्लेषण हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल प्रेषित किया गया। उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा प्रशासन को शिकायत प्राप्त हुई थी कि बुधवार 11 फरवरी को मिठाई तथा अन्य व्यंजन खाने के बाद कुछ लोगों को फूड पॉइजनिंग जैसे लक्षण परिलक्षित हुये हैं। सूचना प्राप्त होते ही संदिग्ध पिस्ता बर्फी विक्रेता भेडाघाट चौराहा स्थित बीकानेर स्वीट्स से नमूना संग्रहण किया गया है। जाँच प्रतिवेदन प्राप्त होने पर संबंधितों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत प्रकरण प्रस्तुत किया जायेगा।

## शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर आधुनिक तरीके से मत्स्य पालन करें

### मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष ने किया मछुआरों से संवाद

**जबलपुर।** मध्यप्रदेश मछुआरा कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री सीताराम बाथम ने जबलपुर प्रवास के दौरान मछुआरों से संवाद किया तथा उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ लेकर आधुनिक तरीकों से मत्स्य पालन करने का आग्रह किया। केबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त श्री बाथम ने विभागीय गतिविधियों की जानकारी भी जबलपुर प्रवास के दौरान ली। मछुआरा कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष के स्वागत में गंगासागर मत्स्योद्योग सहकारी समिति गंगासागर और मत्स्योद्योग सहकारी समिति फूटताल द्वारा कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये उन्होंने मछुआरों से कहा कि शासन की योजनाओं की सहायता से आधुनिक तरीकों से मछली पालन कर वे अपनी आर्थिक स्थिति एवं जीवन स्तर को बेहतर बना सकते हैं। उन्होंने मछुआरा समुदाय से बच्चों की पढ़ाई-लिखाई पर विशेष ध्यान देने का अनुरोध भी किया। कार्यक्रम में मछली पालन विभाग के प्रभारी सहायक संचालक मत्स्योद्योग राजा राजतिलक धुर्वे, मत्स्य निरीक्षक गोविंदा सिंह, प्रीतम सिंगरहा मत्स्योद्योग सहकारी समिति सुपाताल के अध्यक्ष प्रीतम सिंगरहा, मत्स्योद्योग सहकारी समिति फूटाताल के अध्यक्ष ओमहरि कश्यप, राज कुमार सिंगरहा, मोहनलाल सिंगरहा, हज्जीलाल सिंगरहा, अनिल सिंगरहा, चेतराम सिंगरहा, खिल्लु बाबा सिंगरहा, रवि बर्मन, अजय रैकवार, शरद कश्यप, शरद कश्यप आदि मछुआरे समुदाय के सदस्य उपस्थित रहे।

**आयुर्वेक कॉलेज** — आयोजित अवरेनेस सेमिनार में विशेषज्ञों ने कहा...

## कुछ भी ज़हरीला नहीं, सब डोज़ पर निर्भर

**नई दिल्ली, प्रातः किरण, संवाददाता**

आयुष मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत शासकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय जबलपुर में संचालित फार्माकोविजिलेंस सेंटर द्वारा आयोजित रीजनल अवरेनेस सेमिनार में पधारे डॉ. शिरोमणि मिश्रा ने बताया कि वर्तमान समय में फ़ार्मोकोवाइज़िलेंस की ज़रूरत इसलिए है कि आम जन मानस के मन में एक मिथक है कि आयुष की दवा का कोई दुष्प्रभाव नहीं होता। क्योंकि वो हर्बल हे जबकि बाजार में अनेक ऐसे पेटेंट ड्रग हैं जिसमें हर्बल के साथ धातुएं भी मिली होती हैं। जिनके मात्रा संगत नहीं लेने से दुष्प्रभाव होते हैं। साथ ही उन्होंने बताया की वर्तमान डिजिटल युग में जहाँ दवाओं के भ्रामक विज्ञापन सहारा लेकर बिना चिकित्सक से प्रस्क्रिब किए उपयोग की जा रही हैं। उन्होंने बताया किआयुष चिकित्सक पैरामेडिकल स्टाफ एवं भावी चिकित्सक मिसलीडिंग एड ओर एडवर्ड ड्रग रिएक्शन को कैसे रिपोर्ट कर सकते है। डिजिटल भारत के युग में भारत सरकार आयुष विभाग अंतर्गत लांच आयुष सुरक्षा पोर्टल की जानकारी एव उसके क्रियान्वयन के विषय में बताया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एलएल अहिरवाल, डॉ. आरके तिवारी, डॉ. मनोज सिंह, डॉ राकेश सारस्वत, डॉ बरखा ठाकुर, फ़ार्मोकोविजिलेंस कॉर्डिनेटर डॉ पंकज मिश्रा, जेआरएफ डॉ शुभम जैन सहित महाविद्यालय चिकित्सालय के चिकित्सक एवं स्टाफ की उपस्थिति रही।

### 19 को रामेश्वरम-मदुरई के लिये रवाना होगी तीर्थ दर्शन ट्रेन

**जबलपुर।** मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत जबलपुर से वरिष्ठ नागरिकों को रामेश्वरम-मदुरई की तीर्थ यात्रा पर लेकर जाने वाली स्पेशल ट्रेन 19 फरवरी को मुख्य रेल स्टेशन से रवाना होगी। कलेक्टर कार्यालय की धर्मस्व शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार तीर्थ यात्रियों को रामेश्वरम-मदुरई लेकर जाने वाली विशेष ट्रेन 19 फरवरी की दोपहर 1 बजे जबलपुर रेलवे स्टेशन आयेगी और दोपहर 1.50 बजे प्रस्थान करेगी। चयनित यात्रियों से 18 फरवरी तक उसी कार्यालय से टिकिट प्राप्त करने के लिये संपर्क करने का आग्रह किया गया है, जहाँ उन्होंने अपने आवेदन जमा किये थे। तीर्थ यात्रियों से यात्रा पर मूल आधार कार्ड साथ में ले जाने का अनुरोध भी किया गया है।

## 18 फरवरी को माहे रमजान का चांद नजर आने की उम्मीद

**जबलपुर।** पाक माह रमजान मुबारक की आमद के मद्देनज़र शहर में तैयारियाँ शुरू हो गई हैं।

मुफ्ती-ए-आज़म मध्यप्रदेश हज़रत, मौलाना, डॉ. मुशाहिद रज़ा क़ादरी ने अपने बयान में बताया कि आगामी 18 फरवरी, मुताबिक 29 शाबान को रमज़ान शरीफ का चाँद नज़र आने की उम्मीद है। चाँद दिखाई देते ही 19 फरवरी से रमजान के फर्ज रोज़ों का सिलसिला शुरू हो जाएगा। वहीं 18 फरवरी की रात से ही विशेष नमाज तरावीह का भी आगाज होगा, जिसमें हाफिज़ साहिबान पवित्र कुरान शरीफ का मुखाग्र पाठ करते हैं।

### प्रशासन से विशेष व्यवस्थाओं की अपील

मुफ़्ती-ए-आज़म मध्यप्रदेश और मुस्लिम इस्लाह कमेटी के वरिष्ठ समाजसेवी हाजी क़दीर सोनी, हाजी भूरे पहलवान, हाजी शेख जमील नियाज़ी, सरदार हामिद हुसैन, हाजी सरदार अब्दुल हकीम बाबा, हाजी मक़बूल रज़्वी, मतीन अंसारी, पप्पु वसीम खान, हाजी मुईन खान, अयाज़ राईन, आमीन क़ुरैशी, ज़मा खान, आज़म अली खान, ताहिर अली खान, याक़ूब अंसारी, अख्तर अंसारी, गुलाम हुसैन, वकील अंसारी, तालिब हुसैन, मतलूब अंसारी, जैदी बाबा, मुबारक अली क़ादरी, सैय्यद क़ादिर अली क़ादरी, अशरफ़ मंसूरी, अकबर खान सरवर, लईक़ अहमद राजू, इस्तयाक़ अहमद अंसारी, शमीम अंसारी गुड्डु, एजाज़ उस्मानी ने जिला प्रशासन, पुलिस विभाग एवं नगर निगम से अपील की है कि मस्जिदों के आसपास और मुस्लिम बस्तियों में साफ-सफाई, जल आपूर्ति, विद्युत व्यवस्था तथा सुरक्षा के पर्याप्त इंतज़ाम सुनिश्चित किए जाएँ। उन्होंने कहा कि रमज़ान इबादत, सब्र, रहमत और मग़फ़िरत का महीना है, इसलिए आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। प्रशासन से अपील की है कि मस्जिदों के आसपास विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाए तथा सेहरी और अफ़्तार के समय बिजली और पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

## शहपुरा में कन्या विद्यालय के नये भवन का लोकार्पण

**जबलपुर।** भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के सीएसआर मद से शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शहपुरा में नवनिर्मित भवन एवं शौचालय का लोकार्पण आज आयोजित कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीक एवं विधायक बरगी नीरज सिंह ठाकुर ने किया। इस भवन के निर्माण हेतु राशि सांसद सुमित्रा वाल्मीकि के प्रयासों से भारत पेट्रोलियम द्वारा उपलब्ध कराई गई थी। राज्यसभा सांसद श्रीमती वाल्मीकि ने कार्यक्रम को संबोधित करते बताया कि वे भी इसी स्कूल से पढ़ी हैं और आज इस मुकाम तक पहुँची हैं। उन्होंने अपने प्रेरक उद्बोधन में बच्चों को पढाई की ओर अधिक ध्यान देने तथा लगन एवं मेहनत से और अधिक ऊंचाइयों पर जाने की बात कही। कार्यक्रम में भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के क्षेत्रीय प्रबंधक शुभांग दत्त पांडेय, जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

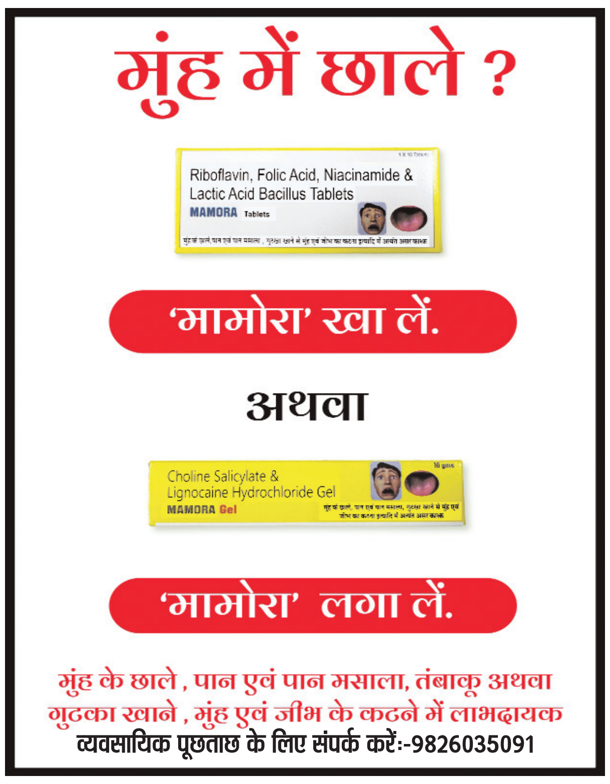

# पाटन में तीन दिनी पार्थिव शिवलिंग निर्माण का संपन्न

## आज प्रातः 10 बजे से विशाल महाभंडारे का आयोजन

**जबलपुर, प्रातः किरण,संवाददाता**

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर पाटन क्षेत्र में भगवान भोलेनाथ की भक्ति से सराबोर तीन दिवसीय धार्मिक का विधिवत शुभारंभ किया गया। गृहस्थ संत पं. तरुण चौबे जी महाराज के पावन सानिध्य में मातेश्वरी भक्त परिवार समिति के तत्वावधान में पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं रुद्राभिषेक का भव्य शुभारंभ किया गया। 16 फरवरी तक प्रतिदिन प्रातः 8.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक संपन्न होने वाले कार्यक्रम का आयोजन पाटन स्थित ज्ञान विजय परिसर, एस.डी.एम. कार्यालय के पास, पाटन चौक, में किया जा रहा है। आयोजन के पहले दिन श्रद्धालुओं ने पार्थिव शिवलिंग निर्माण में भाग लिया और भगवान शिव का विधिवत पूजन, अभिषेक एवं रुद्रपाठ किया। आयोजन

समिति के अनुसार, यह अनुष्ठान विशेष रूप से लोककल्याण, सुख-समृद्धि और शांति की कामना के लिए किया जा रहा है। कार्यक्रम के समापन पर 16 फरवरी को प्रातः 10 से विशाल महाभंडारे का आयोजन किया जाएगा।

### इनकी रही उपस्थिति

आयोजन के पहले दिन उदय भान सिंह, पंकज दुबे, शैलेन्द्र दुबे, अनिल पाठक, अनुदीप त्रिपाठी, प्रतीक महावर, यश घनघोरिया, रचित चौबे, मदन अवस्थी, मालवीय दवे, रवि सोनी, रामसिंह रघुवंशी, अजय अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, राजा सोनी, अजय पटेल, रम्मू पहारिया, एनके श्रीवास्तव, आशीष पांडे, गोलू पांडे, सुजीत सिंह, जय ठाकुर, दिनेश केसरवानी, प्रशांत सिंह रघुवंशी, अशीष पटेल, मनोज पाठक, इंदू पटेल, चीलू महावर, हर्ष महाजन, अरुण पटेल, दिनेश साहू, पिंटू साहू, अतुल खरे, महेश राजपूत, जय किशोर आदि के साथ सैकड़ों की तादाद में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

# लीनेश क्लब के नवनियुक्त पदाधिकारियों ने ली शपथ

**जबलपुर, प्रातः किरण,संवाददाता**

सेवा गतिविधियों से पहचानी जाने वाली लीनेश क्लब को इस बार प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है जिसके तहत लीनेश मंगला सिंघई को डिस्ट्रिक प्रेसिडेंट चुना गया। राष्ट्रीय महिला दिवस पर नके मुख्य आतिथ्य में व सतना से पधारी पास्ट डिस्ट्रीक प्रेसिडेंट लीनेश दीपा घई के विशिष्ट आतिथ्य में शपथ ग्रहण का कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में शपथ अधिकारी के रूप में लीनेश क्लब मप्र की फाउंडर प्रेसिडेंट लीनेश अंजू कटारे मौजूद रहीं, जिन्होंने सभी पदाधिकारियों को क्रमशः विधिवत अनुशासन में रहते हुए एकजुट हो सेवा कार्य करने की शपथ दिलाई। मंचाशीन अतिथि में मुख्य रूप से नव निर्वाचित केबिनेट सेकेट्री लीनेश श्रद्धा साहू व एरिया ऑफिसर लीनेश मौली जैन भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम में मंगलाचरण में लीनेश निधि जैन द्वारा गणेश वंदना प्रस्तुत की गई व स्वागत के क्रम में स्वागत नृत्य लीनेश शुभांगी सिंह यादव द्वारा किया गया।

सदैव राष्ट्र को समर्पित इस संस्था के नियमानुसार शक्ति स्वरूपा क्लब की अध्यक्ष लीनेश विनीता सिंह यादव द्वारा ध्वज वंदना पढ़ी गई तत्पश्चात जन गण मन गान व भारत माता की जय घोष के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। प्रांतीय डायरेक्टर पद के लिए निर्वाचित लीनेश रेखा विनोद जैन द्वारा शपथ अधिकारी लीनेश अंजू कटारे का जीवन परिचय पढ़ सभी महिलाओं को उनके कार्यों से अवगत हो प्रेरणा लेने का अनुरोध किया। क्लब की अध्यक्ष लीनेश अर्चना साहू, सचिव अरुण विश्वकर्मा, कोषाध्यक्ष सुनीता सहित सभी सदस्यों ने अतिथियों का आभार जताया।

# मां कर्मा जयंती पर साहू समाज निकालेगा वाहन रैली

**जबलपुर।** जिला साहू समाज जबलपुर द्वारा प्रभात साहू की अध्यक्षता में नवीन विद्या भवन नेपियर टॉऊन में साहू समाज की बैठक का आयोजन किया गया। जिला साहू समाज के सचिव उमेश साहू ओज़ ने बताया कि बैठक में 15 मार्च को भक्तिशिरोमणि मां कर्मा देवी की जयंती पर भव्य वाहन रैली निकालने का एकमतेन निर्णय लिया गया। वाहन रैली महाराजपुर से प्रारंभ होकर सुहागी, अधारताल, गोहलपुर, दमोहनाका, मिलौनीगंज, कोतवाली, फुहारा, गंजीपुरा होते हुए एमएलबी ग्राउंड में संपन्न होगी। बैठक में कुंडम, बघराजी, शहपुरा, बरेला, भेड़ाघाट, कटंगी, बेलखेड़ा, महाराजपुर, रांझी, अधारताल, गुसेश्वर, गढ़ा आदि समस्त क्षेत्र से सामाजिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया एवं अपने बहुमूल्य सुझाव रखे। जिला साहू समाज के संरक्षक श्री प्रभात साहू पूर्व महापौर ने अपने उद्बोधन में कहा कि भक्त शिरोमणि मां कर्मा के जीवन से शिक्षा लेते हुए हमें अपने धार्मिक शैक्षणिक और सामाजिक विचारों को परिष्कृत करते हुए समाज उत्थान के कार्यों में जुटना चाहिए। महिला मंडल की ओर से डॉ निशा साहू, साधना साहू, ममता साहू, सरिता साहू, रीना साहू एवं सुनीता पिंकी साहू उपस्थिति रहीं। बैठक में जिला अध्यक्ष वीरेंद्र साहू, उपाध्यक्ष डीके साहू, नगर सभा अध्यक्ष राधेश्याम साहू, कटंगी नगर अध्यक्ष अमिताभ साहू, पूर्व पार्षद संजय साहू, संयुक्त सचिव पीयूष सोन, प्रचार मंत्री राज साहू, कोषाध्यक्ष डॉ. पुरुषोत्तम साहू, पार्षद राहुल साहू एवं सैकड़ों गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सचिव उमेश ओज़ एवं एडवोकेट अर्जुन साहू द्वारा किया गया। बैठक के समापन पर आधारताल निवासी सुरेश साहू के पुत्र एकांश साहू के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

# प्रदूषण फैलाने वाली डेयरियों को खमरिया शिफ्ट करने की मांग

**एनजीटी ने मांगी रिपोर्ट**

**जबलपुर।** जबलपुर में नर्मदा और उसकी सहायक नदियों,परियट व गौर को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में एक महत्वपूर्ण याचिका दायर की गई है। नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के डॉ. पीजी नाजपांडे का तर्क है कि अनिवार्य नीति के तहत नदियों के 500 मीटर के दायरे में डेयरियों का संचालन प्रतिबंधित है, फिर भी नियमों का उल्लंघन धड़ल्ले से हो रहा है। याचिकाकर्ता के वकील प्रभात यादव ने बताया कि 28 जनवरी, 2026 को एनजीटी ने अपने 9 साल पुराने आदेश का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए थे। वर्तमान स्थिति यह है कि नर्मदा के किनारे 25, परियट के पास 40 और गौर नदी के किनारे 12 डेयरियां संचालित हैं। ताज्जुब की बात यह है कि डेयरी स्टेट खमरिया का उद्घाटन 24 फरवरी, 2022 को होने के बावजूद इन डेयरियों को वहां शिफ्ट नहीं किया गया। राज्य सरकार ने भी नर्मदा सेवा यात्रा मिशन के दौरान यह स्वीकार किया था कि इन डेयरियों के अपशिष्ट से नदियों का जल गंभीर रूप से प्रदूषित हो रहा है।

### स्वतंत्र समिति से जांच की मांग

अधिवक्ता प्रभात यादव और तरुण रावत ने एनजीटी से आग्रह किया है कि एक विशेष समिति का गठन किया जाए। यह समिति इस बात की गहन जांच करे कि नर्मदा सेवा यात्रा मिशन के तहत अब तक नदियों के संरक्षण और उन्हें प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए धरातल पर कितना कार्य हुआ है।

### दोषी डेयरी संचालकों पर एफआईआर की तैयारी

याचिका में यह मांग भी प्रमुखता से उठाई गई है कि जिन डेयरी संचालकों को खमरिया डेयरी स्टेट में शिफ्ट होने के लिए नोटिस जारी किए जा चुके हैं, लेकिन उन्होंने अब तक आदेश का पालन नहीं किया है, उनके विरुद्ध आपराधिक मामले (एफआईआर) दर्ज किए जाएं। नौ वर्षों की लंबी प्रतीक्षा और अदालती आदेशों की अवहेलना को देखते हुए अब सख्त कार्रवाई की आवश्यकता जताई गई है।

# युवती का शव मिलने से सनसनी, सिर कुचलकर हत्या की आशंका, दुष्कर्म की भी संभावना

**जबलपुर।** जबलपुर जिले के सिमरिया गांव में रविवार सुबह खेत की मेड़ पर एक अज्ञात युवती का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जांच में युवती की सिर कुचलकर हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। शव का चेहरा बुरी तरह क्षत-विक्षत होने के कारण उसकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है। पुलिस ने दुष्कर्म की संभावना से भी इनकार नहीं किया है। घटना नेशनल हाईवे के पास माढ़ोताल और पाटन थाना क्षेत्र की सीमा पर स्थित नूनसर चौकी इलाके की है। रविवार सुबह खेत की ओर गए ग्रामीणों ने मेड़ पर शव पड़ा देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही नूनसर पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची और क्षेत्र को घेराबंदी कर जांच शुरू की गई। एफएसएल और फिंगरप्रिंट टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए।

### पहचान अब तक नहीं

पुलिस के अनुसार मृतका की शिनाख्त अभी तक नहीं हो सकी है। आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस को आशंका है कि युवती की हत्या कहीं और कर शव को यहां लाकर फेंका गया है। एफएसएल अधिकारी नीता जैन ने बताया कि घटना पिछले 24 घंटे के भीतर की प्रतीत होती है। युवती के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटों के निशान हैं। उन्होंने बताया कि मृतका के साथ यौन उत्पीड़न की संभावना भी है। यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मृतका नाबालिग है या वयस्क महिला। पुलिस को एक 17 वर्षीय लड़की की गुमशुदगी की शिकायत मिली है और उसके परिजनों को पहचान के लिए बुलाया गया है।

### पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद होगा खुलासा

एडिशनल एसपी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण और अन्य तथ्यों की पुष्टि हो सकेगी। फिलहाल पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर अज्ञात आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि मृतका की पहचान और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए सभी संभावित पहलुओं पर जांच की जा रही है।

**जैन समाज**

## सकल जैन समाज ने किया अभिनंदन

# वेदी प्रतिष्ठा पर निकली विशाल जिनवाणी पालकी यात्रा

**जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता**

श्री तारण तरण दिगंबर जैन चैत्यालय के निमित्त चल रहे रत्नत्राय महोत्सव वेदी प्रतिष्ठा के द्वितीय दिवस सम्यक ज्ञान की आराधना कर सकल तारण तरण दिगंबर जैन समाज के साथ वेदी सूतन कर्ता रामडिम मूरी परिवार ने विविध अनुष्ठानों में हिस्सा लेकर धर्माराधना की।

दीपक राज जैन ने बताया प्रातः काल की मंगल बेला पर सभी ने मंत्र जप के साथ दिन का शुभारंभ किया पश्चात मंदिर विधि के माध्यम से देव - शास्त्र - गुरु - भगवन्तों की आराधना कर दान प्रभावना की गई। जिसमें गुरु भाइयों ने अपूर्व उत्साह दिखाया और स्वर्ण कलशों सहित ध्वजारोहण की बोली लेकर अपनी चंचल लक्ष्मी का सदुपयोग किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से विधायक लखन घनघोरिया, अभिलाष पांडे, अशोक रोहानी, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू भाई, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, विनय सक्सेना सहित अन्य गणमान्य नागरिक सम्मिलित हुए।

चल समारोह में दिखा अपूर्व उत्साह -

चल समारोह में रजत पालकी एवं रथ में मां जिनवाणी के साथ सौभाग्यशाली परिवार द्वारा बग्गियों में स्वर्ण कलश एवं धर्मध्वजाओं के साथ साथ मंगलगान करते हुए नगर का भ्रमण किया ओर जिनशासन की मंगल प्रभावना की, जिसमें बड़ी संख्या में जैन बंधुओं सहित शरद जैन पूर्व विधायक, पंचायत सभा अध्यक्ष कैलाश जैन के साथ अनिल जैन गुड्डा आदि जनप्रतिनिधि सम्मिलित हुए। नगर भ्रमण करते हुए चल समारोह श्री तारण तरण चैत्यालय शुक्रवारी बजरिया पहुंचा जहां सौभाग्यशाली परिवार ने कलशारोहण कर धर्मध्वजा फहराई।

### ये रहे सौभाग्यशाली

राजू जैन परासिया ने बताया कि मूल बेदी का मुख्य कलश नाथूराम, धन्य कुमार, शरद कुमार पुखराज परिवार ने चढ़ाया, एक नंबर बेदी का मुख्य कलश अरविंद कुमार हेमंत कुमार समैया ने, दो नंबर बेदी का मुख्य कलश अनिल कुमार मुकेश कुमार दिगंबर परिवार, मुख्य शिखर का मुख्य कलश नाथूराम धनकुमार पुखराज परिवार ने, एक नंबर शिखर मुख्य कलश समाज शिरोमणि विकास कुमार आकाश कुमार सुमैया खुरई ने, दो नंबर शिखर का मुख्य कलश राकेशकुमार, मनोज मंटू, स्वतंत्र जैन बाबू साहब कुंडा वाला परिवार द्वारा चढ़ाया गया वहीं मंदिर के शिखर का स्वर्ण पॉलिश युक्त धर्मध्वज जिनेंद्र कुमार, आशीष कुमार, जतिन, केतन समैया भगतजी परिवार द्वारा समर्पित किया गया। रात्रि में सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बाद उस्मानपुर दिल्ली से उधारे जैन भजन गायक संजीव जैन के सुमधुर भजनों से समवशरण मंडप गुंजायमान हो उठा अपार जनसमुदाय ने नृत्यगान कर आनंद उत्सव मनाया।

प्रातःकिरण | Help Line
8085755544,9691454060,9300885656

श्री शुभम् हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर
Shubham Hospital
मल्टी स्पेशियेलिटी हॉस्पिटल
जनरल मेडिसिन * हृदय रोग * नेत्र रोग * अस्थि रोग * जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी
न्यूरो तथा स्पाइन * नाक-कान-गला रोग * कैंसर रोग * स्त्री एवं प्रसूती रोग * बाल रोग
24/7 आकस्मिक चिकित्सा, भर्ती, एम्बूलेंस, दवाईयां सुविधा उपलब्ध है
स्व. डॉ. सुनंदा डावर शर्मा की पुण्य स्मृति में निःशुल्क ओपीडी का शुभारंभ सोमवार से शनिवार समय : सांय 6 से 7 बजे तक
दशमेश द्वार, मदन महल चौक, नागपुर रोड, जबलपुर फोन. 0761-4051253 मो. 9329486447

म.प्र. शासन एवं UGC से मान्यता प्राप्त
महाकौशल यूनिवर्सिटी
ज्ञानं महाकौशलम्
• B-Tech • BBA • Law
• M-Tech • MBA • Forensic Sci.
• Pharmacy • B-Sc • BA • B.Com
• Agriculture • M-Sc • MA • M.Com
ADMISSION 9109970698 9981350102 9109970699 9109988370
ऐठाखेड़ा, तिलवारा, जबलपुर
सिटी ऑफिस- जौहरी हॉस्पिटल के सामने, गौ माता चौक, राईट टाउन, जबलपुर

About Us THE MENS & KIDS STORE
Ethnic Wear Clothing
▶Coat Suit ▶Indowestern ▶Kurta Paizama
Beside Marhatal Gurudwara,Opp Tilak Raj BatteryJabalpur. Ph.0761-3501164,9713102229
Balaji Gold Complex,Ghamandi Chowk, Bada Fuhara Jabalpur.Ph.0761-3501168,8305227964

स्पर्श आयुर्वेदा रिसर्च
भारत में पहली बार
यदि आपको आराम ना मिले, तो पूरे पैसे वापस किये जाएंगे!
उपलब्ध उपचार
शुगर, किडनी, हार्ट ब्लॉकेज, सिरोसिस, सफेद दाग, लकवा, माइग्रेन, साईटिका, घुटनों में दर्द एवं गेप, सैक्स प्रॉब्लम (स्त्री/पुरुष) अस्थमा
IBS PCOD/PCOS, FATTY LEVER, CANCER
परामर्श के लिए अभी संपर्क करें
8234092477
1013, नरसिंह बिल्डिंग अपना बाजार के सामने, रानीताल चौक, जबलपुर

ब्रायलर,कॉकरेल
40 साल पुरानी दुकान
देशी मुर्गा, अण्डे
नीलू चिकिन सेंटर
जहाँ तंदुरुस्ती है वहाँ
फ्रिज के मरे हुए मुर्गो से सावधान
स्पे. चिकिन कड़कनाथ (झाबुआ)
अच्छा खाओ स्वस्थ्य रहो
9300151115,8817933970,798781615,9399143522

## संक्षिप्त समाचार

### ग्राम बघोड़ा में जी पी एल सीजन 4 का शुभारंभ पवन उपाध्याय ने 134 बनाए

**बेलखाडू, प्रात:किरण संवाददाता।** समीपी ग्राम बघोड़ा में ग्रामीण प्रीमियर लीग जी पी एल सीजन 4 का रविवार को शुभारंभ हुआ कार्यक्रम का उद्घाटन जिला पंचायत उपाध्यक्ष विवेक पटेल द्वारा किया गया टूर्नामेंट का पहला मैच बजरंग वॉइस वर्सिज तक्षक 11 के मध्य खेला गया तक्षक 11 ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया 10 ओवरों में बजरंग वॉयस ने 140 रनों का स्कोर खड़ा किया जिसे तक्षक 11 के विकास बडगईया के शानदार शतक के बदौलत स्कोर को 6.3 ओवर में प्राप्त कर लिया मैन ऑफद मैच पहले मैच के विकास बढ़गईया रहे दूसरा मैच अक्षत 11 एवं बीके ग्रुप के बीच खेला गया इस मैच में बीके 11 ने 10 ओवर में 160 रनों का स्कोर खड़ा किया जिसे तक्षक 11 ने 9.2 ओवर में पवन उपाध्याय के 134 रनों के सहारे प्राप्त कर लिया दोनों ही मुकाबला अक्षत 11 ने जीतकर आगे राउंड में प्रवेश किया इस क्रिकेट टूर्नामेंट में आठ टीमें भाग ले रही हैं यह टूर्नामेंट भारतीय आईपीएल की तरह खेला जा रहा है मैच के दोरान राममिलन पटेल हरिओम पटेल आशीष पटेल रोहित पटेल कान्हा पटेल अमर सिंह राजपूत डॉक्टर रंजीत पटेल आदि उपस्थित रहे

### ऐतिहासिक हुआ तीन दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव

**जबलपुर, प्रात:किरण संवाददाता।** संस्कारधानी के शुक्रवारी बजरिया हनुमान ताल में सकल तारण तरण दिगंबर जैन समाज द्वारा मां जिनवाणी की आराधना को समर्पित श्री तारण तरण दिगंबर जैन चैत्यालय बनाया गया जिसका तीन दिवसीय रत्नत्रय महोत्सव वेदी प्रतिष्ठा, जिनवाणी अस्थास्प, कलशारोहण, वेदी सूतन, तिलक महोत्सव विविध अनुष्ठाओं के साथ ऐतिहासिक रूप से साआनंद संपन्न हुआ। महोत्सव के मीडिया प्रभारी दीपक राज जैन ने बताया कि मंगल महोत्सव में वेदी सूतन कर्ता बनने का सौभाग्य जिनशासन सेवक रामडिम मूरी परिवार को प्राप्त हुआ, जिनके मंगल आमंत्रण पर युवा रत्न बाल ब्रह्मचारी आत्मानंदजी, बाल ब्रह्मचारी धर्मेंद्र भैया ब्रह्मचारी भाई बहन सम्मिलित हुए।

# डॉ. हेमलता श्रीवास्तव का निधन, करोड़ों की प्रॉपर्टी पर छिड़ा है विवाद

**जबलपुर, प्रात:किरण संवाददाता।** जबलपुर के चिकित्सा जगत से एक दुखद समाचार सामने आया है। शहर की प्रतिष्ठित नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. हेमलता श्रीवास्तव का उपचार के दौरान निधन हो गया है। नेपियर टाउन जैसे पॉश इलाके में रहने वाली डॉ. श्रीवास्तव न केवल अपनी चिकित्सीय कुशलता बल्कि अपने सरल स्वभाव के लिए भी जानी जाती थीं। उनके निधन की खबर फैलते ही शहर के गणमान्य नागरिकों और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े लोगों में शोक की लहर दौड़ गई है।

### प्रशासनिक जांच और कई सवाल

वर्तमान में प्रशासन इस पूरे प्रकरण की सूक्ष्मता से जांच कर रहा है। राजस्व विभाग के अधिकारी दस्तावेजों की कंगाली कर रहे हैं और संबंधित पक्षों के बयान भी दर्ज किए जा चुके हैं। प्रशासन के अनुसार, डॉ. श्रीवास्तव के निधन के बाद भी जांच प्रक्रिया प्रभावित नहीं होगी। चूंकि यह मामला सार्वजनिक चर्चा और गंभीर आरोपों से घिरा है, इसलिए कलेक्टर कार्यालय इस पर पैनी नजर बनाए हुए है। अब देखना यह होगा कि डॉ. श्रीवास्तव के उत्तराधिकार और संपत्ति के मालिकाना हक को लेकर प्रशासन क्या अंतिम निर्णय लेता है

### चिकित्सा जगत के लिए अपूरणीय क्षति

डॉ. हेमलता श्रीवास्तव ने अपने दशकों लंबे करियर में हजारों मरीजों की आंखों की रोशनी बचाई। जबलपुर के नेपियर टाउन स्थित उनके क्लिनिक पर न केवल स्थानीय बल्कि आसपास के जिलों से भी मरीज अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आते थे। वे अपनी विशेषज्ञता के साथ-साथ समाज सेवा के कार्यों में भी अग्रणी रहती थीं। उनके सहयोगियों का कहना है कि उन्होंने हमेशा सेवा भाव को प्राथमिकता दी। उनके जाने को शहर के चिकित्सा इतिहास के एक युग का अंत माना जा रहा है।

### संपत्ति विवाद और हड़पने के आरोप

डॉ. श्रीवास्तव के निधन के साथ ही उनकी करोड़ों की संपत्ति को लेकर चल रहा विवाद एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। पिछले कुछ समय से यह मामला जिला प्रशासन और पुलिस के पास विचाराधीन है। आरोप है कि एक जैन परिवार द्वारा उनकी कीमती जमीन और संपत्ति पर अवैध तरीके से कब्जा करने या उसे हड़पने का प्रयास किया गया। बताया जा रहा है कि इस मामले में फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल की शिकायतें भी सामने आई थीं, जिसके बाद मामले ने काफी तूल पकड़ लिया था।

**5 मार्च तक पूरी राशि चुकाने का आश्वासन पर खुला ताला**

# ननि की सख्ती का असर, बकायादार ने मौके पर जमा किए एक लाख रुपये

**जबलपुर, प्रात:किरण संवाददाता।**

नगर निगम द्वारा निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार बकाया राजस्व वसूली के लिए चलाए जा रहे वसूली अभियान का असर देखने को मिल रहा है। निगम की 'तालाबंदी और कुर्की' की कार्यवाही से करदाताओं के बीच संदेश गया है, जिसके परिणामस्वरूप अब बकायादार खुद आगे आकर कर अदायगी कर रहे हैं। नगर निगम संभाग क्रमांक 02 कछपुरा के अंतर्गत आने वाले मदन महल वार्ड क्रमांक 15 में शनिवार को एक बड़ी कारवाई कर बघेला कंपनी के गैस गोदाम पर संपत्ति कर की भारी राशि बकाया होने के कारण निगम की टीम ने तालाबंदी की थी।

निगम की इस मुस्तैद कार्यवाही को देखते हुए करदाता ने सकारात्मक रुख अपनाया और कुल 2 लाख 60 हजार रुपये के बकाया में से 1 लाख रुपये का चेक तुरंत मौके पर संभागीय अधिकारी दिनेश प्रताप सिंह को सौंपा एवं शेष राशि को 5 मार्च तक जमा करने का लिखित आश्वासन और मोहलत मांगी गई।

करदाता की ओर से आए इस सकारात्मक सहयोग के बाद, संभागीय अधिकारी ने भी सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए और राजस्व हित को ध्यान में रखते हुए गोदाम का ताला खोलने के निर्देश दिए। जिसके बाद सज गैस गोदाम का ताला खोला दिया गया है।

आज दिनांक 15 फरवरी को हुई इस कार्यवाही के दौरान संभागीय अधिकारी एवं राजस्व निरीक्षक मुख्य रूप से उपस्थित रहे। निगमायुक्त श्री अहिरवार ने अन्य बकायादारों से भी अपील की है कि वे कुर्की जैसी अप्रिय कार्यवाही से बचें और समय पर समस्त बकाया करों की राशि का भुगतान करें।

**महाशिवरात्रि महोत्सव 2026**

# श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक ऊर्जा का दिव्य संगम

**जबलपुर, प्रात:किरण संवाददाता।** महर्षि महेश योगी जी की असीम कृपा एवं ब्रह्मचारी गिरीश चन्द्र वर्मा जी के पावन आशीर्वाद से, तथा महर्षि जन-जन जागरण अभियान (ऋ्छ) के तहत महर्षि विद्या मंदिर नेपियर टाउन में महाशिवरात्रि का पावन पर्व अत्यंत श्रद्धा, उत्साह एवं भव्यता के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस शुभ अवसर पर विद्यालय परिवार के समस्त स्टाफ सदस्य, छात्र-छात्राएँ एवं अभिभावकगण ने पूर्ण आस्था और भक्ति भाव से सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान आदरणीय प्राचार्य श्री नीलेश कुमार पांडेय जी के सान्निध्य में सामूहिक रूप से रुद्राभिषेक सम्पन्न किया गया। वैदिक मंत्रोच्चारण, भजन-कीर्तन एवं दिव्य वातावरण ने सम्पूर्ण विद्यालय परिसर को शिवमय बना दिया।

विद्यार्थियों ने भगवान शिव के जीवन, उनके आदर्शों एवं ÷सत्यम्, शिवम्, सुंदरम्÷ के संदेश को आत्मसात करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सभी ने अनुशासन, एकता एवं आध्यात्मिक उन्नति की भावना के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया।

विद्यालय परिसर भक्तिरस में सराबोर रहा तथा चारों ओर ÷? नमः शिवाय÷ की गूंज से वातावरण दिव्य एवं ऊर्जावान बना रहा। इस पावन आयोजन ने विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, परंपरा एवं नैतिक मूल्यों के प्रति श्रद्धा और गर्व की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया।

# सीएम ट्रॉफी के नाम पर लाखों की वसूली

## बॉडीबिल्डिंग चौंपियनशिप में अव्यवस्था और दुर्व्यवहार का मामला

**जबलपुर, प्रात:किरण संवाददाता।**

शहीद वीर नारायण सिंह व्यायाम शाला में 31 जनवरी व 1 फरवरी 2026 को आयोजित सीएम ट्रॉफी ओपन सीनियर मिस्टर इंडिया बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप अब विवादों में घिर गई है। प्रतियोगिता के नाम पर भारी राशि वसूले जाने और अव्यवस्थाओं के आरोप सामने आने के बाद सूचना के अधिकार के तहत मिली जानकारी के आधार पर जिला कलेक्टर बालोद ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं।

### कलेक्टर ने बैठाई जांच

आरोप है कि आयोजन से जुड़े मुख्य सूत्रधार हरिनाथ सिंह (दल्ली राजहरा), मानक ताम्रकार (सचिव, छत्तीसगढ़ बॉडी बिल्डिंग एवं पावर लिफ्टिंग) और संजीव शर्मा (दिल्ली बॉडी बिल्डिंग) द्वारा छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नाम से प्रतियोगिता का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। मंच पर लगाए गए फ्लेक्स और प्रमाण पत्रों में मुख्यमंत्री के साथ-साथ पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह के फोटो का उपयोग भी किया गया।

### 200 खिलाड़ियों से 4000-4000 रुपये वसूली का आरोप

प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, झारखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल सहित विभिन्न राज्यों से लगभग 200 खिलाड़ियों ने भाग लिया। आरोप है कि प्रत्येक खिलाड़ी से 4000 रुपये की प्रविष्टि शुल्क राशि ली गई, जिससे आयोजकों को लगभग 8 लाख रुपये से अधिक की राशि प्राप्त हुई। लेकिन खिलाड़ियों का कहना है कि सुविधा के नाम पर न तो ठहरने की समुचित व्यवस्था की गई और न ही भोजन की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध कराई गई।

### राष्ट्रीय निर्णायकों के साथ दुर्व्यवहार का आरोप

विभिन्न राज्यों से आमंत्रित राष्ट्रीय निर्णायकों ने भी आयोजकों पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि आयोजन स्थल पर सम्मानजनक व्यवहार नहीं किया गया और प्रतियोगिता के संचालन में भी कई अनियमितताएं देखने को मिलीं। इससे खेल भावना को ठेस पहुंची है।

### मुख्यमंत्री के नाम पर आयोजन, अनुमति पर उठे सवाल

मंच से कई आमंत्रित अतिथियों द्वारा नगद पुरस्कार राशि की घोषणा भी की गई थी। खिलाड़ियों और पदाधिकारियों का कहना है कि चूंकि प्रतियोगिता मुख्यमंत्री के नाम से आयोजित की गई थी, इसलिए सभी ने इसे सरकारी संरक्षण प्राप्त आयोजन समझकर सहयोग दिया। अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या इस प्रतियोगिता को छत्तीसगढ़ खेल कल्याण विभाग से विधिवत अनुमति प्राप्त थी या नहीं।

### जांच और कार्रवाई की मांग

विभिन्न राज्यों की बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशनों के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सामूहिक रूप से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। उनका कहना है कि यदि मुख्यमंत्री के नाम का उपयोग बिना अधिकृत अनुमति के किया गया है तो यह गंभीर विषय है और संबंधित जिम्मेदार व्यक्ति यों पर उचित कार्रवाई की जानी चाहिए।जिला कलेक्टर बालोद द्वारा जांच के आदेश दिए जाने के बाद अब सभी की नजर प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी है। खिलाड़ियों ने स्पष्ट किया है कि उनका उद्देश्य किसी की छवि धूमिल करना नहीं, बल्कि खेल आयोजनों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं दोबारा न हों।

# युवती की सिर कुचलकर हत्या

## खेत की मेड़ पर मिली लाश, हत्या से पहले दुष्कर्म की संभावना

**जबलपुर, प्रात:किरण संवाददाता।**

जबलपुर के सिमरिया गांव में रविवार को खेत की मेड़ पर एक अज्ञात युवती का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। आशंका है कि युवती की सिर कुचलकर हत्या की गई है। उसका चेहरा भी बुरी तरह क्षत-विक्षत है, जिससे पहचान करना मुश्किल हो रहा है।

घटना स्थल नेशनल हाईवे से कुछ ही दूरी पर माढ़ोताल और पाटन थाना के बॉर्डर पर नूनसर चौकी की है। सुबह खेत की ओर गए ग्रामीणों ने शव देखा और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही नूनसर पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची। एफएसएल टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। आसपास के इलाके को सील कर जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि फिलहाल मृतका की शिनाख्त नहीं हो सकी है। आसपास के थानों में गुमशुदगी की जानकारी खंगाली जा रही है। हत्या कहीं और कर शव यहां फेंके जाने की आशंका भी जताई जा रही है।एफएसएल अधिकारी नीता जैन ने बताया, घटना 24 घंटे के अंतराल पर ही हुई है। महिला के चेहरे और सिर पर गंभीर चोटों के निशान हैं। उसके साथ सेक्सुअल असॉल्ट की भी संभावना है। मृतक नाबालिग बच्ची है या महिला ये अब तक स्पष्ट नहीं हुआ है। अभी एक मिसिंग लड़की की कंप्लेंट हमारे पास है। उस लड़की की उम्र 17 साल की है। संभावना है कि ये वही लड़की है। कंप्लेंट करने वाले परिजनों को बुलाया गया है। घटना 24 घंटे के अंदर ही हुई है। एडिशनल एसपी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस युवती की पहचान और आरोपी की पता लगाने में जुटी है। हालांकि अभी आस पास के गांव के पता लगाया है। शव यहां का नहीं है। मौके पर एफएसएल और फिंगर प्रिंट टीम को बुलाया गया है। प्रथम दृश्य इसमें हत्या का मामला दर्ज कर अज्ञात आरोपी को गिरफ्तार करेंगे। बच्ची नाबालिग है या नहीं इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम के बाद पता चलेगी।

# भोले के जयकारों से गूंजे शिवालय, शिवरात्रि की धूम

**बेलखाडू, प्रात:किरण संवाददाता।** महाशिवरात्रि का पर्व बेलखाडू व ग्राम बिलखरवा मोहास बघोड़ा झगरा भर्रा सिमरिया पड़रिया करारी खैरी नगना पास के ग्रामों में आस्था और उल्लास के साथ मनाया बाल बाबा मंदिर खैरी साई मंदिर बेलखाडू राम जानकी मंदिर रामबाग हनुमान मंदिर बघोड़ी , आदि आसपास के ग्रामों के मंदिरों में व घरों में शिवलिंग प्राण प्रतिष्ठा के साथ मंदिर बना कर पूजा अर्चना की गई। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की भीड़ पहुंचने लगी थी। भगवान भोलेनाथ और मां गौरी की पूजा में भक्त कोई कमी नहीं रखना चाहते थे। शिव मंदिर पहुंचे भक्तों ने भोलेनाथ का प्रिय बेलपत्र, सफेद फूल, समी पेड़ों पर आई नई मौर, बेल व गेहूं की बाली सहित दूध, दही आदि से विधि-विधान के साथ शिवलिंग में स्नान कराकर पूजा-अर्चना कर रुद्राभिषेक किया व ग्रामों में अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया एवं जगह-जगह भंडारा हुआ जिसमें श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया

**कार्रवाई**

**परिवहन विभाग ने 3 माह में 3,216 वाहनों से वसूले रु. 48,44,200**

# अनफिट, ओवरलोड और खतरनाक वाहनों पर शिकंजा

**जबलपुर, प्रात:किरण संवाददाता।**

परिवहन आयुक्त श्री उमेश जोगा के निर्देशानुसार जबलपुर संभाग में परिवहन विभाग द्वारा सड़कों पर संचालित अनफिट, ओवरलोड एवं नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। संभागीय परिवहन सुरक्षा स्क्वाड, जबलपुर द्वारा विभिन्न स्थानों पर विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। यह कार्रवाई मोटर वाहन अधिनियम, 1988 एवं मध्य प्रदेश मोटर यान कराधान अधिनियम, 1991 के प्रावधानों के अंतर्गत की जा रही है।

विभागीय टीम द्वारा ट्रक, यात्री बस एवं अन्य व्यावसायिक वाहनों की फिटनेस, परमिट, टैक्स, बीमा, ओवरलोडिंग तथा सुरक्षा उपकरणों की बारीकी से जांच की जा रही है। अनफिट, ओवरलोड एवं खतरनाक स्थिति में संचालित ट्रकों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके। पिछले तीन माह में कुल 3,216 वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए ?48,44,200 का राजस्व वसूल किया गया। दस्तावेजों की कमी, कर अदायगी में लापरवाही एवं अन्य नियम उल्लंघनों पर चलानी कार्रवाई की गई।

### उड़नदस्ता की विशेष कार्रवाई

यात्री सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए परिवहन विभाग के उड़नदस्ता दल द्वारा लगभग 30 से 50 यात्री बसों की जांच की गई। जांच के दौरान कई बसों में इमरजेंसी गेट के सामने लगी सीटें एवं डिवाइडर हटवाए गए, ताकि आपात स्थिति में यात्रियों को सुरक्षित निकास मिल सके। इसके अतिरिक्त लगभग 30 वाहनों में मैकेनिकल कमी पाए जाने पर उनके फिटनेस प्रमाणपत्र निरस्त कर दिए गए। विभाग ने स्पष्ट किया है कि ओवरलोड ट्रक, ब्रेक फेल अथवा अन्य तकनीकी खामियों वाले भारी वाहन सड़क पर जानलेवा सिद्ध हो सकते हैं, इसलिए ऐसे वाहनों के विरुद्ध निरंतर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

## संक्षिप्त समाचार

### यात्रियों को बेहतर और सुगम परिवहन सुविधा मिलेगी

**भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता।** करीब 20 साल बाद मप्र में सरकारी बस सेवा फिर से शुरू होने जा रही है। अप्रैल तक मुख्यमंत्री सुगम लोक परिवहन सेवा के तहत बसें सड़कों पर उतरेंगी, जिससे निजी बसें भी एक ही सिस्टम (अंब्रेला) के तहत संचालित होंगी और यात्रियों को बेहतर और सुगम परिवहन सुविधा मिलेगी। इस व्यवस्था के बाद बसों का संचालन तो प्राइवेट बस ऑपरेटर ही करेंगे लेकिन उनके ऊपर नोडल कंपनियां होंगी जो एक राज्य स्तरीय संगठन के नीचे काम करेंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सार्वजनिक परिवहन वाली मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के तहत जन-बस को सड़क पर उतारने का खाका तैयार हो गया है। प्रदेश भर में कंपनियां बनाने से लेकर बसों के मार्ग चिह्नित करने का काम लगभग पूरा हो गया है। अब सिर्फ गांव-गांव, शहर-शहर तक सुगम परिवहन सेवा के लिए बसों का इंतजाम करना शेष है।

**मप्र में सरकारी बस सेवा फिर से शुरू करने की तैयारियां जोरों पर**

अगले एक या दो महीने के भीतर बसों को सड़क पर उतारने का काम भी पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद अप्रैल 2026 में प्रदेश में फिर से सार्वजनिक परिवहन की बसें दौड़ना शुरू हो जाएंगी।

#### राज्य स्तरीय कंपनी बनाई गई

मौजूदा स्थिति में प्रदेश में भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, सागर और रीवा में सिटी बसों का संचालन हो रहा है। सिटी बसों के संचालन के लिए इन शहरों में पहले से कंपनियां हैं। अब ये कंपनियां परिवहन विभाग के नियंत्रण में आ गई हैं। संभागीय स्तर पर जन-बस का नियंत्रण इन्हीं कंपनियों के पास रहेगा। हालांकि संभागीय कंपनियों का मालिकाना हक अभी भी नगरीय प्रशासन विभाग के पास है। जल्द ही मालिकाना हक परिवहन विभाग को मिलेगा। सभी संभागीय कंपनियों पर नियंत्रण के लिए राज्य स्तरीय कंपनी मप्र यात्री परिवहन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड बनाई गई है। कंपनी में एमडी समेत अन्य पदाधिकारियों की नियुक्ति हो गई है। सभी कंपनियां पीपीपी मोड पर काम करेंगी।

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के लिए सरकार एक भी बस नहीं खरीदेगी।

बल्कि निजी बस ऑपरेटरों से बसों का अनुबंध किया जाएगा। शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र के लिए अलग-अलग परमिट टैक्स होंगे। सुदूर ग्रामीण अंचल के लिए बस सेवा शुरू करने पर कंपनी द्वारा बस मालिकों, निजी कंपनियों को विशेष रियायत म अनुदान दिया जाएगा। इस पर अक्षी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है।

**मध्यप्रदेश में सड़कों की गुणवत्ता सुधारने के लिए शुरू किया गया फार्मूला हुआ हिट**

# राजस्थान और उड़ीसा अपनाएंगे ऑनलाइन औचक निरीक्षण व्यवस्था

**भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता।**

मध्य प्रदेश में सड़कों की गुणवत्ता सुधारने के लिए शुरू की गई ऑनलाइन औचक निरीक्षण का फॉर्मूला हिट हो गया है। मध्य प्रदेश के निरीक्षण का यह फॉर्मूला अब दो अन्य राज्यों को भी पंसद आया है। राजस्थान और उड़ीसा भी अब एमपी के इस नवाचार को अपनाने की तैयारी कर रहे हैं। दोनों ही राज्यों ने मध्य प्रदेश सरकार के लोक निर्माण विभाग से ऑनलाइन औचक निरीक्षण के तरीकों की जानकारी मांगी है। मध्य प्रदेश में निरीक्षण के ऑनलाइन तरीकों से सड़कों की गुणवत्ता में सुधार आया है, हालांकि विभाग को कई बार निचले स्टाफ की नाराजगी का भी सामना करना पड़ा है।

प्रदेश में सड़कों के निर्माण में उसकी गुणवत्ता को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। थोड़े से पानी में सड़कें उखड़ने लगती हैं। कई बार निर्माण के दौरान ही घटिया गुणवत्ता को लेकर लोगों की नाराजगी सोशल मीडिया पर दिखाई देती है। पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह कहते हैं कि निरीक्षण की व्यवस्था को पुख्ता करने और सही मायने में निरीक्षण करने के लिए विभाग में ऑनलाइन औचक निरीक्षण की व्यवस्था शुरू की गई थी। औचक निरीक्षण महीने में दो दिन 5 और 20 तारीख को किया जाता है। इसमें चीफ इंजीनियर से लेकर पूरा इंजीनियर विभाग औचक निरीक्षण करता है। औचक निरीक्षण में एक दिन पहले तक किसी को पता नहीं होता कि किस अधिकारी को

कहां निरीक्षण के लिए जाना है? विभाग ने औचक निरीक्षण के लिए एक सॉफ्टवेयर विकसित किया है। इसी सॉफ्टवेयर के माध्यम से उन्हें 24 घंटे पहले जानकारी मिलती है कि निरीक्षण किस जिले में करना है। जिले में पहुंचने पर ही उन्हें पता चलता है कि किन कामों का निरीक्षण करना है। निरीक्षण के दौरान लिए गए सेंपल की जानकारी लेकर उस पर क्यूआर कोड डाला जाता है और उसे सीधे लैब में भेजा जाता है। इससे किसी दूसरे को सैंपल की पहचान करना आसान नहीं होता।

### एक साल में 80 इंजीनियरों को नोटिस

निरीक्षण के दौरान गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर पिछले एक साल में 80 इंजीनियरों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए और 7 को सस्पेंड किया गया। लगातार कार्रवाई के चलते विभाग को निचले स्टाफ की नाराजगी का भी सामना करना पड़ा। विभाग में इंजीनियरों की कमी का हवाला देकर कार्रवाई पर सवाल उठाए गए। हालांकि अभी गड़बड़ी करने वाले ठेकेदारों पर ही कार्रवाई किए जाने का निर्णय लिया गया है। पिछले दो सालों के दौरान 52 ठेकेदारों को नोटिस दिया गया है जबकि 15 को ब्लैकलिस्ट किया जा चुका है।

### दो राज्यों ने मांगी निरीक्षण की जानकारी

औचक निरीक्षण की ऑनलाइन व्यवस्था के अब दो राज्य राजस्थान और उड़ीसा भी मुरीद हो गए हैं। पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह के मुताबिक दोनों राज्यों ने ऑनलाइन औचक निरीक्षण के तरीकों की पूरी जानकारी मांगी है। ये दोनों राज्य भी मध्य प्रदेश के नवाचार को अपनाने जा रहे हैं। उधर अब राज्य सरकार सड़क ठेकेदारों द्वारा बनाए गए लोक कल्याण सरोवर का औचक निरीक्षण भी शुरू करने जा रही है। इसमें विभाग के अधिकारी कहीं भी निरीक्षण कर सकते हैं।

**टेलीकॉम कंपनियों के नेटवर्क पर खत्म होगी निर्भरता**

# पुलिस जल्द बनाएगी खुद का सैटेलाइट नेटवर्क

**भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता।**

मप्र पुलिस अब हाईटेक पुलिसिंग की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। टेलीकॉम कंपनियों के नेटवर्क पर निर्भरता खत्म कर पुलिस खुद का कम्यूनिकेशन सिस्टम तैयार करने की योजना पर काम कर रही है। नए साल में पुलिस अपने सैटेलाइट की तैयारी शुरू कर रही है। सैटेलाइट प्रोजेक्ट फिलहाल प्लानिंग स्टेज में है। इसकी लागत, तकनीकी पहलू और अन्य व्यवस्थाओं पर काम चल रहा है। अनुमान है कि इस परियोजना पर 100 करोड़ से अधिक का खर्च आ सकता है। इससे मप्र पुलिस अपने सेटेलाइट पर दिए जाने वाले निर्देशों और रणनीतियों को अभेद बनाने जा रही है। अब अपनी पारंपरिक संचार प्रणाली के स्थान पर सैटेलाइट आधारित नेटवर्क पर शिफ्ट होने जा रही है। केंद्र सरकार के पुलिस वायरलेस समन्वय निदेशालय (डीसीपीडब्ल्यू) के मार्गदर्शन में होने वाला यह बदलाव राज्य की सुरक्षा व्यवस्था को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगा। पुलिस के नक्सल ऑपरेशन के दौरान यह देखा गया कि शातिर उपद्रवी पुलिस के वायरलेस संदेशों को बीच में इंटरसेप्ट कर लेते हैं, जिससे पुलिस की रेड या ऑपरेशन फेल हो जाते हैं। लेकिन 100 करोड़ रुपए के इस नए प्रोजेक्ट के बाद ऐसा करना नामुमकिन होगा। यह सिस्टम पूरी तरह एनक्रिप्टेड होगा, यानी पुलिस की हर बात कोड में सुरक्षित रहेगी जिसे कोई भी बाहरी व्यक्ति डिकोड नहीं कर पाएगा। इस नए सिस्टम की सबसे बड़ी ताकत इसका डिजास्टर प्रूफ होना है। जब भी कोई बड़ी

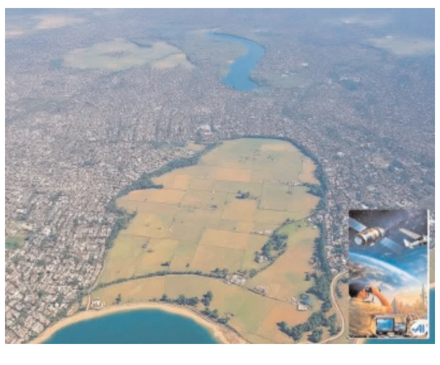

प्राकृतिक आपदा जैसे बाढ़ या भूकंप आता है, तो जमीन पर लगे मोबाइल टावर और बिजली लाइनें ठप हो जाती हैं। ऐसे समय में पुलिस का वायरलेस संपर्क टूट जाता है, जो राहत कार्यों में बड़ी बाधा बनता है। सैटेलाइट नेटवर्क सीधे अंतरिक्ष से संचालित होगा, इसलिए जमीन पर तबाही होने के बावजूद यह चौबीसों घंटे काम करेगा।

### पुलिस की लाइन कभी बिजी नहीं होगी

मप्र पुलिस का यह सफर फिल्मी कहानी से कम नहीं है। 1956 में प्रदेश की स्थापना के समय पुलिस सेना के रिजेक्टेड रेडियो सेट और मोर्स कोड (टिक-टिक वाली आवाज) के भरोसे थी। 1972 में पहली बार पुलिस के हाथ में वॉकी-टॉकी जैसे दिखने वाले वीएचएफ वायरलेस सेट आए। ये वेरी हाई फ्रीक्वेंसी पर काम करते थे। अब लगभग 70 साल बाद पुलिस बल सीधे अंतरिक्ष तकनीक का इस्तेमाल कर आधुनिक युग की चुनौतियों से लड़ने के लिए तैयार है। आम जनता के मोबाइल सिग्नल और पुलिस के नेटवर्क के बीच अक्सर ट्रैफिक जाम जैसी स्थिति बन जाती है। इससे निपटने के लिए केंद्र सरकार ने पुलिस और जांच एजेंसियों के लिए एक अलग रेडियो फ्रीक्वेंसी स्पेक्ट्रम आवंटित किया है। इसका फायदा यह होगा कि पुलिस की लाइन कभी बिजी नहीं होगी। पारंपरिक वीएचएफ सिग्नलों को स्कैनर या रेडियो रिसीवर की मदद से आसानी से इंटरसेप्ट किया (चोरी-छिपे सुना) जा सकता है। अपराधी पुलिस की गतिविधियों पर नजर रखने इसका फायदा उठाते रहे हैं। अब सैटेलाइट संचार आधुनिक डिजिटल एनक्रिप्शन का उपयोग करता है। इसमें सूचनाओं को कोड में बदल दिया जाता है, जिससे बातचीत को डिकोड करना नामुमकिन हो जाता है। वीएचफ सिस्टम केवल वॉयस कम्युनिकेशन के लिए बना है। इसके जरिए बड़ी फाइलें, हाई क्वालिटी वीडियो या लाइव लोकेशन साझा करना बहुत धीमा या असंभव होता है।

### हर जगह एक समान काम करेगा यह सिस्टम

आधुनिक सैटेलाइट सिस्टम उच्च बैंडविड्थ पर चलते हैं। इसके जरिए रियल-टाइम वीडियो स्ट्रीमिंग, बायोमेट्रिक डेटा और जटिल डेटा फाइलों को पलक झपकते ही ट्रांसफर किया जा सकता है। प्रदेश में इस तकनीकी बदलाव पर लगभग 100 करोड़ का खर्च आएगा। इस नए सिस्टम को अपनाने जल्द ही टेंडर की प्रक्रिया शुरू होगी। इसका एक बड़ा फायदा असीमित कवरेज के रूप में भी मिलेगा। वर्तमान वीएचएफ रेडियो लाइन ऑफ-साइट सिद्धांत पर काम करता है। इसकी सीमा आमतौर पर 40-60 किमी तक होती है। पहाड़ों, ऊंची इमारतों या घने जंगलों के कारण इसके सिग्नल बाधित हो जाते हैं। इससे उलट सैटेलाइट संचार में दूरी मायने नहीं रखती। सिग्नल सीधे अंतरिक्ष में स्थित उपग्रह से आते हैं, इसलिए यह ऊंचे पहाड़ों से लेकर गहरे जंगलों और सुदूर ग्रामीण इलाकों तक समान रूप से काम करता है। वीएचएफ में रेडियो फ्रीक्वेंसी का ओवरलैप होना एक समस्या है।

**परियोजना के लिए राज्य के चार प्रमुख हाई वोल्टेज सबस्टेशनों का चयन**

# बैटरी स्टोरेज सिस्टम से मप्र को मिलेगी सस्ती बिजली

**भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता।** मप्र बिजली ट्रांसमिशन में बड़ी क्रांति करने जा रहा है. अगर प्रदेश सरकार का यह प्रयोग सफल रहा तो, भविष्य में किसानों को बड़ी राहत मिलेगी. 24 घंटे बिजली मिलने से किसानों को सिंचाई और दूसरी जरूरतों के लिए सस्ती बिजली मिल सकेगी. बिजली सब्सिडी घटाने में भी मदद मिलेगी. यानि शहरी से लेकर ग्रामीण क्षेत्र दिन-रात जगमगाएंगे, लोगों को कम दाम में 24 घंटे बिजली मिलेगी। इतना ही नहीं यह प्रयोग पर्यावरण के लिए भी बहुत असरदार होगा. प्रदेश ग्रीन एनर्जी का हब बन जाएगा. मप्र में सौर और पवन जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों से बनने वाली बिजली को अब सुरक्षित रखकर जरूरत के समय इस्तेमाल किया जा सकेगा। इसके लिए राज्य में बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली की बड़ी परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं। दरअसल, मप्र में बिजली व्यवस्था को मजबूत बनाने और सौर ऊर्जा का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं। राज्य में कुल 750 मेगावॉट क्षमता की बैटरी स्टोरेज परियोजनाएं स्थापित की जाएंगी, जिनसे करीब 3900 करोड़ का निवेश आने की संभावना है।

### महंगी थर्मल बिजली पर निर्भरता कम होगी

परियोजना के तहत डेवलपर्स सौर ऊर्जा से बैटरियों को चार्ज करेंगे और जरूरत के समय बिजली ग्रिड में देंगे। इससे पीक डिमांड के दौरान महंगी थर्मल बिजली पर निर्भरता कम होगी। अधिकारियों के अनुसार, यह कदम बिजली लागत को नियंत्रित करने में भी महत्वपूर्ण साबित होगा। इस पूरी योजना का क्रियान्वयन पॉवर मैनेजमेंट कंपनी द्वारा किया जा रहा है, जो राज्य में बिजली खरीदने वाली मुख्य एजेंसी है। कंपनी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कई सुविधाएं भी दे रही है, जैसे भूमि उपलब्ध कराना और ग्रिड से चार्जिंग के लिए व्यवस्था करना। मप्र में इस तरह की बड़ी परियोजनाएं शुरू होना ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा बदलाव माना जा रहा है। राज्य सरकार का मानना है कि इन परियोजनाओं से न सिर्फ बिजली व्यवस्था

## छत्तीसगढ़

**GATE परीक्षा में हाईटेक चीटिंग का भंडाफोड़**

# 'मुन्ना भाई MBBS स्टाइल में नकल की साजिश, पुलिस ने 6 को दबोचा

**रायपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।** राष्ट्रीय स्तर की GATE परीक्षा में हाईटेक तरीके से नकल कराने की साजिश का रायपुर पुलिस ने पर्दाफाश किया है। इस मामले में पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के विरुद्ध थाना डीडी नगर में विधिसम्मत कार्रवाई की गई है।

जानकारी के अनुसार, पुलिस को विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई थी कि ब्रज्ञश्व परीक्षा के दौरान कुछ लोग इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के माध्यम से परीक्षार्थियों को अनुचित लाभ दिलाने की योजना बना रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए डीसीपी पश्चिम संदीप पटेल एवं डीसीपी क्राइम स्मृतिक राजनाला के निर्देशन में एडीसीपी पश्चिम राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में एसीपी पुरानी बस्ती एवं क्राइम के नेतृत्व में थाना डीडी नगर और एसीसीयू रायपुर की संयुक्त टीम गठित कर तत्काल कार्रवाई की गई। पुलिस टीम ने परीक्षा केंद्र आयन डिजिटल ज़ोन (Ion Digital Zone), सरोना के आसपास गोपनीय निगरानी रखी। इस दौरान कुछ व्यक्तियों को संदिग्ध परिस्थितियों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के साथ पकड़ा गया। पूछताछ और तलाशी में उनके पास नकल कराने में प्रयुक्त ब्लूटूथ और अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि परीक्षा केंद्र के भीतर बैठे अभ्यर्थियों को विशेष ब्लूटूथ डिवाइस उपलब्ध कराए गए थे। अभ्यर्थी प्रश्न पढ़कर बाहर बैठे सहयोगियों तक पहुंचाते थे, जो गूगल सर्च के माध्यम से उत्तर निकालकर ब्लूटूथ डिवाइस से परीक्षार्थियों को भेजते थे। इसके बदले आरोपियों द्वारा परीक्षार्थियों से मोटी रकम वसूली जाती थी। इसके बाद पुलिस ने परीक्षा केंद्र से संपर्क कर संदिग्ध परीक्षार्थियों की तलाशी ली, जहां उनके पास से ब्लूटूथ इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बरामद की गई। डीडी नगर थाना में अपराध क्रमांक 112/2026 के तहत धारा 318(2), 61(2) ब्व्हस्, 66 आईटी एक्ट, 10(1) लोक परीक्षा अनुचित साधनों का निवारण अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

# मुंगेली की होनहार बेटी सुप्रिया ने पूरे प्रदेश का बढ़ाया मान, भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर हुआ चयन

**बिलासपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।** मुंगेली जिले के ग्राम टेढ़ाधौरा की रहने वाली सुप्रिया ठाकुर का चयन भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट पद के लिए हुआ है. सुप्रिया का चयन SSC (W) Tech-66 Entr4 के माध्यम से हुआ है. उन्हें 17 एसएसबी बोर्ड, बेंगलुरु से रिकमेंडेशन मिला है. खास बात यह है कि सुप्रिया ने इलेक्ट्रॉनिक्स वैकेंसी में ऑल इंडिया रैंक-4 हासिल कर देशभर में शानदार प्रदर्शन किया है. सुप्रिया ने अपनी स्कूली शिक्षा सेंट जोसेफ कॉन्वेंट हायर सेकेंड्री स्कूल, तारबहार, बिलासपुर से पूरी की. इसके बाद उन्होंने चौकसे इंजीनियरिंग कॉलेज से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन में इंजीनियरिंग की. सुप्रिया एनसीसी 'C' सर्टिफिकेट भी प्राप्त कर चुकी हैं, और इसी दौरान उन्हें भारतीय सेना का एक्सपोजर मिला, जिससे उनके भीतर देशसेवा का सपना और मजबूत हुआ. सुप्रिया ने बताया कि बचपन से ही उनके मन में सेना में ऑफिसर बनकर देश की सेवा करने की इच्छा थी. इस सफलता में उनके माता-पिता और भाई का बड़ा योगदान रहा, जिन्होंने हर कदम पर उनका साथ दिया. सुप्रिया के पिता वैदेही शरण सिंह श्रीनेत और माता संतोषी सिंह श्रीनेत हैं. परिवार मूल रूप से मुंगेली जिले के ग्राम टेढ़ाधौरा का निवासी है, जबकि सुप्रिया की पढ़ाई बिलासपुर में हुई. सुप्रिया की इस उपलब्धि पर पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है. वहीं उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने भी सुप्रिया ठाकुर को भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट पद पर चयनित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं.

**महाशिवरात्रि पर बाबा धाम में सीएम साय ने की पूजा-अर्चना**

# 1.20 करोड़ के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

**रायपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।**

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अपनी धर्मपत्नी कौशल्या साय के साथ रायगढ़ प्रवास के दौरान देर रात एक बजे ग्राम कोसमनारा स्थित श्री श्री 108 श्री सत्यनारायण बाबा धाम पहुंचे. उन्होंने भगवान भोलेनाथ एवं श्री श्री 108 श्री सत्यनारायण बाबा की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की. इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पूरे प्रदेश वासियों को महाशिवरात्रि पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी. इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने जिला खनिज न्यास मद के अंतर्गत 1 करोड़ 20 लाख रुपए की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत शिलान्यास किया. प्रस्तावित कार्यों में मुख्य भवन के सामने ग्रेनाइट फर्श सहित शेड निर्माण, आगंतुकों के विश्राम एवं भोजन के लिए शेड निर्माण, शौचालय परिसर भवन का निर्माण तथा पार्किंग क्षेत्र के लिए सीमेंट कांक्रीट सड़क निर्माण शामिल हैं. उन्होंने इन कार्यों के लिए क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा कि इससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि कोसमनारा स्थित यह धाम श्रद्धा और आस्था का प्रमुख केंद्र है. यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा समाज को सकारात्मक दिशा और आत्मबल प्रदान करती है. उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गुरुजनों के आशीर्वाद और जनता के विश्वास के साथ जनकल्याण के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ रही है. उल्लेखनीय है कि रायगढ़ जिला मुख्यालय से लगभग 7 किलोमीटर दूर स्थित यह धाम वर्षों से श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है. बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां श्री श्री 108 श्री सत्यनारायण बाबा एवं भगवान भोलेनाथ के दर्शन के लिए पहुंचते हैं. स्थानीय जनश्रुति के अनुसार, श्री श्री 108 श्री सत्यनारायण बाबा वर्ष 1998 से कठोर तपस्या में लीन हैं. वर्ष 2003 में उन्हें 'श्री श्री 108' की उपाधि प्राप्त हुई, जिसके बाद धाम की ख्याति और अधिक बढ़ी.

# नशे के खिलाफ जंग: 50 किग्रा गांजा के साथ 2 तस्कर गिरफ्तार

**धमतरी, प्रातःकिरण संवाददाता।** एण्टी क्राइम एण्ड साइबर यूनिट तथा थाना सिविल लाईन पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए कार से गांजा की तस्करी करते दो तस्करों को पकड़ने में कामयाबी पाई है. तस्करों के पास से 50.94 किलोग्राम गांजा के साथ 2 लाख रुपए नगदी, कार और मोबाइल सहित कुल 32,67,000 रुपए का माल जब्त किया है. जानकारी के अनुसार, एण्टी क्राइम एण्ड साइबर यूनिट की टीम को 14 फरवरी को मुखबिर से सूचना मिली की सिविल लाइन थाना क्षेत्रांतर्गत केनाल रोड स्थित दुर्गा मंच के पीछे खाली मैदान में एक चारपहिया वाहन में सवार दो व्यक्ति अवैध रूप से गांजा रखकर बिक्री के उद्देश्य से ग्राहक का इंतजार कर रहे हैं. सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त (क्राइम एण्ड साइबर) स्मृतिक राजनाला एवं पुलिस उपायुक्त (सेंट्रल जोन) उमेश प्रसाद गुप्ता द्वारा अधीनस्थ अधिकारियों एवं प्रभारियों को सूचना की तस्दीक कर आरोपियों को मादक पदार्थ सहित गिरफ्तार करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए. वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राइम एण्ड साइबर यूनिट तथा थाना सिविल लाइन पुलिस की संयुक्त टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर वाहन में सवार दो लोगों से पूछताछ की.

**शिक्षा गुणवत्ता अभियान** **'मिशन 90 प्लस' से बदलेगी तस्वीर**

# डी-ई ग्रेड विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा से परिवर्तन कार्यक्रम

**मुंगेली, प्रातःकिरण संवाददाता।**

मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान 'मिशन 90 प्लस' के अंतर्गत जिले में प्रेरक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कलेक्टर कुन्दन कुमार एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने कार्यक्रम में विशेष रूप से आमंत्रित कक्षा 10वीं, 11वीं एवं 12वीं के 'डी' एवं 'ई' ग्रेडिंग वाले विद्यार्थियों को परीक्षा की बेहतर तैयारी के लिए मार्गदर्शन दिया. कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाना, परीक्षा भय को दूर करना और उत्कृष्ट परिणाम के लिए प्रेरित करना था. कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने खुलकर अपनी शंकाएँ साझा कीं. विद्यार्थियों ने टाइम टेबल बनाने, लंबे समय तक ध्यान केंद्रित रखने, नकारात्मकता से दूर रहने तथा प्रतिशत और ज्ञान के महत्व जैसे विषयों पर भी प्रश्न किए, जिस पर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया. विद्यार्थियों ने परीक्षा से पहले होने वाले तनाव, पढ़ाई के बाद भूलने की समस्या तथा सफल जीवन के लिए आवश्यक टिप्स, बोर्ड परीक्षा में उत्तर लिखते समय होने वाली घबराहट, परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन, परीक्षा के दौरान तनाव प्रबंधन और कम समय में प्रभावी तैयारी के उपाय जानने की जिज्ञासा व्यक्त की.

इसी तरह कक्षा 11वीं की छात्रा मनीषा मनहरण ने स्वयं के नोट्स बनाने के महत्व को साझा करते हुए आगे की पढ़ाई के लिए हॉस्टल सुविधा की मांग रखी. इन सभी पर कलेक्टर कुन्दन कुमार एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने मार्गदर्शन प्रदान कर परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने प्रेरित किया.

### सीमित संसाधन में बेहतर परिणाम -कलेक्टर

कार्य म को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएँ जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव हैं. उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि सीमित संसाधन में बेहतर परिणाम आते हैं तथा अभाव में ही व्यक्ति की क्षमता में निखरकर सामने आती है, इसलिए समय का सदुपयोग करते हुए पूरी लगन एवं मेहनत से पढ़ाई करें.

कलेक्टर ने बताया कि संसाधनों का बेहतर उपयोग, मोबाइल से अनावश्यक दूरी और समय प्रबंधन सफलता की कुंजी हैं. उन्होंने विद्यार्थियों को अपने डर की सूची बनाकर उन्हें दूर करने के लिए कार्य करने की सलाह दी. कलेक्टर ने कहा कि परेशानियों को अवसर के रूप में लें और उनका डटकर सामना करें. उन्होंने नियमित रिवीजन, लिखने का अभ्यास और स्वस्थ दिनचर्या अपनाने पर बल देते हुए परीक्षा में अच्छे अंक लाने के तरीके भी बताए. बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि निरंतर मेहनत और सकारात्मक सोच से बेहतर परिणाम अवश्य प्राप्त होंगे.

# प्रेम का उत्सव या संवेदना का अवसान?

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

सृष्टि में यदि किसी तत्व को ईश्वरीय शुभाशीष का सर्वोच्च उपहार कहा जाए, तो वह निःसंदेह प्रेम है। प्रेम जो सर्वतो भावेन अनन्य समर्पण है। प्रेम जो ब्रह्मरस की साकार अनुभूति है। प्रेम जो करुणा, क्षमा और सहअस्तित्व की चरम अभिव्यक्ति है। प्रेम कोई क्षणिक आकर्षण नहीं, कोई देहप्रधान अनुभूति नहीं, कोई बाजारू उत्पाद नहीं, बल्कि वह आत्मा से आत्मा का संवाद है। भारतीय दर्शन में प्रेम को काम नहीं, बल्कि प्रेम कहा गया है जहाँ काम वासना है, वहीं प्रेम साधना। लेकिन आज का समय इस मूल अवधारणा से विमुख होता प्रतीत हो रहा है। प्रेम, जो कभी साध्य था, अब साधन बनता जा रहा है। भारतीय परंपरा में प्रेम को चार स्तरों पर समझा गया है । प्रीत यानि आत्मीय लगाव। नीति यानि कर्तव्यनिष्ठ स्नेह। मित्रता (मित) यानि समानता और विश्वास। रीति यानि सामाजिक और सांस्कृतिक मयार्दा। इन चारों का समन्वय ही प्रेम को पूर्ण बनाता है। यह प्रेम माता-पिता और संतान के बीच है, गुरु और शिष्य के बीच है, पति-पत्नी के बीच है, और सबसे ऊपर ईश्वर और भक्त के बीच है। यही कारण है कि भारतीय परंपरा में प्रेम को पूजा का रूप दिया गया है, न कि प्रदर्शन का। पिछले कुछ दशकों में भारतीय समाज में एक विचित्र द्वंद्व दखा जा रहा है। आधुनिकता अपनाना चाहते हैं, लेकिन विवेक त्यागकर। वैश्विक बनना चाहते हैं, परंतु अपनी जड़ों को काटकर। वेलेंटाइन डे इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। यह दिन मूलतः पाश्चात्य समाज की ऐतिहासिक-धार्मिक पृष्ठभूमि से उपजा है, परंतु भारत में इसे प्रेम के सार्वभौमिक प्रतीक के रूप में प्रस्तुत कर दिया गया है बिना यह समझे कि भारतीय समाज में प्रेम की अभिव्यक्ति पहले से कहीं अधिक गहन और व्यापक रही है। आज प्रेम को मापा जाता है महंगे उपहारों से। सोशल मीडिया पोस्ट से। रेस्तरां बुकिंग से। ब्रांडेड गुलाब और चॉकलेट से। प्रेम अब अनुभूति नहीं, प्रदर्शन है। जहाँ पहले प्रेम त्याग सिखाता था, वहीं अब वह अपेक्षा सिखाता है। जहाँ पहले प्रेम मौन में जीया जाता था, वहीं अब वह कैमरे के सामने सिद्ध किया जाता है। यह व्यावसायीकरण केवल प्रेम को नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं को ही वस्तु में बदल रहा है। यह विडंबना नहीं तो और क्या है कि एक ओर गुलाब दिवस, चॉकलेट दिवस, वेलेंटाइन दिवस मनाते हैं और दूसरी ओर छह वर्ष पूर्व देश के 40 वीर जवानों की शहादत स्मृति-पटल से ओझल होती जा रही है। यह प्रश्न केवल एक घटना का नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय चेतना का है। जब समाज स्मरण से कटता है, तो उसका भविष्य दिशाहीन हो जाता है। आज प्रेम परिवार से बाहर खोजा जा रहा है, जबकि परिवार स्वयं प्रेम की प्रथम पाठशाला है। माँ-पिता का प्रेम अब मदर्स डे और फादर्स डे तक सीमित होता जा रहा है। बच्चे प्रेम नहीं, कंटेंट उपभोग कर रहे हैं। संवाद नहीं, नोटिफिकेशन बढ़ रहे हैं। यह स्थिति केवल सामाजिक नहीं, बल्कि मानसिक और नैतिक संकट का संकेत है। आधुनिक समाज ने प्रेम को देह से जोड़ दिया है। लेकिन भारतीय दर्शन प्रेम को आत्मा से जोड़ता है। देह आकर्षण चाहती है, आत्मा समर्पण। देह उपभोग चाहती है, आत्मा स्थायित्व। जब प्रेम देह तक सीमित होता है, तो वह टूटता है। जब आत्मा तक पहुँचता है, तो वह शाश्वत बनता है। आज दुख, शोक, प्रेम, करुणा, सब ब्रेकिंग न्यूज बन चुका है। संवेदना अब अनुभूति नहीं, बल्कि हेडलाइंस है। यही कारण है कि शहादत पर दो मिनट का मौन रखते हैं, और प्रेम पर सात दिन का उत्सव। आज आवश्यकता है प्रेम को पुनः समझने की। प्रेम को बाजार से मुक्त करने की। प्रेम को देह से ऊपर उठाने की। प्रेम को परिवार, समाज और राष्ट्र से जोड़ने की। प्रेम केवल प्रेमी-प्रेमिका का विषय नहीं है, वह मानवता का आधार है। प्रेम कोई दिवस नहीं है, प्रेम कोई ट्रेंड नहीं है, प्रेम कोई उत्पाद नहीं है। प्रेम निरंतर साधना है। यदि प्रेम है तो शहीदों का सम्मान होगा। माता-पिता की सेवा होगी। समाज में करुणा होगी और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व होगा। यही प्रेम का भारतीय स्वरूप है। यही प्रेम का शाश्वत सत्य है।

## जलवायु परिवर्तन की दस्तक सिमटता वसंत और बढ़ती फरवरी की गर्मी

उत्तर भारत में इस वर्ष फरवरी का महीना अप्रत्याशित गर्मी लेकर आया है। कई शहरों में तापमान 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है और लोगों को ऐसा महसूस हो रहा है मानो सर्दी के बाद सीधे मई का मौसम आ गया हो। जिस समय फागुन की मादक बयार बहती थी और दिन में हल्की गर्मी के साथ रात में ठंडक रहती थी उस समय अब तेज धूप और शुष्क हवाएं चल रही हैं। वसंत का संतुलित और सुखद स्वरूप जैसे अचानक सिमट गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार फरवरी में तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया जा रहा है। दिल्ली एनसीआर सहित उत्तरी मैदानी क्षेत्रों में न्यूनतम और अधिकतम तापमान दोनों में तेजी से वृद्धि देखी गई है। यह स्थिति केवल एक अस्थायी बदलाव नहीं बल्कि दीर्घकालिक जलवायु प्रवृत्ति का संकेत है। वैश्विक स्तर पर पिछले वर्ष अत्यधिक गर्मी दर्ज की गई और 2025 भी गर्म वर्षों में शामिल रहा। इसका प्रभाव क्षेत्रीय मौसम चक्र पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। सीधी गर्मी आने के पीछे कई कारण हैं। वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों की बढ़ती मात्रा धरती की सतह से उत्सर्जित ऊष्मा को रोक लेती है जिससे तापमान बढ़ता है। औद्योगीकरण वाहनों की बढ़ती संख्या ऊर्जा की अत्यधिक खपत और जंगलों की कटाई इस प्रवृत्ति को तेज कर रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में कंक्रीट और डामर की अधिकता के कारण हीट आइलैंड प्रभाव उत्पन्न होता है जिससे शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से अधिक हो जाता है। सर्दियों में अपेक्षित वर्षा और हिमपात में कमी भी ठंड के प्रभाव को सीमित कर देती है और तापमान तेजी से ऊपर चला जाता है। वसंत के सिमटने का असर प्रकृति पर स्पष्ट है। पहले सरसों के खेत कई दिनों तक पीले फूलों से लहराते थे और पेड़ों पर नई कोपलें धीरे धीरे खिलती थीं। अब तेज गर्मी के कारण फसल जल्दी पक रही है और फूलों का जीवनकाल कम हो रहा है। अमलतास गुलाब और चमेली की सुगंधित उपस्थिति भी प्रभावित हो रही है। पतझड़ और नई पत्तियों के आने का क्रम असंतुलित हो गया है जिससे परागण प्रक्रिया और जैव विविधता पर प्रभाव पड़ सकता है। कृषि क्षेत्र के लिए यह परिवर्तन चुनौतीपूर्ण है। समय से पहले तापमान बढ़ने से गेहूं जैसी रबी फसलों की उपज प्रभावित हो सकती है। मिट्टी की नमी जल्दी समाप्त होती है और सिंचाई की मांग बढ़ जाती है। यदि मार्च और अप्रैल में ही लू जैसे हालात बनते हैं तो किसानों की लागत बढ़ेगी और उत्पादन घट सकता है। यह केवल आर्थिक समस्या नहीं बल्कि खाद्य सुरक्षा से जुड़ा प्रश्न भी है। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी यह स्थिति चिंता का विषय है। यदि फरवरी में ही गर्मी बढ़ती रही तो हीटवेव का खतरा पहले उत्पन्न हो सकता है। बुजुर्ग बच्चों और श्रमिक वर्ग को अधिक सावधानी की आवश्यकता होगी। जल की कमी और बिजली की बढ़ती मांग से सामाजिक दबाव बढ़ सकता है। अस्पतालों में डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रेस के मामलों में वृद्धि की आशंका रहती है। जहां तक आगे ठंड बढ़ने की संभावना का प्रश्न है तो अल्पकाल में पश्चिमी विक्षोभ के कारण कुछ दिनों के लिए बादल और वर्षा हो सकती है जिससे तापमान में हल्की गिरावट आएगी। पश्चिमी हिमालय में वर्षा और बर्फबारी का प्रभाव मैदानी क्षेत्रों तक महसूस हो सकता है परंतु दीर्घकालिक प्रवृत्ति गर्मी की ओर झुकी हुई है। इसलिए यह मानना उचित होगा कि मौसम में अस्थिरता बनी रहेगी और वसंत की पारंपरिक अवधि छोटी होती जाएगी। निवारण के लिए बहुआयामी प्रयास आवश्यक हैं। कार्बन उत्सर्जन में कमी सबसे महत्वपूर्ण कदम है। सौर और पवन ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाना होगा। सार्वजनिक परिवहन और इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देना चाहिए। वृक्षारोपण और हरित क्षेत्रों का विस्तार स्थानीय तापमान को नियंत्रित करने में सहायक होगा। जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन को प्राथमिकता देनी चाहिए। नीति निर्माण में दीर्घकालिक पर्यावरणीय दृष्टिकोण अपनाना समय की मांग है। व्यक्तिगत स्तर पर भी जिम्मेदारी निभानी होगी। ऊर्जा की बचत जल का संयमित उपयोग और पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली अपनाना आवश्यक है।

# चुनाव के बाद चुप्पी: क्या राइट टू रिकॉल समय की मांग है?

**यदि इसे संवैधानिक मयार्दाओं के भीतर, चरणबद्ध और संतुलित रूप में लागू किया जाए, तो यह लोकतंत्र को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और जनोन्मुखी बना सकती है। एक सशक्त लोकतंत्र वही होता है जहाँ जनता केवल वोट डालने तक सीमित न रहे, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर सत्ता को नियंत्रित करने की वास्तविक क्षमता भी रखे। इसके साथ ही यह आशंका भी व्यक्त की जाती है कि विपक्षी दल या प्रभावशाली हित समूह इस अधिकार का दुरुपयोग कर सकते हैं और जनभावनाओं को भड़काकर निर्वाचित सरकारों को गिराने का प्रयास कर सकते हैं। तात्कालिक असंतोष या अफवाहों के आधार पर लिया गया निर्णय दीर्घकालिक नीतियों के लिए नुकसानदेह हो सकता है। इन आशंकाओं को नकारा नहीं जा सकता।**

**डॉ. सत्यवान सौरभ**
लेखक

लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यह है कि सत्ता जनता के हाथों में निहित होती है और निर्वाचित प्रतिनिधि जनता के सेवक होते हैं। चुनाव इसी व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम हैं, जिनके द्वारा जनता अपने प्रतिनिधियों का चयन करती है। किंतु व्यवहार में यह आदर्श अक्सर कमजोर पड़ता दिखाई देता है। चुनाव से पहले नेता जनता के बीच सक्रिय रहते हैं, जनसभाएँ करते हैं, समस्याएँ सुनते हैं और बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन जैसे ही चुनाव संपन्न होता है और सत्ता मिलती है, वही नेता जनता से दूर होते चले जाते हैं। धीरे-धीरे स्थिति ऐसी बन जाती है कि जनता अपने ही प्रतिनिधियों से मिलने और अपनी बात रखने के लिए संघर्ष करती नजर आती है। यही वह विरोधाभास है जिसने राइट टू रिकॉल जैसे विचार को जन्म दिया है। वर्तमान लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के पास प्रतिनिधियों को नियंत्रित करने का एकमात्र प्रभावी साधन अगला चुनाव होता है, जो प्रायः पाँच वर्ष बाद आता है। यदि इस अवधि के दौरान कोई प्रतिनिधि भ्रष्टाचार में लिप्त हो जाए, जनता की समस्याओं की अनदेखी करे या अपने चुनावी वादों से पूरी तरह मुकर जाए, तो जनता असहाय बनी रहती है। यह असहायता लोकतंत्र में निराशा और अविश्वास को जन्म देती है। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि जिस जनता को प्रतिनिधि चुनने का अधिकार है, क्या उसे प्रतिनिधि को हटाने का अधिकार नहीं होना चाहिए? राइट टू रिकॉल इसी प्रश्न का उत्तर प्रस्तुत करता है। इसका तात्पर्य है कि यदि कोई निर्वाचित प्रतिनिधि अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन नहीं करता, जनता के विश्वास को तोड़ता है या लगातार जनविरोधी कार्य करता है, तो जनता एक निर्धारित संवैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से उसे कार्यकाल समाप्त होने से पहले ही पद से हटा सके। यह अवधारणा लोकतंत्र को केवल प्रतिनिधिक नहीं रहने देती, बल्कि उसे वास्तविक अर्थों में जवाबदेह बनाती है। इससे प्रतिनिधियों को यह स्पष्ट संदेश मिलता है कि उनकी जिम्मेदारी चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे कार्यकाल में जनता के प्रति बनी रहती है। दुनिया के कई हिस्सों में इस विचार को व्यवहार में लाया गया है। उदाहरणस्वरूप, स्विट्ज़रलैंड में प्रत्यक्ष लोकतंत्र की परंपरा मजबूत मानी जाती है, जहाँ नागरिकों की भूमिका केवल प्रतिनिधि चुनने तक सीमित नहीं रहती। इसी तरह संयुक्त राज्य अमेरिका के कुछ राज्यों में स्थानीय स्तर पर रिकॉल चुनावों के माध्यम से निर्वाचित प्रतिनिधियों को हटाने की व्यवस्था मौजूद है। ये उदाहरण दशार्ते हैं कि ह्लराइट टू रिकॉलह्व कोई अव्यावहारिक कल्पना नहीं, बल्कि एक कार्यशील लोकतांत्रिक उपाय है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र में जवाबदेही का प्रश्न और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। यहाँ पंचायत स्तर पर कुछ राज्यों में सरपंच या स्थानीय प्रतिनिधियों को हटाने की सीमित व्यवस्थाएँ मौजूद हैं, किंतु विधायक और सांसद जैसे उच्च पदों के लिए ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। परिणामस्वरूप, कई बार जनता को पाँच वर्षों तक ऐसे प्रतिनिधियों को झेलना पड़ता है, जो न तो सदन में सक्रिय रहते हैं और न ही अपने क्षेत्र की समस्याओं के प्रति संवेदनशील होते हैं। भारत में राइट टू रिकॉल की मांग समय-समय पर उठती रही है। इसके समर्थकों का मानना है कि यह व्यवस्था नेताओं में निरंतर जवाबदेही का भाव पैदा करेगी। जब प्रतिनिधि को यह ज्ञात होगा कि जनता चाहे तो उसे पद से हटा सकती है, तब वह जनहित के मुद्दों को गंभीरता से लेगा। इससे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा, सत्ता के दुरुपयोग की प्रवृत्ति कम होगी और लोकतंत्र केवल औपचारिक न रहकर जीवंत बनेगा। इसके अतिरिक्त, यह अधिकार जनता को केवल मतदाता नहीं, बल्कि सक्रिय लोकतांत्रिक भागीदार के रूप में स्थापित करेगा। हालाँकि इस अवधारणा के आलोचक भी कम नहीं हैं। उनका तर्क है कि राइट टू रिकॉल से राजनीतिक अस्थिरता बढ़ सकती है। बार-बार रिकॉल की कोशिशें सरकारों को अस्थिर कर सकती हैं और विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है। इसके साथ ही यह आशंका भी व्यक्त की जाती है कि विपक्षी दल या प्रभावशाली हित समूह इस अधिकार का दुरुपयोग कर सकते हैं और जनभावनाओं को भड़काकर निर्वाचित सरकारों को गिराने का प्रयास कर सकते हैं। तात्कालिक असंतोष या अफवाहों के आधार पर लिया गया निर्णय दीर्घकालिक नीतियों के लिए नुकसानदेह हो सकता है। इन आशंकाओं को नकारा नहीं जा सकता, लेकिन इन्हें आधार बनाकर राइट टू रिकॉल की अवधारणा को पूरी तरह खारिज कर देना भी उचित नहीं होगा। आवश्यकता इस बात की है कि इसे संतुलित और विवेकपूर्ण ढंग से लागू किया जाए। यदि रिकॉल प्रक्रिया शुरू करने के लिए मतदाताओं के एक बड़े हिस्से का समर्थन अनिवार्य किया जाए, कार्यकाल के शुरूआती और अंतिम चरणों में इस पर रोक लगाई जाए और पूरी प्रक्रिया स्वतंत्र तथा पारदर्शी संस्थाओं द्वारा संचालित हो, तो दुरुपयोग की संभावना काफी हद तक कम की जा सकती है। लोकतंत्र कोई स्थिर व्यवस्था नहीं है; यह समय और समाज की आवश्यकताओं के अनुसार विकसित होता रहता है। जिस प्रकार सार्वभौमिक मताधिकार, सूचना का अधिकार और सामाजिक न्याय से जुड़े सुधारों ने लोकतंत्र को अधिक मजबूत बनाया, उसी प्रकार ह्लराइट टू रिकॉलह्व भी लोकतांत्रिक विकास की अगली कड़ी के रूप में देखा जा सकता है। आज जब जनता पहले से अधिक जागरूक है, सूचना तक उसकी पहुँच व्यापक है और वह अपने अधिकारों के प्रति सजग हो रही है, तब लोकतंत्र में जवाबदेही के नए औजारों की मांग स्वाभाविक है। अंततः राइट टू रिकॉल कोई चमत्कारी समाधान नहीं है, लेकिन यह उस समस्या को अवश्य संबोधित करता है जिसमें चुनाव के बाद जनता और नेता के बीच दूरी बढ़ जाती है। यह अवधारणा नेताओं को यह स्मरण कराती है कि सत्ता स्थायी अधिकार नहीं, बल्कि जनता की अमानत है।

# ढाका में बदलाव की हवा, भारत के सामने नई कसौटी

**बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन का असर केवल भारत-बांग्लादेश संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव व्यापक दक्षिण एशियाई भू-राजनीति पर भी पड़ेगा। चीन और पाकिस्तान क्षेत्र में अपने प्रभाव को लगातार बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में भारत के लिए आवश्यक होगा कि वह बांग्लादेश के साथ आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत रखे, ताकि क्षेत्रीय शक्ति संतुलन भारत के प्रतिकूल न जाए। बहुपक्षीय मंचों और उप-क्षेत्रीय सहयोग पहलों के माध्यम से संवाद और सहयोग को सुदृढ़ किया जा सकता है। ऐसे परिदृश्य में भारत के लिए संतुलित और सक्रिय कूटनीति अपनाना अनिवार्य होगा।**

**प्रियंका सौरभ**
लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार

बांग्लादेश के हालिया आम चुनावों में बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) ने तारिक रहमान के नेतृत्व में प्रचंड बहुमत के साथ ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। सत्रह वर्षों के लंबे निर्वासन के बाद राजनीति में लौटे तारिक रहमान ने अपनी माँ और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए पार्टी को दो-तिहाई से अधिक सीटें दिलाईं। यह जीत न केवल एक चुनावी सफलता है, बल्कि बांग्लादेश की राजनीति में सत्ता संतुलन के व्यापक पुनर्संयोजन और एक नए राजनीतिक दौर की शुरूआत का संकेत भी देती है। भारत के लिए यह परिणाम अवसरों के साथ-साथ कई रणनीतिक अनिश्चितताएँ भी लेकर आया है, जिनका प्रबंधन आने वाले वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों की दिशा तय करेगा। पिछले डेढ़ दशक से अधिक समय तक बांग्लादेश की राजनीति पर अवामी लीग और शेख हसीना का वर्चस्व रहा। इस अवधि में स्थिरता, आर्थिक विकास और क्षेत्रीय सहयोग के साथ-साथ सत्ता के केंद्रीकरण, विपक्ष के दमन और लोकतांत्रिक संस्थाओं के कमजोर होने के आरोप भी लगातार लगते रहे। लंबे समय तक एक ही राजनीतिक धारा के प्रभुत्व ने मतदाताओं में प्रशासनिक थकान और परिवर्तन की आकांक्षा को जन्म दिया। बीएनपी की जीत को इसी व्यापक जन-असंतोष और राजनीतिक विकल्प की तलाश के परिणाम के रूप में देखा जा सकता। तारिक रहमान लंबे समय से बांग्लादेश की राजनीति में एक प्रभावशाली, किंतु विवादास्पद चेहरा रहे हैं। निर्वासन काल के दौरान उन पर भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग और कट्टरपंथी तत्वों से संबंधों जैसे आरोप लगे, जिनके कारण उनकी छवि धूमिल हुई। हालांकि दिसंबर 2025 में लंदन से स्वदेश वापसी के बाद उन्होंने अपने राजनीतिक दृष्टिकोण में बदलाव के संकेत दिए। उन्होंने पार्टी संगठन का पुनर्गठन किया, युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाया और जमीनी स्तर पर जन आंदोलन को पुनर्जीवित किया। निर्वासन काल के अनुभवों को उन्होंने राजनीतिक पूंजी में बदला और बीएनपी को चुनावी रूप से पुनर्स्थापित किया। इस संदर्भ में यह जीत केवल पारिवारिक विरासत का विस्तार नहीं, बल्कि रणनीतिक पुनर्संयोजन, संगठनात्मक अनुशासन और बदलते राजनीतिक यथार्थ को समझने की क्षमता की सफलता भी मानी जा रही है। बीएनपी ने 13वें आम चुनावों में आर्थिक सुधार, भ्रष्टाचार उन्मूलन और अल्पसंख्यक सुरक्षा को अपने प्रमुख चुनावी मुद्दों के रूप में प्रस्तुत किया। बेरोजगारी, महँगाई और शासन में पारदर्शिता की कमी जैसे मुद्दों ने मतदाताओं को गहराई से प्रभावित किया। पार्टी ने अपनी पारंपरिक कट्टरपंथी छवि से दूरी बनाने का प्रयास किया और हिंदू समुदाय सहित सभी अल्पसंख्यकों को सुरक्षा का आश्वासन दिया। यह जनादेश इस बात को रेखांकित करता है कि लंबे समय से चले आ रहे राजनीतिक वर्चस्व और प्रशासनिक थकान के बाद मतदाताओं ने परिवर्तन को प्राथमिकता दी। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से सत्ता परिवर्तन ने यह भी संकेत दिया कि बांग्लादेशी समाज स्थिरता के साथ-साथ उत्तरदायी शासन की अपेक्षा रखता है। भारत के दृष्टिकोण से बीएनपी की यह जीत मिश्रित संकेत देती है। ऐतिहासिक रूप से भारत के संबंध अवामी लीग सरकार के साथ अधिक सहज और स्थिर रहे हैं। सीमा प्रबंधन, आतंकवाद-रोधी सहयोग और कनेक्टिविटी परियोजनाओं में शेख हसीना सरकार ने भारत के साथ घनिष्ठ तालमेल रखा। इसके विपरीत, बीएनपी को लेकर नई दिल्ली में हमेशा संदेह बना रहा है, विशेषकर 2001-06 के शासनकाल के अनुभवों के कारण। हालांकि हाल के वर्षों में तारिक रहमान ने भारत के प्रति अपेक्षाकृत संतुलित और व्यावहारिक रुख अपनाने के संकेत दिए हैं। चुनावों से पहले भारत द्वारा बीएनपी को अनौपचारिक रूप से ह्लग्रीन सिग्नलह्व देना इसी बदलते दृष्टिकोण को दशार्ता है। यह संकेत करता है कि भारत अब बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में किसी एक दल पर निर्भर रहने के बजाय बहुआयामी संवाद की नीति अपनाने को तैयार है। आर्थिक दृष्टि से बीएनपी सरकार भारत के लिए नए अवसर खोल सकती है। बांग्लादेश भारत का एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और दक्षिण एशिया में भारत की ह्यनेबरहुड फर्स्टह्व नीति का अहम स्तंभ भी है। नई सरकार के कार्यकाल में द्विपक्षीय व्यापार के 20 अरब डॉलर तक पहुँचने की संभावना जताई जा रही है। कनेक्टिविटी परियोजनाओं, जलविद्युत सहयोग, सीमा व्यापार, डिजिटल कनेक्टिविटी और औद्योगिक निवेश जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति मिल सकती है। बांग्लादेश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारतीय निवेश के लिए आकर्षक अवसर प्रस्तुत करती है। अल्पसंख्यक हितों की रक्षा को लेकर बीएनपी की सार्वजनिक प्रतिबद्धता भारत की सामाजिक और राजनीतिक चिंताओं को कुछ हद तक कम करती है। इसके बावजूद, अनिश्चितताएँ बनी हुई हैं। बीएनपी पर कट्टरपंथी तत्वों के प्रति नरमी बरतने के आरोप लगते रहे हैं और जमात-ए-इस्लामी जैसे संगठनों की भूमिका को लेकर सतर्कता आवश्यक है। तारिक रहमान पर लगे पुराने भ्रष्टाचार आरोप, पाकिस्तान के साथ कथित संबंध और हालिया सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएँ भारत की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाती हैं। भारत-बांग्लादेश सीमा पर घुसपैठ, तस्करी, मानव तस्करी और आतंकवाद से जुड़े जोखिम भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं। यदि इन मुद्दों पर ठोस और पारदर्शी कार्रवाई नहीं होती, तो द्विपक्षीय विश्वास प्रभावित हो सकता है।

## एआई की नकारात्मकता से निपटने हेतु भारत की अभिनव पहल

डॉ. रवीन्द्र अरजरिया

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई को लेकर समूचे संसार में तकनीकी क्रान्ति का शंखनाद हो चुका है जिसमें मानवीय क्षमताओं को चुनौती देने की सामर्थ विकसित की गई है। साइबर युग में एआई को एक बेहद उपलब्धि के रूप में रेखांकित किया जा रहा है। भारत ने इसे एक अवसर के रूप में स्वीकार करके विश्वस्तर पर अग्रणीय बनने की पहल शुरू कर दी है। देश के नेतृत्व ने जी-20 के बाद पुनः अपनी धरती पर संसार को एकत्रित करके मेजबानी का सम्मानित स्थान प्राप्त कर लिया है। नई दिल्ली के भारत मण्डपम् में 16 फरवरी से 20 फरवरी तक आयोजित हो रहे एआई इम्पैक्ट समिट 2026 को एक बडी सफलता माना जा रहा है। समावेशी और प्रभावशाली एआई के द्वारा संसार का भविष्य तय करने के लिए इस समिट को मील के पत्थर के रूप में चिन्हित किया गया है जिसमें 20 देशों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और उपराष्ट्रपति अपनी भागीदारी दर्ज करेंगे। आयोजन में आने हेतु भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे, बोलिविया के उपराष्ट्रपति एडमंड लारा मोंटानो, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा, क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेय प्लेंकोविच, एस्टोनिया के अलार कारिस, फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेट्टेरी ऑरपो, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ग्रीस के प्रधानमंत्री क्यिरियाकोस मित्सोटाकिस, गुयाना के उपराष्ट्रपति भरत जगदेव, कजाखस्तान के प्रधानमंत्री ओल्झास बेक्टेनोव, लिकटेंस्टाइन के प्रिंस एलोइस, मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम, सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्सांदर वुचिच, स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी, स्पेन के राष्ट्रपति पेद्रो सांचेज पेरेज, श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके, सेशेल्स के उपराष्ट्रपति सेबास्टियन पिल्ले, स्विट्ज़रलैंड के राष्ट्रपति गी पारमेलिन, नीदरलैंड्स के प्रधानमंत्री डिक स्कोफ, यूएई के शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायेद अल नाहयान तथा अबू धाबी के क्राउन प्रिंस ने अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसके अलावा 45 से ज्यादा देशों के मंत्रीस्तरीय प्रतिनिधिमंडल, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव और अनेक अंतरराष्ट्रीय संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी भी पहुंचेंगे। इस श्रंखला का शुभारम्भ सन् 2023 में एआई सेफ्टी समिट के रूप में ब्लेचली पार्क यूके से हुआ था जिसके अगले वर्ष दक्षिण कोरिया में एआई सोल समिट हुई और फिर सन् 2025 में फ्रांस की राजधानी पेरिस में एआई एक्शन समिट आयोजित की गई। नई दिल्ली में होने वाली समिट का नाम एआई इम्पैक्ट समिट रखा गया है। इस चौथा समिट को पीपल, प्लैनेट तथा प्रोग्रेस आधार पर संचालित करने की व्यवस्था निर्धारित है। मानव के द्वारा निर्मित की जाने वाली यह तकनीय अब कम समय में उससे भी ज्यादा कार्य करने के लिए तैयार है। इस सकारात्मक अनुसंधान को कलुषित मानसिकता वाली डीप स्टेट ने अपने लिए संसार पर राज्य करने का हथियार बना लिया है। विकृतियां परोसने, विध्वंसात्मक षडयंत्रों को धरातल पर उतारने तथा धातक नीतियों को क्रियान्वित की दिशा में अग्रसर हो रहे सक्षम राक्षसों ने स्वार्थपूर्ति, वर्चस्व स्थापना और तानाशाही करने हेतु एक व्यापक कार्य योजना बना रखी है। संसार के लगभग सभी देशों में डीप स्टेट ने अपने स्लीपर सेल बना रखे हैं जिन्हें आवश्यकतानुसार सक्रिय करके लक्ष्य भेदन के प्रयास किये जाते हैं। अनेक देशों का सत्ता परिवर्तन, आन्तरिक कलह, आतंकवादी गतिविधियां, हिंसक प्रहार जैसे उदाहरण निरंतर सामने आ रहे हैं। इन सबके पीछे केवल और केवल डीप स्टेट ही है। यह गुप्त संगठन संसार के सभी देशों में मौजूद लालची प्रवृति वाले राष्ट्रद्रोही मीर जाफरों को चिन्हित करता हैं, उन्हें सुखद भविष्य का सब्जबाग दिखाता हैं और फिर भौतिक संसाधनों सहित आर्थिक लाभ की तराजू पर तौलकर अपना गुलाम बना लेता हैं। यही मीरजाफर है जो अपने ही राष्ट्र को किस्तों में कत्ल करते हुए बेशर्मी के ठहाके लगाते हैं। इनमें राजनेताओं, अधिकारियों तथा सम्पन्न लोगों की एक बडी संख्या मौजूद है। डीप स्टेट अपने स्लीपर सेल को उनकी प्रतिभा के अनुरूप एआई में पारंगत करके तकनीकी माध्यम से अशान्ति फैलाने, आकाओं के हित साधने तथा स्वार्थपूर्ति के लक्ष्य भेदन करने हेतु तैयार कर रहा है। ऐसे में चिन्ता के बादलों तले आशंकित संसार के माथे पर उभरने वाली रेखायें निरंतर गहरा रहीं हैं। एआई की विगत तीन समिट के बाद अपेक्षाकृत परिणामों की बेहद कमी दृष्टिगोचर हुई है किन्तु भारत में आयोजित इस चौथी समिट को लेकर समूचा संसार आशावान है। दुनिया भर में एआई के दो स्वरूपों की व्यापक चर्चा हो रही है।

# 30 अप्रैल को थिएटर्स में आएगी राम चरण की आने वाली फिल्म 'पेद्दी'

साउथ सुपरस्टार राम चरण इन दिनों निजी और प्रोफेशनल दोनों वजहों से चर्चा में हैं। हाल ही में वह जुड़वां बच्चों एक बेटे और एक बेटी के पिता बने हैं। पिछले महीने उनकी पत्नी उपासना ने बच्चों को जन्म दिया था। उनकी आगामी फिल्म 'पेद्दी' की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। जब से फिल्म 'पेद्दी' का ऐलान हुआ है, तब से यह सोशल मीडिया पर लगातार चर्चा में बनी हुई है। अब मेकर्स ने एक नया पोस्टर जारी करते हुए फिल्म की रिलीज डेट भी बता दी है। 'पेद्दी' 30 अप्रैल 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। नए पोस्टर में राम बेहद दमदार अंदाज में नजर आ रहे हैं। वह लंबे बाल, बड़ी दाढ़ी, खून से सना चेहरा और धूल में लिपटे रफ-टफ अवतार में दिखाई दे रहे हैं। भीड़ के बीच खड़े राम चरण की मौजूदगी एक ताकतवर और मास अपील वाले किरदार की ओर इशारा करती है। पोस्टर के साथ मेकर्स ने लिखा... 'उसके आने की तारीख बदल सकती है, लेकिन उसकी ताकत और जज्बा नहीं।' बुची बाबू सना के निर्देशन में बन रही 'पेद्दी' को एक बड़ी पैन इंडिया फिल्म माना जा रहा है। फिल्म में राम के साथ जाह्नवी कपूर भी लीड रोल में दिखाई देंगी। इसके अलावा जगपति बाबू, शिवा राजकुमार और दिव्येंदु शर्मा भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

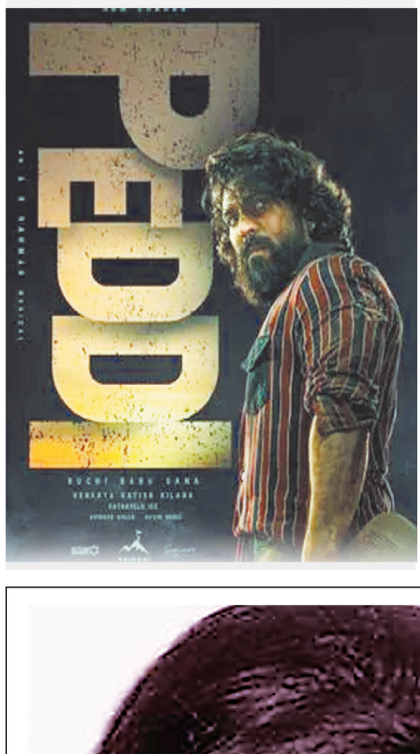

# ट्रोल होने पर क्या करती हैं तृप्ति डिमरी? खुद की जिंदगी से जोड़ी 'ओ रोमियो' की कहानी

तृप्ति डिमरी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'ओ रोमियो' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 'वैलेंटाइन डे' से एक दिन पहले 13 फरवरी को रिलीज होने वाली है। फिल्म में तृप्ति डिमरी अफशा का किरदार निभाएंगी। इसमें उनके साथ शाहिद कपूर अहम किरदार में हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अमर उजाला से खास बातचीत की है। उन्होंने बताया है कि वह ट्रोल होने पर कैसा महसूस करती हैं।

## ट्रोल होने पर कैसा महसूस करती हैं तृप्ति?

तृप्ति डिमरी से जब पूछा गया कि जब कोई उन्हें ट्रोल करता है, तो उन्हें कैसा लगता है? इस पर उन्होंने कहा 'मैं रोती हूं। इंसान हूं, इसलिए कभी-कभी बहुत रोती भी हूं। लेकिन अगर कोई मेरी फिल्म या मेरे काम को लेकर आलोचना करे, तो मैं उस पर नहीं रोती। मैं इसे ऐसे लेती हूं कि किसी को मेरा काम पसंद आएगा, किसी को नहीं। सबको खुश करना संभव नहीं है।'

## पर्सनल कमेंट लगते हैं बुरे

उन्होंने आगे कहा 'हां, अगर कोई पर्सनल कमेंट कर दे, तो वह बात मुझे बुरी लगती है। बिलकुल अच्छा नहीं लगता। लेकिन फिर भी, मैं उस पर रोती नहीं हूं। मुझे कोई इतनी आसानी से रुला नहीं सकता।'

## प्यार पर क्या बोलीं तृप्ति?

तृप्ति डिमरी ने प्यार पर अपनी बात रखते हुए कहा 'अगर मैं खुद को फिल्म की लव स्टोरी में रखूं, तो जिस बात से मैं सबसे ज्यादा जुड़ पाती हूं, वह है इस कहानी में मौजूद प्यार की सच्चाई। मुझे हमेशा लगता है कि प्यार ऐसा ही होना चाहिए। सीधा, साफ और बिल्कुल पवित्र। यही चीज इस कहानी में भी है। यही बात मेरी अपनी रियल लाइफ से भी सबसे ज्यादा मिलती है।

## कौन है फिल्म का निर्देशक?

फिल्म 'ओ रोमियो' एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसके लेखक और निर्देशक विशाल भारद्वाज हैं। इसके निर्माता साजिद नाडियाडवाला हैं। फिल्म में तृप्ति और शाहिद के अलावा नाना पाटेकर, अविनाश तिवारी, तमन्ना भाटिया, दिशा पाटनी और फरीदा जलाल भी होंगी।

# नाम बदलने के फैसले के बाद 'घूसखोर पंडित' विवाद पर मनोज बाजपेयी ने दी प्रतिक्रिया

नेटफ्लिक्स पर आने वाली मनोज बाजपेयी की आगामी फिल्म 'घूसखोर पंडित' अपनी घोषणा के बाद से ही विवादों में घिरी है। फिल्म के नाम को लेकर ब्राह्मण समुदाय और एफडब्ल्यूआईसीई ने आपत्ति जताई और रिलीज पर रोक लगाने की मांग की थी। जब मामला कोर्ट में पहुंचा तब मेकर्स ने फिल्म का नाम बदलने का फैसला किया। अब इस पूरे मामले में मनोज बाजपेयी की प्रतिक्रिया भी सामने आई है।

## हम छोटी-छोटी बातों पर भड़क उठते हैं

डेक्कन क्रॉनिकल से बात करते हुए फिल्म के लीड एक्टर मनोज बाजपेयी ने विवाद पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, 'हमारा देश बहुत संवेदनशील हो गया है। हम हमेशा तनाव में रहते हैं, छोटी-छोटी बातों पर भड़क उठते हैं और व्यक्तिगत रूप से अपशब्दों का प्रयोग करने लगते हैं। अब फिल्म के शीर्षक में इन सभी बातों का ध्यान रखा जा रहा है।'

## मेकर्स ने लिया फिल्म का नाम बदलने का फैसला

इससे पहले नेटफ्लिक्स पर फिल्म की घोषणा के बाद से ही इसको लेकर विवाद शुरू हो गया था। देश के अलग-अलग हिस्सों में ब्राह्मण समुदाय के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। वहीं कोर्ट में भी फिल्म के टाइटल को लेकर इसे भड़काऊ और ब्राह्मणों का अपमान करने वाला बताते हुए याचिका दायर की गई। इसमें फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की बात कही गई। हालांकि, बीते दिन दिल्ली हाईकोर्ट में हुई सुनवाई में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने कोर्ट को बताया कि मेकर्स फिल्म के नाम में बदलाव करने को तैयार हैं। मेकर्स की ओर से आश्वस्त किया गया कि प्रमोशनल सामग्री पहले ही हटा ली गई है और फिल्म का नाम भी बदल दिया जाएगा। हालांकि, अभी तक फिल्म के नए नाम की घोषणा नहीं की गई है।

**नीरज पांडे ने किया है निर्माण** | नीरज पांडे द्वारा निर्मित 'घूसखोर पंडित' में मनोज बाजपेयी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा फिल्म में नुसरत भरूचा, साकिब सलीम, श्रद्धा दास, अक्षय ओबेरॉय और कीकू शारदा भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

# गोलमाल 5 में हुई करीना की वापसी

रोहित शेट्टी की सुपरहिट कॉमेडी फ्रेंचाइज 'गोलमाल 5' को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। फिल्म में करीना कपूर की वापसी तय हो चुकी है और वह एक बार फिर अजय देवगन के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। इसके साथ ही रोहित शेट्टी ने फिल्म में अक्षय कुमार को शामिल कर दिया है। अजय, अक्षय और करीना जैसे बड़े सितारों की मौजूदगी ने 'गोलमाल 5' को अब तक की सबसे बड़ी और दमदार टीम वाली फिल्म बना दिया है। फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक... 'करीना की कास्टिंग में थोड़ा वक्त लगा। इसकी वजह डेट्स और कुछ अन्य मुद्दों पर बातचीत थी।'

## फिल्म में अजय का ही रहेगा अहम किरदार

'गोलमाल' फ्रेंचाइज के अब तक आए चारों पार्ट हिट साबित हुए हैं। अब अक्षय की एंट्री और करीना की वापसी ने इस उत्साह को और भी बढ़ा दिया है। फिल्म इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि इतने बड़े सितारों को एक साथ लाना आसान नहीं होता। फिल्म में अजय का ही किरदार अहम रहेगा।

# इस फिल्म में विलेन बनना चाहते हैं विशाल जेठवा

## रानी मुखर्जी के साथ काम करने की जताई इच्छा

विशाल जेठवा ने 'होमबाउंड' और 'मर्दानी 2' में शानदार अभिनय किया था। उनकी फिल्म 'होमबाउंड' तो ऑस्कर 2026 में बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटिगरी में भी शॉर्टलिस्ट की गई थी। इस फिल्म में भी विशाल की एक्टिंग को फैंस ने काफी सराहा था। वहीं उन्होंने 'मर्दानी 2' में विलेन का रोल निभाया था। अब एक बार फिर विशाल विलेन का रोल निभाना चाहते हैं ।

## विशाल ने की रानी मुखर्जी की जमकर तारीफ

हाल ही में विशाल जेठवा 'मर्दानी 3' की स्पेशल स्क्रीनिंग में रानी मुखर्जी से दोबारा मिले। 'मर्दानी 3' में रानी की एक्टिंग की तारीफ करते हुए विशाल ने कहा, 'मर्दानी 2' फिल्म मेरे लिए हमेशा बहुत खास रहेगी और रानी मैम भी। उनके साथ काम करना मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सीखने वाला अनुभव रहा है। वह ईमानदारी, मजबूती और बेहद सादगी के साथ लीड करती हैं। स्क्रीनिंग के दौरान उनसे मिलकर पुरानी यादें ताजा हो गईं। मुझे 'मर्दानी 2' का हिस्सा बनने पर बहुत गर्व महसूस होता है।'

## 'मर्दानी 4' में विलेन बनने की जताई इच्छा

'मर्दानी' फ्रेंचाइज और रानी की तारीफ करते हुए विशाल ने आगे कहा कि 'मर्दानी' और रानी मुखर्जी एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार को रानी मैम से बेहतर कोई निभा ही नहीं सकता था। मैंने 'मर्दानी 3' देखी और एक बार फिर उन्होंने साबित कर दिया कि वे रानी मुखर्जी क्यों हैं। मैं चाहता हूं कि 'मर्दानी 4' में मैं विलेन बनकर वापसी करूं।'

## शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में वापस आई रानी

अभिराज मीनावाला द्वारा निर्देशित 'मर्दानी 3' मर्दानी फ्रैंचाइज की तीसरी फिल्म है। इस फिल्म में जानकी बोडीवाला और मल्लिका प्रसाद भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म में रानी मुखर्जी एक बार फिर शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में नजर आई हैं। मल्लिका प्रसाद फिल्म में अम्मा के किरदार में नजर आई हैं। फिल्म लड़कियों की तस्करी जैसे गंभीर मुद्दे पर आधारित है।

# यह जिंदगी बदल देने वाली फिल्म, अनुराग कश्यप का फोन आने से हैरान थीं सनी

अभिनेत्री सनी लियोन जल्द ही अनुराग कश्यप की फिल्म 'कैनेडी' में नजर आएंगी। सनी लियोन इस फिल्म को अपने 15 साल के करियर में सबसे खास मानती हैं। साथ ही उनका कहना है कि उन्हें यकीन ही नहीं हुआ, जब अनुराग कश्यप ने इस फिल्म के लिए उन्हें कॉल किया था। 'कैनेडी' काफी वक्त से तैयार है और कई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में इसे तारीफें भी मिल चुकी हैं। अब सनी लियोन ने फिल्म के अपने अनुभव के बारे में बात की।

## फिल्म को लेकर उत्साहित हैं सनी

इंडिया टुडे के साथ बातचीत के दौरान सनी लियोन ने फिल्म के लिए अपनी तैयारी और इस फिल्म की गंभीरता को लेकर बात की। उन्होंने कहा, 'मैं बेहद उत्साहित हूं। मैं वहां थोड़े समय के लिए ही थी, लेकिन उस दौरान इस फिल्म पर काम करना एक अद्भुत अनुभव रहा। इसमें जो मेहनत लगी है, इस फिल्म के लिए हम जितनी जगहों पर गए हैं और अलग-अलग जगहों, देशों, फिल्म समारोहों और यहां तक कि आम लोगों से भी जो प्रतिक्रिया मिली है, वह कमाल की है। सच में यह बहुत ही रोमांचक है। कैनेडी को आखिरकार एक घर मिल गया।' फिल्म में कम स्क्रीन टाइम को लेकर सनी ने कहा कि यह निश्चित रूप से किरदार के बारे में है। यह स्क्रीन टाइम के बारे में नहीं है। यह इस बारे में है कि फिल्म में वह समय कितना प्रभावशाली है। मुझे लगता है कि इसका हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत ही अद्भुत अनुभव था। जब आप इसे देखते हैं, तो ऐसा नहीं लगता कि मैं वहां हूं और फिर गायब हो जाती हूं। यह अधिकांश बड़ी फिल्मों की तरह, केवल एक व्यक्ति पर आधारित नहीं है। इसमें कई अलग-अलग किरदार हैं।

## अनुराग कश्यप के साथ ऐसी थी पहली मुलाकात

अनुराग कश्यप के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए सनी लियोन ने कहा मैं चौंक गई थी। मैंने सोचा, 'आप मुझे फोन करना चाहते थे?' तो पहले उन्होंने डेनियल को फोन किया और डेनियल ने कहा, 'आप मुझसे क्यों पूछ रहे हैं भाई? आप सीधे सनी को फोन करके पूछ लीजिए।' तो जब उन्होंने फोन किया, तो दूसरी तरफ डेनियल ने कहा, 'हे भगवान, यह तो कमाल है।' और फिर उन्होंने फोन करके कहा कि वह चाहते हैं कि मैं इस रोल के लिए ऑडिशन दूं। मैं ऑडिशन के लिए तैयार थी, लेकिन मुझे इसके लिए गिड़गिड़ाना पड़ा क्योंकि वह बार-बार कह रहे थे, 'तुम्हें ऑडिशन की जरूरत नहीं है।' मैंने उनसे कहा, प्लीज। अगर अंग्रेजी में है तो मत भेजिए, लेकिन अगर हिंदी में है तो भेज दीजिए। कुछ शब्द मुश्किल हो सकते हैं। तो उन्होंने डायलॉग भेजे और मैंने उन्हें याद कर लिया। मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि ऑफिस के ये सभी लोग मेरे साथ एक मजाक कर रहे थे। मुझे कान्स में डिनर के दौरान पता चला। वे कहने लगे, 'हां, हमने तुम्हारे साथ एक मजाक किया था। हम बस यह देखना चाहते थे कि तुम आओगी या नहीं।' मैंने कहा कि क्या आप सच कह रहे हैं? मैंने डायलॉग याद कर लिए थे। मैं बहुत घबराई हुई थी।

## चुनौतीपूर्ण था किरदार

अपने किरदार चार्ली को चुनौतीपूर्ण बताते हुए सनी का कहना है कि अनुराग को भरोसा था मैं कर लूंगी। लेकिन मुझे नहीं था। किरदार की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक चार्ली की विशिष्ट हंसी को हूबहू नकल करना था। शुरू से ही वह इसे चाहते थे। लेकिन मैं सोच रही थी कि मैंने अपनी पूरी जिंदगी में कभी ऐसे नहीं हंसा। कौन ऐसे हंसता है? इसलिए मैं जहां भी जाती, चार्ली की तरह हंसने लगती थी। किरदार की तैयारी के लिए हमने डायलॉग्स की कोचिंग ली, स्क्रिप्ट रीडिंग और वर्कशॉप में भाग लिया। उन्होंने मेरी एक भी लाइन नहीं बदली, जो बहुत अच्छी बात थी। यह वाकई एक जिंदगी बदल देने वाली फिल्म है।

## 20 फरवरी को रिलीज होगी 'कैनेडी'

अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित 'कैनेडी' में सनी लियोन के साथ राहुल भट्ट प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। कई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल्स में सराहना बटोरने के बाद अब यह फिल्म भारत में 20 फरवरी को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज हो रही है।

## संक्षिप्त समाचार

### पिता ने ढाई साल के बेटे को 1 लाख रुपये में बेचा

**भुवनेश्वर, एजेंसी।** ओडिशा पुलिस ने शनिवार को ढाई साल के एक बच्चे को बचाया, जिसे उसके पिता ने एक व्यक्ति को 1 लाख रुपये में बेच दिया था। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि आरोपी पिता और खरीदने वाले व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। नीलगिरी अधिसूचित क्षेत्र परिषद के अंतर्गत बारिसाही गांव की यह घटना तब सामने आई, जब एक वायरल वीडियो में पिता को संभावित खरीदार के साथ सौदेबाजी करते हुए दिखाया गया है। इसके बाद एक स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता ने नीलगिरी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। वायरल वीडियो की प्रामाणिकता की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। नीलगिरी के उपमंडल पुलिस अधिकारी प्रमोद कुमार मलिक ने कहा, 'बच्चे को चिमिनीभाटी क्षेत्र से बचाया गया और उसे बाल कल्याण समिति को सौंप दिया गया। आगे की जांच जारी है।' उन्होंने बताया कि पुलिस ने इस संबंध में दो लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने पिता की पहचान पेशे से राजमिस्त्री राकेश कुमार बेहेरा उर्फ कुआ के रूप में की है जिसने कथित तौर पर पहली किस्त के रूप में 50,000 रुपये प्राप्त किए थे। राकेश कुमार बेहेरा ने आर्थिक तंगी को इस कदम का कारण बताया। उसने पत्रकारों को बताया, 'हमारे चार बच्चे हैं और हमें उनका पालन-पोषण करने में कठिनाई हो रही है। एक परिचित व्यक्ति ने खरीदार का इंतजाम किया और मैंने बच्चे को उसे सौंप दिया।' पुलिस सूत्रों के अनुसार, बेहेरा ने दो बार शादी की थी और जिस बच्चे को कथित तौर पर बेचा गया था वह उससे अलग रह रही उसकी दूसरी पत्नी का है। ओडिशा के गंजाम जिले में शनिवार को चोरी के संदेह में एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि यह घटना जिले के भंजनगर पुलिस थाना क्षेत्र के सरदुला गांव में हुई। मृतक की पहचान 37 वर्षीय बनधर प्रधान के रूप में हुई है, जो कंधमाल जिले के जी. उदयगिरि पुलिस थाना क्षेत्र के कुरुमिंगिया गांव का निवासी था। अपर पुलिस अधीक्षक रंजन कुमार डे ने बताया, 'प्रधान को शनिवार तड़के बचाया गया और भंजनगर के उप-मंडल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।' प्रधान और दो अन्य लोग सरदुला निवासी सुशांत गौड़ा के बंद घर में लूटपाट में शामिल थे। उसने बताया कि भागते समय प्रधान गिर गया और उसका पैर टूट गया, जिसके बाद ग्रामीणों ने उसकी बिजली के खंभे से बांधकर पिटाई की।

### बीएलओ ने अपनी प्रेमिका के पति की कर दी हत्या

**परगना, एजेंसी।** पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) ने अपनी प्रेमिका के पति की हत्या कर दी। आरोपी रिजवान हसन मंडल का 30 वर्षीय नासिर अली की पत्नी से अवैध संबंध था। नासिर अली बदुरिया क्षेत्र के निवासी थे। रिजवान ने विशेष गहन संशोधन (स्Fक्र) के बहाने नासिर को सोमवार शाम को एक सुनसान जगह पर बुलाया। उसने नासिर को स्Fक्रसे संबंधित चर्चा के लिए आमंत्रित किया, लेकिन यह सब एक सुनियोजित साजिश थी। पुलिस जांच में पता चला कि रिजवान ने प्रेम संबंध को छिपाने और बाधा हटाने के लिए यह कदम उठाया। घटना के अनुसार, सुनसान स्थान पर पहुंचते ही रिजवान ने नासिर की हत्या कर दी। इसके बाद उसने अपने साथी सागर की मदद ली। दोनों ने मिलकर शव को टुकड़ों में काटा और उसे तीन अलग-अलग हिस्सों में बांटकर बदुरिया की नहर में फेंक दिया। शव के सिर सहित कई हिस्से अभी भी बरामद नहीं हुए हैं, जिससे जांच में जटिलता आई। मंगलवार को नासिर के परिवार ने उनकी गुमशुदगी की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई। पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और रिजवान के फोन कॉल रिकॉर्ड्स, लोकेशन डेटा तथा अन्य सबूतों का विश्लेषण किया। जांच के दौरान रिजवान और सागर पर शक हुआ, क्योंकि रिजवान ने ही नासिर को बुलाया था। नहर से शव के कई अंग बरामद शुक्रवार को पुलिस ने नहर से शव के कई अंग बरामद किए, जिसके बाद मामला सुलझने लगा। पूछताछ में रिजवान ने अपराध कबूल कर लिया। पुलिस ने उसे हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया, जबकि सागर को हत्या में सहायता, शव को काटने और निपटाने के आरोप में पकड़ा गया। दोनों आरोपी अब न्यायिक हिरासत में हैं। पुलिस ने घटनास्थल से अन्य सबूत भी जुटाए हैं, जैसे हथियार और अन्य सामग्री। इस क्रूर हत्या ने इलाके में भय और आक्रोश फैला दिया है।

# टीपू सुल्तान की अंगूठी पर लिखा था राम: ओवैसी

**हैदराबाद, एजेंसी।** महाराष्ट्र में कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने 18वीं सदी के सुल्तान टीपू सुल्तान की तुलना छत्रपति शिवाजी महाराज से कर दी थी। इसको लेकर विवाद गहराता ही जा रहा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सपकाल की टिप्पणी को शर्मनाक करार दिया तो वहीं एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने बीजेपी पर करारा हमला किया है। उन्होंने कहा कि टीपू सुल्तान हिंदू-मुस्लिम एकता के मिसाल थे। ओवैसी ने कहा, 1799 में टीपू सुल्तान की शहादत हुई। अंग्रेजों से लड़कर टीपू की शहादत हुई। टीपू ने जेल में बैठकर तुम्हारे वीर (वीर सावरकर) की तरह अंग्रेजों को लव लेचर नहीं लिखा। टीपू सुल्तान अपने मुल्क को अंग्रेजों से आजाद कराने के लिए शहीद हो गया। अंग्रेजों को टीपू से इतना डर था कि डेढ़ घंटे तक टीपू की लाश पड़ी रही, अंग्रेजों के फौज के घेरों में लाश थी लेकिन डर रहे थे कि शेर उठ गया तो क्या होगा। जाकर देखा तो टीपू का शरीर गर्म था।

**अंगूठी पर लिखा था राम:** उन्होंने कहा, देवेंद्र फडणवीस साहब, क्या यह बात सच नहीं है कि टीपू के पास से जो अंगूठी निकली उसपर राम लिखा हुआ था। 2014 में बर्सानिया में इसकी नीलामी हुई थी। क्या यह बात झूठ है कि एपीजे अब्दुल कलाम ने अपनी किताब विंग्स ऑफ फायर ने लिखा, कि रॉकेट टेक्नॉलजी के जरिए टीपू के ख्वाबों को पूरा कर रहे हैं। एपीजे अब्दुल कलाम तो आपके लिए ज्यादा आदर्श हैं। ओवैसी ने कहा, यह भी ना मानो तो गांधी को तो मानते होगे। उन्होंने अपनी मैगजीन 'यंग एज' में लिखा कि टीपू सुल्तान हिंदू मुस्लिम एकता के समर्थक थे। श्रृंगेरी मठ से फौज ने सोने की मूर्ति उठा ली तब टीपू सुल्तान ने इसका निर्माण करवाया। टीपू सुल्तान बादशाह था। हर बादशाह को सिर्फ अपनी ताकत से मतलब रहता था। लेकिन तथ्यों को गलत तरीके से पेश नहीं कनरा चाहिए। टीपू सुल्तान की फौज के कमांडर अप्पाजी राम थे। उनके सलाहकार कृष्णा राव थे। बीजेपी केवल नफरत पैदा करना चाहती है। भारत की पहली संविधान की किताब में टीपू की फोटो है।

बता दें कि बुलढाणा में संवाददाताओं से मुखातिब सपकाल ने मालेगांव महानगरपालिका की उप-महापौर शान-ए-हिंद निहाल अहमद के कार्यालय में टीपू सुल्तान का चित्र लगाए जाने को लेकर हुए विवाद पर बात की, जिसका क्षेत्र के शिवसेना पार्षदों और हिंदू संगठनों ने विरोध किया था। इसके बाद देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि यह तुलना निंदनीय है और कांग्रेस नेता को खुद पर शर्म आनी चाहिए।

उन्होंने नागपुर में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, 'महाराष्ट्र इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। सपकाल को छत्रपति शिवाजी महाराज की तुलना टीपू सुल्तान से करने के लिए माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस को इस मामले का संज्ञान लेना चाहिए और उसके सहयोगी दलों को सपकाल की टिप्पणी पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए।'

## महाराष्ट्र कांग्रेस चीफ ने शिवाजी महाराज से की टीपू सुल्तान की तुलना, भाजपा भड़की

**मुंबई, एजेंसी।** महाराष्ट्र में मैसूर के टीपू सुल्तान और छत्रपति शिवाजी महाराज की तुलना को लेकर बवाल हो गया है। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल की मैसूर के 18वीं शताब्दी के शासक टीपू सुल्तान को छत्रपति शिवाजी महाराज के 'समकक्ष' बताया, जिस पर सत्ताधारी भाजपा भड़क गई है। पुणे में इसे लेकर सपकाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया गया है। इस मामले में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी सकपाल को आड़े हाथों लिया, उन्होंने कहा कि यह तुलना निंदनीय है और कांग्रेस नेता को खुद पर शर्म आनी चाहिए। महाराष्ट्र की राजनीति में टीपू सुल्तान की चर्चा हाल में तब शुरू हो गई थी, जब मालेगांव के डिप्टी मेयर निहाल अहमद ने अपने कार्यालय में टीपू सुल्तान की तस्वीर लगाई थी। इस तस्वीर को लेकर शिवसेना पार्षदों और स्थानीय हिंदूवादी संगठनों ने जमकर विरोध किया था। इस पर जब मीडिया सकपाल से उनका जवाब मांगने पहुंची और तो प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने छत्रपति शिवाजी महाराज की वीरता और 'स्वराज' के विचार को पेश करने के उनके तरीके का जिक्र करते हुए

टीपू सुल्तान के अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध का आह्वान करने का उदाहरण दिया और दावा किया कि यह लड़ाई शिवाजी महाराज के आदर्श की तर्ज पर थी। सपकाल ने कहा, 'इस तरह टीपू सुल्तान एक योद्धा और भारत के भूमिपुत्र के रूप में उभरे। उन्होंने कभी भी जहरीली विचारधाराओं को नहीं अपनाया। हमें टीपू सुल्तान को वीरता के प्रतीक के रूप में शिवाजी महाराज के समकक्ष मानना चाहिए।' सकपाल के इस बयान के बाद राज्य में राजनैतिक विवाद शुरू हो गया।

### फ्लाईओवर के पास हादसा

# बस से टकराई तेज रफ्तार कार, 5 लोगों की मौत

**बेंगलुरु , एजेंसी।** बेंगलुरु के जिंदल फ्लाईओवर के पास शनिवार देर रात भयानक सड़क दुर्घटना में 5 लोगों की मौत हो गई। तेज रफ्तार से आ रही कार अनियंत्रित होकर पहले रोड डिवाइडर से टकराई और फिर पलटते हुए सामने से आ रही कर्नाटक स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन बस से जोरदार भिड़ंत कर दी। यह दुर्घटना लगभग 11:30 बजे के करीब हुई, जब रात का ट्रैफिक थोड़ा कम था, लेकिन तेज रफ्तार के चलते हादसा हो गया। दुर्घटना स्थल पर मौजूद पुलिस अधिकारियों के अनुसार, विपरीत दिशा में आ रही बस में कुल लगभग 40 से अधिक यात्री सवार थे, लेकिन कार की गंभीर टक्कर के कारण मौके पर पांच लोगों की मौत हुई और कई बस सवार यात्रियों को मामूली चोटें आईं। मृतकों की पहचान अभी तक पूरी तरह से नहीं हो पाई है, लेकिन शुरुआती घटनाओं के अनुसार उनमें से कुछ डोड्डाबल्लापुर के निवासी युवा थे। पुलिस ने बताया कि हादसे की प्राथमिक वजह तेज गति और नियंत्रण खो देना माना जा रहा है। कर्नाटक पुलिस ने घटनास्थल पर फैली तबाही को देखकर कहा कि यह दुर्घटना एक चेतावनी है कि सड़कों पर और वाहन चालकों के लिए गति नियंत्रण कितना महत्वपूर्ण है। बेंगलुरु पुलिस और आपातकालीन सेवाएं तेजी से मौके पर पहुंचीं और घायल यात्रियों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया। साथ ही मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की पहचान व परिवार को सूचना देने का कार्य जारी है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि कार चालक ने डिवाइडर से टकराने के बाद नियंत्रण खो दिया, जिससे वाहन पलट गया।

# आगरा में टला बड़ा हादसा; मेट्रो की क्रेन गिरी, मकान और दुकान ध्वस्त, बाल-बाल बचा परिवार

**आगरा, एजेंसी।** ताजनगरी आगरा में मेट्रो निर्माण के दौरान शनिवार तड़के बड़ा हादसा होने से टल गया। प्रतापपुरा चौराहे के पास खुदाई कर रही मेट्रो की 25 फीट ऊंची पाइलिंग रिग (क्रेन) अचानक जमीन धंसने से एक ओर जा गिरी। बीयर शाप क्षतिग्रस्त हो गई, उसके ऊपर बना कमरा ध्वस्त हो गया। पुलिस और मेट्रो के अधिकारियों ने तत्काल इस रास्ते को बंद करा दिया। थाना सदर में प्रतापपुरा चौराहे के पास देवीराम स्वीट्स की दुकान है। यहां मेट्रो का एलीवेटेड ट्रैक बनाने का काम चल रहा है। पिलर के लिए जमीन खोदने को पाइलिंग रिंग का प्रयोग हो रहा है। अचानक सड़क का हिस्सा धंस गया।

अचानक गिर गई मेट्रो की क्रेन

जमीन धंसते ही वहां खड़ी करीब 25 फीट की ड्रिल मशीन का संतुलन बिगड़ गया। उसकी शाफ्ट बेकाबू होकर करीब स्थित बीयर शान की छत पर बन कमरे पर गिर गई। छत पर बना कमरा पूरी तरह मलबे में बदल गया। साथ ही बीयर दुकान की छत भी क्षतिग्रस्त हो गई। छत पर रखी पानी की टंकी टूट गई। अचानक हुए धमाके से आसपास के घरों में सो रहे लोग जाग गए। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और मेट्रो के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। एहतियात के तौर पर इलाके की घेराबंदी कर दी गई। मशीन को क्रेन से भी हटाया गया। प्रशासन और दूसरी एजेंसियां जमीन धंसने के कारणों की जांच कर रही हैं। फिलहाल हालात काबू में हैं और निर्माण स्थल पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

पाइलिंग रिग (क्रेन) दरअसल युद्ध में प्रयोग होने वाले टैंक की तरह होती है। इसकी निचला हिस्सा बेहद भारी होता है। मशीन के आगे लगा ड्रिल बट मिट्टी को काटता है। यह लोहे की चेन से ऊपर-नीचे जाता है। आम तौर पर मेट्रो के पिलर के लिए 15 से 40 मीटर

गहराई तक खुदाई की जाती है। दूसरे शब्दों में जब तक जमीन के नीचे मजबूत चट्टानी परत न मिल जाए, खुदाई होती रहती है। इसी चट्टानी परत पर मेट्रो के पिलर को टिकाया जाता है। बेस के लिए करीब 100 फुट चौड़ा गहरा गड्ढा बनाया बनाया जाता है। इसी तल पर लोहे की सरिया, कांक्रीट से मजबूत जाल बनाया जाता है। इसके ऊपर पिलर खड़ा किया जाता है।

मशीन प्रभुकांत नागर के मकान पर गिरी थी। उनके घर में आगे की तरफ शराब का ठेका और पीछे की ओर परिवार रहता है। मशीन ठेके की छत पर गिरी। मकान के पिछले हिस्से में सोते हुए लोग तेज धमाके और कंपन से जागकर बाहर आ गए। बाहर देखा तो होश उड़ गए। ठेके पर बना कमरा ध्वस्त हो चुका था। दुकान की छत भी टूट गई थी। मशीन की ऊंचाई ज्यादा होती तो बड़ा नुकसान हो सकता था। एमजी रोड, माल रोड, फतेहाबाद रोड, सिकंदरा रोड, रामबाग से कालिंदी विहार रोड पर इसी तरह की तमाम मशीनें लगी हैं। सड़कों के बीचोंबीच काम चल रहा है। दोनों ओर से ट्रैफिक भी आता-जाता है। इनमें बसें, कारें, दोपहिया, आटो जैसे वाहन चल रहे हैं। सोचिए कि दिन में अगर ऐसे स्थानों पर मशीन गिर जाए तो क्या होगा। मेट्रो कार्पोरेशन के सुरक्षा संबंधी दावों पर फिर सवाल लगा दिए हैं। मेट्रो रेल कार्पोरेशन का कहना है कि सड़क के नीचे छोटे-छोटे गड्ढे हैं। जब जांच कराई गई तो सड़क के नीचे मलबा और राख निकली है। सड़क की भराई ठीक नहीं की गई। मेट्रो का कहना है कि कानपुर, लखनऊ में इस तरह की दिक्कत नहीं आई है। यह पहला मामला है जबकि सड़क धंस गई। हालांकि अब पाइलिंग पूरी हो गई है। पिलर के लिए गहरे गड्ढ़ों की खुदाई करने के लिए पूरे शहर में 17 पाइलिंग रिग लगाई गई हैं। जहां निर्माण तेजी से करना होता है वहां इनकी संख्या बढ़ा दी जाती है। काम करने वाली कंपनी मशीन को किराए पर लेती रहती हैं। इस समय सभी निर्माण स्थलों पर कुल 12 मशीन काम कर रही हैं। मेट्रो के मुताबिक पिलर खुदाई का काम लगभग खत्म हो गया है।

# बांग्लादेश में नए पीएम का शपथ ग्रहण, भारत के अलावा12 देशों को भेजा गया है न्योता

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश के आम चुनावों में बीएनपी को बड़ी जीत मिलने के बाद प्रधानमंत्री समेत पूरे मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण 17 फरवरी को होने जा रहा है। इस समारोह का दिलचस्प पहलू यह है कि यह राष्ट्रीय संसद परिसर के साउथ प्लाजा में आयोजित किया जा रहा है जबकि अभी तक शपथ ग्रहण समारोह राष्ट्रपति भवन में आयोजित होते रहे हैं। समाचारपत्र 'प्रोथोम आलो' और 'इत्तेफाक' में प्रकाशित खबर के अनुसार, समारोह के बाद मुख्य निर्वाचन आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन नव-निर्वाचित सांसदों को पद की शपथ दिलाएंगे, जबकि संविधान के अनुसार यह शपथ अध्यक्ष शिरीन शरमिन चौधरी द्वारा दिलाई जानी चाहिए। बांग्लादेश में प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए भारत-पाकिस्तान समेत 13 देशों को न्योता भेजा गया है। इनमें चीन, सऊदी अरब, तुर्की, यूएई, कतर, मलेशिया, ब्रुनेई, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और भूटान शामिल हैं। बीएनपी चीफ तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। बता दें कि बांग्लादेश ने भारत को न्योता भेजा है लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ढाका जाना असंभव ही है। 17 तारीख को ही प्रधानमंत्री मोदी की फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ पूर्व निर्धारित बैठक होने वाली है। ऐसे में किसी प्रतिनिधि को ढाका भेजा जा सकता है। बीएनपी ने कहा, 'बांग्लादेश अपने सभी नागरिकों के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों, समावेशिता और प्रगतिशील विकास को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। हम आपसी सम्मान, एक-दूसरे की चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता और अपने क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के प्रति साझा प्रतिबद्धता के मार्गदर्शन में, भारत के साथ रचनात्मक रूप से जुड़कर अपने बहुआयामी संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं।' तारिक रहमान के एक प्रमुख सहयोगी ने नाम न उजागर की शर्त पर बताया कि मौजूदा परिस्थितियों ने मामलों को थोड़ा जटिल बना दिया है।

### ● अर्धसैनिक बल ने किए अत्याचार: यूएन की रिपोर्ट

# अल-फाशेर में तीन दिन तक हिंसा में मारे गए 6000 से अधिक लोग

**काहिरा, एजेंसी।** सूडान के दारफुर क्षेत्र में एक अर्धसैनिक समूह ने अक्तूबर के अंत में तीन दिनों तक अत्यधिक हिंसा की। इसकी भयावहता और क्रूरता हैरान करने वाली थी। इस हिंसा में छह हजार से अधिक लोग मारे गए थे। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने यह जानकारी दी है। यूएन का कहना है कि सूडान के अल-फाशेर में रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (आरएसएफ) के हमले में तीन दिनों में कम से कम छह हजार लोग मारे गए। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने शुक्रवार को रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में कहा गया कि अल-फाशेर शहर पर कब्जा करने के लिए हमले में आरएसएफ बड़े पैमाने पर ऐसे अत्याचारों में

शामिल था, जो युद्ध और मानवता के खिलाफ अपराधों की श्रेणी में आते हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने कहा, अल-फाशेर पर आखिरी हमले में आरएसएफ और उसके सहयोगी अरब मिलिशिया की ओर से किए गए मनमाने अपरा दिखाते हैं कि अपराध के लिए सजा न देने से हिंसा के निरंतर चक्र को बढ़ावा मिलता है। आरएसएफ और उसके सहयोगी अरब समूहों ने 26 अक्तूबर को अल-फाशेर पर कब्जा कर लिया था। इन अरब समूहों को जनजावीद कहा जाता है। अल-फाशेर दारफुर में सूडानी सेना का आखिरी किला था। 18 महीनों की घेराबंदी के बाद आरएसएफ ने शहर और आसपास के इलाकों में लूटपाट की और जमकर हिंसा फैलाई।

# आरोप- पुतिन ने अपने विरोधी को एपिबैटिडीन जहर देकर मारा, इससे पहले लकवा फिर दर्दनाक मौत होती है

**मॉस्को, एजेंसी।** यूरोप के पांच देशों ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर उनके विरोधी एलेक्सी नवलनी को 'एपिबैटिडीन जहर' देकर मारने का आरोप लगाया है। ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, स्वीडन और नीदरलैंड ने कहा है कि यूरोप की लैब में नवलनी के शरीर के नमूनों की जांच में एपिबैटिडीन पाया गया। ये जहर रूस में प्राकृतिक रूप से नहीं मिलता।

इन देशों ने कहा कि रूस के पास यह जहर देने के साधन, मकसद और मौका तीनों थे। उन्होंने रूस के खिलाफ केमिकल वेपन्स कन्वेंशन के उल्लंघन की शिकायत करने की बात कही है।

नेशनल ज्योग्राफिक के मुताबिक, ये जहर दक्षिण अमेरिका में पाए जाने वाले जहरीले डार्ट मेंढकों की त्वचा में मिलता है। यह जहर पहले शरीर को लकवाग्रस्त करता है, फिर सांस लेने में दिक्कत पैदा करता है और आखिर में दर्दनाक मौत हो सकती है। डार्ट मेंढक करीब दो इंच लंबे होते हैं, लेकिन उनके शरीर में इतना जहर होता है कि वह लगभग 10 वयस्क लोगों को मार सकता है। इन मेंढकों की त्वचा से निकाले जाने वाले जहर को एपिबैटिडीन कहा जाता है। यह एक न्यूरोटॉक्सिन है, यानी ऐसा जहर जो सीधे नर्व सिस्टम पर असर करता है। इसे एक रासायनिक हथियार के रूप में भी जाना जाता है। डार्ट मेंढक का जहर धरती के सबसे घातक जहरों में गिना जाता है।

यह मॉर्फीन से लगभग 200 गुना ज्यादा ताकतवर है। इससे शरीर को लकवा मार सकता है, सांस लेने में गंभीर दिक्कत पैदा हो सकती है और दर्दनाक मौत होती है। वैसे तो एपिबैटिडीन मेंढकों में प्राकृतिक रूप से मिलता है, लेकिन इसे लैब में भी बनाया जा सकता है। यूरोपीय वैज्ञानिकों को शक है कि इस मामले में इसे लैब में तैयार किया गया था। नवलनी की

16 फरवरी 2024 को आर्कटिक की एक जेल में मौत हो गई थी, वो यहां 19 साल की सजा काट रहे थे। वे सरकारी भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाते थे और विरोध प्रदर्शन करते थे। ब्रिटेन की विदेश मंत्री यवेट कूपर ने कहा कि रूस नवलनी को खतरे के रूप में देखता था और इस तरह का जहर इस्तेमाल कर उसने दिखाया कि वह राजनीतिक विरोध से कितना डरता है। फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरो ने कहा कि यह घटना दिखाती है कि पुतिन सत्ता में बने रहने के लिए बायोलॉजिकल हथियार तक इस्तेमाल करने को तैयार हैं। नवलनी की पत्नी यूलिया नवलनाया ने कहा कि उन्हें पहले दिन से यकीन था कि उनके पति को जहर दिया गया था और अब इसका सबूत मिल गया है। उन्होंने पुतिन को हत्यारा बताते हुए जवाबदेह ठहराने की मांग की। वहीं रूसी अधिकारियों का कहना है कि नवलनी टहलने के बाद बीमार पड़े और उनकी मौत प्राकृतिक कारणों से हुई। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भी इन आरोपों को खारिज किया है। नवलनी पहले भी 2020 में जहर देने की कोशिश की गई थी। उस वक्त उन्हें 'नोविचोक' नाम का नर्व एजेंट दिया गया था। उन्होंने इसका आरोप क्रेमलिन पर लगाया था, लेकिन रूस ने इससे इनकार किया था।

इलाज के लिए उन्हें जर्मनी ले जाया गया था। ठीक होने के बाद जब वे रूस लौटे तो उन्हें तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया और अपनी जिंदगी के आखिरी तीन साल जेल में बिताए। ब्रिटेन पहले भी रूस पर ऐसे हमलों का आरोप लगाता रहा है। 2018 में इंग्लैंड के सैलिस्बरी शहर में पूर्व रूसी एजेंट सर्गेई स्क्रिपल पर 'नोविचोक' नर्व एजेंट से हमला हुआ था। वे और उनकी बेटी गंभीर रूप से बीमार हो गए थे। एक ब्रिटिश महिला डॉन स्टर्जेस की भी मौत हो गई थी। ब्रिटेन की जांच में कहा गया था कि इस हमले को हाई लेवल से मंजूरी मिली होगी। इसी तरह 2006 में लंदन में पूर्व रूसी एजेंट अलेक्जेंडर लिट्विनेंको की रेडियोएक्टिव पदार्थ पोलोनियम-210 से मौत हुई थी। ब्रिटिश जांच में कहा गया था कि दो रूसी एजेंटों ने उन्हें जहर दिया और संभव है कि इस ऑपरेशन को मंजूरी दी गई हो। हालांकि रूस ने इन सभी मामलों में अपनी भूमिका से इनकार किया है। पुतिन पहली बार साल 2000 में रूस के राष्ट्रपति बने थे।

## संक्षिप्त समाचार

### मेला रंगमंच पर जादूगरों का सम्मान किया

**ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता।** श्रीमंत माधवराव सिंधिया व्यापार मेला प्राधिकरण और जय माँ भूरी देवी गरीब जन कल्याण संस्था की ओर से जादू का कार्यक्रम रखा गया, जिसमें जादूगरों ने जादू और लड़कियों ने डांस कर दर्शकों का भरपूर मंनोरंजन किया। जादू के खेल दिखाने वालों ने सर्व प्रथम जादूगर संतोष कुमार इंडिया जादूगर सागर, जादूगर दीवान सिंह राजौरिया, जादूगर आरडी चौपडा, ने अपने जादू के खेल दिखा कर वाहवाही लूटी इसके बाद अनेक संस्थाओं की ओर से सभी कलाकारो को सम्मानित किया गया। इसी के साथ ग्वालियर के वरिष्ठ जादूगर स्वामी सरकार सहित अन्य सभी जादूगरों को शॉल श्रीफल माला स्मृति चिन्ह सम्मानित किया।

### भगवान शिव का दूध, दही, घी से अभिषेक किया

**ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता।** हकीम देवी प्रसाद रामप्यारी न्यास स्थित कायस्थ छात्रावास में भगवान चित्रगुप्त सर्वदेव मंदिर दौलतगंज में महाशिवरात्रि के अवसर पर भगवान शिव का दूध, दही, घी से अभिषेक कर चंदन अक्षत से भगवान का पूजन कर धूप दीप और बेलपत्र इत्र से उनको श्रंगारित किया गया। महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव बारात लेकर पार्वती मैया को ब्याह कर लाए थे। इसलिए सनातन धर्म संस्कृति के अनुसार इस दिवस को भगवान शिव को अर्पित किया गया है। अभिषेक में आकाश श्रीवास्तव, सुरेंद्र खरे, संजीव कुलश्रेष्ठ, वर्षा श्रीवास्तव, तनय श्रीवास्तव, मायरा श्रीवास्तव सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

### महाशिवरात्रि पर भजन संध्या हुई

**ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता।** प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वारा महाशिवरात्रि पर महाशिवरात्रि महोत्सव का आयोजन जैन छात्रावास में किया गया। इस मौके पर पं. अंकित शर्मा एवं अखिलेश द्विवेदी द्वारा सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी हुईं, जिनमें शिवरात्रि पर्व के आध्यात्मिक संदेश को सुंदर रूप से प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि महाशिवरात्रि आत्म-जागृति का पर्व है, जिसमें व्यक्ति अपने भीतर की आत्मिक शक्ति को पहचानकर परमात्मा से संबंध जोड़ता है। ध्यान अभ्यास के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने शांति, सकारात्मक ऊर्जा तथा दिव्य अनुभूति का अनुभव किया। कार्यक्रम का संयोजन ज्योति दीदी ने किया। इस अवसर पर विधायक डॉ. सतीश सिंह सिकरवार, अतुल तारे, बीके प्रहलाद, आदर्श दीदी, विनोद जैन, डॉ. एसपी बत्रा, डॉ आमोद गुप्ता, गोविंद सिंह, सुरेश बंसल, दिनेश जैन, अनिल सांखला, डॉ. महिमा तारे, अमित द्विवेदी, डॉ. केके तिवारी आदि गणमान्यजन उपस्थित रहे। संचालन डॉ. गुरचरण सिंह ने किया।

### जेसी ग्वालियर सुरभि की इंस्टॉलेशन एवं अवार्ड सेरमनी आज

**ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता।** नया जोश, नई उमंग और नए अंदाज के साथ जेसी ग्वालियर सुरभि द्वारा 16 फरवरी को रंग महल में इंस्टॉलेशन एवं अवार्ड सेरमनी का आयोजन होने जा रहा हैं। जिसमें वर्ष 2026 की नवनिर्वाचित अध्यक्ष जेसी बरखा नामदेव एवं सचिव जेसी नेहा अग्रवाल के साथ नवीन कार्यकरिणी सदस्यो एवं न्यू मेंबर्स को शपथ दिलाई जायेगी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एएसपी यातायात अनु बेनीवाल, स्टार गेस्ट टी आई, थाना इंदरगंज दीप्ति तोमर, नोट स्पीकर के रूप में जेसीआई सिनेटर केशव वैश्य(पास्ट नेशनल कोषाध्यक्ष जेसीआई इंडिया), संरक्षक जेसीआई सिनेटर रितिका गुप्ता (नेशनल ट्रेनर, जेसीआई इंडिया), गेस्ट ऑफऑनर ज़ोन प्रेसिडेंट जेसी अम्रता शर्मा एवं ऑफिसर,ज़ोन वाईस प्रेजिडेंट जेसी अंकित शास्त्री उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम की संयोजिका जेसी गायत्री जैन रहेंगी।

# महाशिवरात्रि पर बम-बम भोले से गूंजे शिवालय

**ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता।**

महाशिवरात्रि के अवसर पर गत रात 12 बजे से ही अचलेश्वर मंदि, गुप्तेश्वर, कोटेश्वर, मार्कंडेश्वर, भूतेश्वर, हजारेश्वर और मंगलेश्वर मंदिर सहित अन्य शिवालयों में भक्तों का तांता लगा हुआ था। महाशिवरात्रि पर अचलेश्वर मंदिर के तीनों द्वार खुले रहे और हर द्वार पर रविवार रात 12 बजे तक भक्तों की लंबी-लंबी कतारें लगी रही। महाशिवरात्रि पर अचलेश्वर महादेव पर लगभग करीब 2 लाख भक्तों ने दर्शन करें। बाबा अचलनाथ को छप्पन भोग अर्पित करने के लिए विशेष मंच सजाया गया था। भगवान अचलनाथ के दर्शनों के लिए ग्वालियर-चंबल अंचल ही नहीं, बल्कि आसपास के अन्य जिलों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। अचलेश्वर के बाहर सडक़ों पर दूर-दूर तक भक्त दर्शन के लिए लाइन में लगे रहे। अचलेश्वर मंदिर की मान्यता है कि सिंधिया राजवंश के समय यहां भगवान ने पिंडी रूप में दर्शन दिए थे। इस पिंडी को अन्य स्थान पर स्थापित करने के कई प्रयास किए गए, लेकिन पिंडी अपने स्थान से नहीं हिली। इसके बाद उसी स्थान पर भगवान अचलेश्वर महादेव के नाम से मंदिर का निर्माण कराया गया।

### मंदिरों में कांवरियों ने चढ़ाया जल

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर भोलेनाथ की आराधना करते हुए कांवरियों ने भजन गाते हुए कांवर चढ़ाई। कांवरियों के मंदिर में पहुंचते ही भक्तों को कुछ देर के लिए रोक दिया, जिससे कांवरिए शिव की आराधना करते हुए कांवर चढ़ा सकें। कांवर चढ़ाने के लिए सुबह से शिवालयों में भीड़ लगी थी। मंदिरों में कांवरियों के लिए जल चढ़ाने की विशेष व्यवस्था की गई थी।

### स्टॉलों से बंट रही फलाहारी

शिव मंदिरों के बाहर रात 12 बजे से ही प्रसादी का वितरण शुरू हो गया। अचलेश्वर महादेव मंदिर के पास लगे स्टॉलों पर विभिन्न समाजों द्वारा चाय, फल, फलाहारी आलू, ठण्डाई, साबूदाने की खिचड़ी और शरबत का वितरण किया गया। चकलेश्वर महादेव पर बम-बम भोले सेवा समिति द्वारा प्रसादी वितरित की जा रही है। सभी शिवालयों पर ठंडाई व फलाहारी की प्रसादी बंट रही है।

### शिवालयों पर 108 तैनात

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर भक्त व श्रद्धालुओं के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी इंतजाम किए गए हैं। प्रमुख शिवालयों के पास 108 एबुलेंस को तैनात किया गया है, जिससे किसी श्रद्धालु की तबियत बिगड़े तो उसे तत्काल उपचार दिया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि अचलेश्वर मंदिर, कोटेश्वर, गुप्तेश्वर तथा भूतेश्वर महादेव मंदिर पर महाशिवरात्रि पर्व के एक दिन पहले ही रात में ही एबुलेंस तैनात कर दी गई हैं। जबकि अन्य प्रमुख शिवालय हैं वहां व उसके आस-पास 108 एबुलेंस को रहने के निर्देश जारी किए गए हैं।

### गुप्तेश्वर महादेव से निकली शिव बारात

महाशिवरात्रि पर गुप्तेश्वर मंदिर से सुबह 11 बजे गुप्तेश्वर महादेव सेवा संघ द्वारा चल समारोह निकाला गया। सेवा संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि चल समारोह गुप्तेश्वर मंदिर से प्रारंभ होकर जनकगंज, सराफा बाजार, फालका बाजार स्थित राम मंदिर, ऊंट पुल और इंदरगंज मार्ग से होता हुआ अचलेश्वर महादेव मंदिर पहुंचा। पूरे मार्ग में धार्मिक वातावरण बनाए रखने के लिए भजन-कीर्तन, ढोल-नगाड़े और शंख ध्वनि की विशेष व्यवस्था की गई है।

## आस्था के मंच पर 2028 की आहट

# मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा या शक्ति प्रदर्शन? डबरा के नवग्रह मंदिर आयोजन ने बढ़ाई सियासी हलचल

**ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता।**

धार्मिक अनुष्ठान, वैदिक मंत्रोच्चार, यज्ञ की धधकती अग्नि और मंच पर सजे सियासी चेहरे डबरा में नवग्रह मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का 10 दिवसीय भव्य आयोजन इन दिनों आस्था के साथ-साथ राजनीति के केंद्र में भी है। इस आयोजन का नेतृत्व प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा कर रहे हैं। देश-प्रदेश के संत, कवि, तांत्रिक और जनप्रतिनिधि इस कार्यक्रम में शामिल हो चुके हैं, जबकि कई पक्ष-विपक्ष के नेताओं के आने की चर्चाएं अभी भी जारी हैं। लेकिन सवाल यह उठ रहा है क्या यह केवल मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा है या फिर 2028 की सियासी बिसात पर बिछाया जा रहा शक्ति प्रदर्शन?

### आस्था के बहाने सियासी संदेश?

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि पिछले कुछ समय से पार्टी की मुख्यधारा से कुछ हद तक दूर नजर आ रहे पूर्व गृह मंत्री इस आयोजन के माध्यम से अपनी सक्रियता और जनाधार का प्रदर्शन करना चाहते हैं। भीड़, मंच और बड़े चेहरों की मौजूदगी को कई लोग एक स्पष्ट सियासी संकेत के रूप में देख रहे हैं। डबरा क्षेत्र में यदि 2028 के विधानसभा चुनाव तक सीट की स्थिति सामान्य (अनारक्षित) होती है, तो टिकट की दावेदारी मजबूत करने के लिहाज से यह आयोजन एक

रणनीतिक कदम माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि धार्मिक मंच से जनसमर्थन का प्रदर्शन पार्टी नेतृत्व तक सीधा संदेश पहुंचाने का प्रभावी माध्यम होता है।

### विपक्ष भी साध रहा समीकरण

कार्यक्रम में पक्ष और विपक्ष—दोनों खेमों के नेताओं की संभावित मौजूदगी ने इसे और दिलचस्प बना दिया है। एक ओर जहां सत्तारूढ़ दल के नेता इसे क्षेत्र के धार्मिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक बता रहे हैं, वहीं विपक्ष इसे सॉफ्ट पॉलिटिक्स और इमेज रीबिल्डिंग अभियान करार दे रहा है।

कुछ विपक्षी नेताओं का कहना है कि यदि यह केवल धार्मिक आयोजन होता, तो इसमें राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन की झलक इतनी मुखर नहीं होती। मंच की संरचना, अतिथियों की सूची और प्रचार-प्रसार का स्तर इस आयोजन को सामान्य धार्मिक कार्यक्रम से कहीं आगे ले जाता दिख रहा है।

### समर्थकों का तर्क आस्था पर राजनीति क्यों?

पूर्व गृह मंत्री के समर्थकों का मानना है कि नवग्रह मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा वर्षो से क्षेत्र की मांग रही है और यह आयोजन पूरी तरह धार्मिक भावना से प्रेरित है। उनका तर्क है कि जनप्रतिनिधि यदि धार्मिक आयोजन में भाग लेते हैं तो उसे शक्ति प्रदर्शन कहना उचित नहीं। समर्थकों का यह भी कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने की जरूरत थी, जिसे यह आयोजन पूरा कर रहा है।

### 2028 की आहट और सियासी संदेश

मध्यप्रदेश की राजनीति में 2028 अभी दूर भले हो, लेकिन दावेदारी की पटकथा अभी से लिखी जाने लगी है। ऐसे में डबरा का यह आयोजन केवल धार्मिक परिधि में सीमित नहीं रह गया है। भीड़ का आकार, नेताओं की उपस्थिति और मीडिया कवरेज—सब मिलकर इसे एक बड़े राजनीतिक संकेत में बदल रहे हैं।

# 44वीं अखिल भारतीय पुलिस अश्वारोही प्रतियोगिता एवं माउंटेड पुलिस ड्यूटी मीट का शुभारंम्भ

**टेकनपुर ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता।** सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर के लाल बहादुर शास्त्री खेल मैदान पर रविवार को 44वीं अखिल भारतीय पुलिस अश्वारोही प्रतियोगिता एवं माउंटेड पुलिस ड्यूटी मीट का औपचारिक शुभारंम्भ महानिदेशक बीएसएफ प्रवीण कुमार ने किया। इस स्पर्धा में लगभग 19 पुलिस एवं अर्ध सैनिक बल सहित पुलिस प्रशिक्षण अकादमी की टीमें भाग ले रही हैं जो अपने उत्कृष्ट अश्वारोही कौशल, अनुशासन एवं पेशेवर दक्षता का प्रदर्शन करेंगी। इस अवसर पर प्रतिभागी टीमों एवं उनके कप्तानों ने शपथ ग्रहण की वहीं उन्होंने खेल भावना, अनुशासन तथा निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के उच्चतम मानकों का पालन करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महानिदेशक बीएसएफ ने कहा कि यह प्रतियोगिता न केवल प्रतिभागियों के बीच भाईचारे का निर्माण करेगी बल्कि पुलिस संगठनों में घुडसवारी के खेल के प्रति रूचि और मानकों को बढाने में सहायक होगी। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि स्पर्धा के दौरान घुडसवारी का उत्कृष्ट बेहतरीन प्रदर्शन स्वस्थ प्रतिस्पर्धा एवं खेल भावना के उच्च मानक और प्रतियोगिता का सुदृढ संचालन यादगार बनायेगा।

प्रतियोगिता के समापन पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों एवं प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। यह आयोजन सुरक्षा बलां की तत्परता साहस समर्पण एवं राष्ट्र सेवा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता का सशक्त परिचायक है।

# पैकेट असली, माल नकली-दाल बाजार में मिलावट का सुनियोजित सिंडिकेट

### कार्रवाई से ज्यादा विरोध पर जोर

**ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता।** बाजार की चमकती पैकिंग, ब्रांडेड नाम और भरोसे का लेबल—ये सब अब असली माल की गारंटी नहीं रह गए हैं। हकीकत यह है कि पैकेट असली हो सकता है, लेकिन उसके भीतर भरा खाद्य पदार्थ पूरी तरह नकली और जहरीला हो सकता है। हाल ही में ट्रांसपोर्ट नगर में हुई कार्रवाई ने इस कड़वे सच को उजागर कर दिया है, जहां शिव पुजारी ब्रांड की पैकिंग में भरी 46 बोरी नकली जीरा पुलिस ने पकड़ा। जांच में सामने आया कि यह कथित जीरा दरअसल सोंफ पर सीमेंट और सिंथेटिक कलर की कोटिंग कर तैयार किया गया था—एक ऐसा खतरनाक खेल, जो सीधे आम आदमी के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है।

पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है, जिनमें एक कारोबारी दाल बाजार का चम्पक अग्रवाल भी बताया जा रहा है। यह कार्रवाई केवल एक घटना नहीं, बल्कि उस संगठित मिलावट तंत्र की एक झलक है, जो लंबे समय से खाद्य सामग्री की आड़ में जहर परोस रहा है।

### छापों में मिली आपत्तिजनक सामग्री, रिश्वत की पेशकश के आरोप

कुछ दिन पहले खाद्य विभाग की टीम ने दाल बाजार स्थित तीन मसाला पिसाई केंद्रों बालाजी पिसाई केंद्र, ओमकार पिसाई केंद्र और एक अन्य पिसाई केंद्र पर छापामार कार्रवाई की थी। (इन पिसाई केंद्र मे बालाजी पिसाई केंद्र के संचालक मनीष दाल बाजार व्यापार समिति मे पदाधिकारी है और और लम्बे समय से मसाले की पिसाई का कार्य कर रहे है) सूत्रों का कहना है कि इन्होने अपनी चक्की के सामने मार्किट मे एक गोदाम किराये पर ले रखा है जिसमे मसालो मे मिलाई जाने वाली अखाद्य सामग्री रखी जाती है और पिसाई करते समय जरूरत के हिसाब से इस माल को निकाला जाता और कार्यवाही के दौरान विभाग को आसानी से मिलावट कि जाने वाली सभी सामग्री नहीं मिल पाती। सूत्रों के अनुसार, कार्यवाही के दौरान टीम को यहां से कई संदिग्ध और आपत्तिजनक सामग्री मिली थी, जिसके बाद सैंपलिंग की कार्रवाई की गई। सूत्र यह भी बताते हैं कि एक पिसाई केंद्र संचालक ने पहले तो नेतागिरी दिखाकर कार्रवाई को प्रभावित करने की कोशिश की और जब बात नहीं बनी तो विभागीय अधिकारियों को रिश्वत की पेशकश की गई। बताया जाता है कि यह रकम पहले 10 हजार रुपये से शुरू होकर 1 लाख रुपये तक पहुंच गई। हालांकि इस रिश्वत की पेशकश की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, और न ही हमारा अख़बार इस बात की कतई पुष्टि नहीं कर रहा,लेकिन सूत्रों के दावे इस पूरे मामले को और गंभीर बना देते हैं।

### बेखौफ मिलावटखोर, और ज्यादा सुनियोजित तरीके से सक्रिय

कार्रवाई के बाद कुछ समय तक मिलावट का कारोबार थमा जरूर, लेकिन अब खबरें हैं कि यह काला खेल फिर से शुरू हो चुका है—इस बार और ज्यादा सुनियोजित तरीके से। नकली मसालों को असली ब्रांड की पैकिंग में भरकर बाजार में उतारा जा रहा है, ताकि उपभोक्ता और प्रशासन दोनों को धोखा दिया जा सके। मसाले ही नहीं, बल्कि अधिकतर खाद्य सामग्री अब मिलावट की गिरफ्त में है। लालच की इस अंधी दौड़ में कुछ कारोबारी लोगों की सेहत और भरोसे दोनों की हत्या कर रहे हैं।

### खबरें प्रकाशित होते ही व्यापार समिति में विरोध, सवालों से बचने की कोशिश

इस विषय पर जब अखबारों में खबरें प्रकाशित हुईं, तो दाल बाजार व्यापार समिति के ग्रुप में इसका खुलकर विरोध शुरू हो गया। एक व्यापारी ने आगामी दाल बाजार व्यापार समिति के चुनाव मे व्यापारियों का समर्थन हासिल करने के लिये अभी से राजनैतिक बिसात बिछाना शुरू कर दिया है और मिलावट को लेकर अख़बार मे प्रकाशित हो रही खबरों के विरोध मे व्यापारियो का समर्थन हासिल करने के लिये ग्रुप में लिखा

# भारत मंडपम में लगेगा एक मई से चार दिवसीय स्वदेशी शक्ति का महाकुंभ

**ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता।** कान्फेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय व्यापार की तस्वीर बदलने लोकल फार वोकल के साथ भारत मंडपम में एक भारतीय व्यापार महोत्सव का आयोजन एक मई से चार मई तक किया जाएगा। इसमें स्वदेशी उत्पादों को बढावा देने के लिये उनके निर्यात को बढावा देने का प्रयास किया जाएगा। उक्त जानकारी कान्फेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल, प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन ने पत्रकारों को देते हुये बताया कि भारत के स्वदेशी उत्पाद को लोकल से ग्लोवल तक पहंचाने के उददेश्य से इस महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भारतीय व्यापार महोत्सव प्रगति मैदान के भारत मंडपम में होगा। इसमें अलग अलग सेक्टर में उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा।

सांसद खंडेलवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के व्यापार एवं उद्योग तथा सेवाओं की क्षमता सामर्थ्य और शक्ति को देश ही नहीं बल्कि दुनियां के सामने प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करेगा। इसमें भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों को पूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है। आयोजन से देश की अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। उन्होंने बताया कि कैट की गवर्निंग काउंसिल की बैठक मं केन्द्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने इस प्रकार के भव्य आयोजन का सुझाव दिया था कैट ने इसे हाथ में लिया औा स्वदेशी उत्पादों एमएसएमई स्टार्टअप्स और कारीगरों को डिजीटल भुगतान, व्यापक बाजार तथा सशक्त बी2बी एव बी 2 सह नेटवर्किंग के माध्यम से भारतीय व्यापार महोत्सव को लाभ होगा।

सांसद खंडेलवाल इसमें लगभग 40 देशों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस यह भारत व्यापार महोत्सव नींव का पत्थर साबित होगा। पत्रकार वार्ता में रवि गुप्ता, विवेक जैन, मुकेश अग्रवाल, कमल अग्रवाल, अजय चोपडा, हरिओम चैरसिया, दीपक पमनानी, अंषुल तपा, सचिन राजपूत, रीनां गांधी आदि मौजूद थे।

# दादा-दादी और नाना-नानी दिवस मनाया

**ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता।** केंद्रीय विद्यालय क्रमांक एक में गत रोज दादा-दादी एवं नाना-नानी दिवस बड़े हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय के प्राचार्य राजेश पांडेय, उप-प्राचार्य पवन जैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रधानाध्यापिका डा. भारती यादव ने अतिथियों को पौधा भेंटकर स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य और प्रधानाध्यापिका के साथ दादा-दादी एवं नाना-नानी ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। इसके पश्चात प्राचार्य एवं प्रधानाध्यापिका ने बच्चों के जीवन में दादा-दादी एवं नाना-नानी के महत्व पर प्रकाश डाला तथा बताया कि किस प्रकार वे बच्चों में नैतिक मूल्यों, संस्कारों एवं जीवन मूल्यों का विकास करते हैं। इसके उपरांत विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिनमें सरस्वती वंदना, गणेश वंदना, मराठी नृत्य, पंजाबी नृत्य तथा रामायण- पर आधारित एक सुंदर नाट्य प्रस्तुति शामिल थी।

## भ्रमण

## परिषद भवन में पार्षदों से सीखे परिषद चलाने के गुर

# केरल के महापौर-पार्षदों ने किया भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के निवास का भ्रमण

**ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता।**

केरल से आए महापौर एवं पार्षदों के प्रतिनिधि मण्डल ने रविवार सुबह पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के निवास स्थान का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने वहां पर संचालित हो रहे कम्प्यूटर सेंटर को देखा, साथ ही वहां पर अटल बिहारी वाजपेयी की तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके बाद वह स्मार्ट सिटी एवं नगर निगम परिषद गए। परिषद में पार्षद, सभापति के साथ मुलाकात कर, परिषद के संचालन के गुर सीखें। केरल नगर निगम चुनाव में जीते महापौर एवं पार्षदों का दल ग्वालियर भ्रमण पर आया हुआ है।

ग्वालियर भ्रमण के दौरान उन्होंने रविवार सुबह भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के निवास स्थान का दौरा किया। इसके बाद वह स्मार्ट सिटी कार्यालय गए। वहां पर कंट्रोल एण्ड कमांड सेंटर को देखा। साथ ही स्मार्ट सिटी द्वारा शहर में किए गए कार्यों के बारे में जानकारी ली। इसके बाद वह जलविहार स्थित नगर निगम के परिषद भवन गए। वहां पर उन्होंने सभापति मनोज तोमर सहित पार्षदों से मुलाकात की। चूंकि केरला से आए प्रतिनिधि मण्डल में सभी पार्षद एवं महापौर पहली बार चुनकर आए हैं, इसलिए सभी ने नगर निगम परिषद को चलाने एवं नगर निगम के कार्यों को लेकर सभापति मनोज तोमर एवं पार्षदों से बातचीत की। इस दौरान भाजपा पार्षदों एवं सभापति ने उन्हें कार्यों की बारिकियों के बारे में बताया। इसके बाद बालभवन में पार्षदों एवं नगर निगम के अधिकारियों के साथ मीटिंग एवं स्वल्पहार का आयोजन हुआ।

### राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने की केरल के जनप्रतिनिधियों से मुलाकात

केरल से ग्वालियर आए महापौर एवं पार्षदों के दल से मुलाकात करने के लिए राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ग्वालियर आई। दोपहर 12 बज राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने केरल के जनप्रतिनिधियों से मुलाकात करी। राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी रात 8.10 बजे भोपाल के लिए रवाना हो गई।

देश दुनिया की ताजा खबरे पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
www.pratahkiranlive.com @pratahkiran



टी20 वर्ल्ड कप 2026

# वेस्टइंडीज सुपर-8 में पहुंचने वाली पहली टीम, नेपाल समेत दो टीमें बाहर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** वेस्टइंडीज ने नेपाल को टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 25वें मैच में 9 विकेट से हराया और दीपेंद्र सिंह ऐरी की अर्धशतकीय पारी बेकार चली गई। वेस्टइंडीज सुपर-8 में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। जेसन होल्डर ने चार विकेट लेकर 2 बार की चैंपियन टीम को तीसरी जीत दिलाने में मदद की। वानखेड़े स्टेडियम में रविवार (15 फरवरी) को पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल ने 8 विकेट पर 133 रन बनाए। वेस्टइंडीज ने 15.2 ओवर में 1 विकेट 134 रन बनाए। इस तरह से नेपाल लगातार तीसरा मैच हारकर टी20 वर्ल्ड कप से बाहर होने वाली दूसरी टीम बन गई। इसके अलावा ग्रुप बी से ओमान तीन मैच हारकर सुपर-8 की रेस से बाहर हो गई है।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी नेपाल की टीम लय में दिखी ही नहीं। ओपनर कुशल भुर्तेल पहले ही ओवर में आउट हो गए। कप्तान रोहित पौडेल जल्द ही 5 रन पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। सातवें ओवर तक नेपाल का स्कोर 4 विकेट पर 23 रन हो गया। इसके बाद ऐरी ने निचले मध्यक्रम के साथ मिलकर टीम को संभाला। मैथ्यू फोर्ड ने लगातार चार ओवर फेंके और नेपाल पर लगातार दबाव बनाए रखा।

### होप ने 15वें ओवर में दो छक्के मारकर अर्धशतक पूरा किया

किंग पावरप्ले के आखिरी ओवर में मिडऑन पर आउट हो गए और 44 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप खत्म कर दी, लेकिन वेस्टइंडीज को नेपाल परेशान नहीं कर सका कि वह मोमेंटम अपने पक्ष में कर सके। शिमरोन हेटमायर ने संदीप लामिछाने से निपटे और बाउंड्री लगाते रहे। इसमें लेग स्पिनर के खिलाफ आगे बढ़कर लॉन्ग ऑन पर छक्का लगाना भी था। होप ने भी 15वें ओवर में लामिछाने के दो छक्के मारकर अपना अर्धशतक पूरा किया।

### नेपाल ने तीन ओवर में 44 रन बनाए

लोकेश बाम और गुलशन झा के साथ ऐरी ने अच्छी साझेदारी करके नेपाल की पारी को संभाला। उन्होंने स्पिनरों के खिलाफ जोखिम उठाया, लेकिन डेथ ओवर में गियर बदला और ऐरी और सोमपाल कामी ने तेज गेंदबाजों पर अटैक किया। 18वें ओवर में कामी ने होल्डर की गेंद पर लगातार तीन बाउंड्री लगाई और ऐरी ने अगले ओवर में शमर जोसेफ की गेंद पर दो छक्के मारे। तीन ओवर में 44 रन बने। होल्डर ने आखिरी ओवर में शानदार गेंदबाजी की। उनकी यॉर्कर असरदार साबित हुई और उन्होंने दो विकेट लिए।

### पांचवें ओवर में किंग ने कामी को तीन चौके मारे

वेस्टइंडीज को रन चेज में ज्यादा मुश्किल नहीं हुई। गेद रुक रही थी, लेकिन शॉट लगाना आसान था। ब्रैंडन किंग ने पहली गेंद पर कवर-पॉइंट की तरफ बाउंड्री लगाकर शुरुआत की। ज्यादा रिस्क लिए बिना वेस्टइंडीज के ओपनर हर ओवर में कम से कम एक बाउंड्री लगाने में कामयाब रहे। पांचवें ओवर में किंग ने कामी को तीन चौके मारे और जीत की नींव रखी।

# वृंदा के तूफान में उड़ा पाक

## भारत ने पाकिस्तान को 8 विकेट से हराया

महिला राइजिंग स्टार्स एशिया कप
भारत ए बनाम पाकिस्तान ए

- पहली गेंद पर विकेट गिरने के बाद संभली पारी
- सिर्फ 10.1 ओवर में ही हासिल किया लक्ष्य

**जर्काता, एजेंसी।** एसीसी वूमेन्स राइजिंग स्टार्स एशिया कप 2026 में इंडिया ए ने पाकिस्तान ए को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी है। बैंकॉक में खेले गए इस मुकाबले में वृंदा दिनेश ने बल्ले से तबाही मचाते हुए टीम को एकतरफा जीत दिलाई। इससे पहले टीम इंडिया को अपने पहले ही मैच में यूएई के हाथों हैरान करने वाली हार मिली थी, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ टीम ने जबरदस्त वापसी की। भारतीय टीम ने 93 रनों के लक्ष्य को सिर्फ 10.1 ओवर में हासिल कर लिया और टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की।

### वृंदा दिनेश का शानदार अर्धशतक

वृंदा दिनेश ने इस मैच में कमाल की बैटिंग की। उन्होंने पाकिस्तान के गेंदबाजों की जमकर खबर ली और मैदान के चारों तरफ शॉट लगाए। वृंदा ने सिर्फ 29 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 55 रन बनाए। अपनी इस पारी में उन्होंने 12 शानदार चौके लगाए। वृंदा का आक्रामक अंदाज ऐसा था कि उन्होंने अपना अर्धशतक सिर्फ 25 गेंदों में ही पूरा कर लिया था। जब वो 50 रन के आंकड़े पर पहुंची तब तक उनके बल्ले से 11 चौके निकल चुके थे। उनकी इस तेज तर्रार पारी की बदौलत ही इंडिया ने टारगेट को बहुत जल्दी हासिल कर लिया।

### पहली गेंद पर विकेट गिरने के बाद संभली पारी

पाकिस्तान के 93 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडिया की शुरुआत बेहद खराब रही थी। पारी की पहली ही गेंद पर ओपनर हुमैरा काजी आउट हो गई। उन्हें पाकिस्तान की बॉलर वहीदा ने पवेलियन भेज दिया। हालांकि इस शुरुआती झटके का असर बाकी बैटर पर नहीं दिखा। वृंदा और अनुष्का ने मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। अनुष्का ने भी टिक कर बैटिंग की और 26 गेंदों पर 24 रन बनाए। उन्होंने वृंदा का अच्छा साथ दिया।

### वहीदा और मोमिना को 1-1 विकेट मिला

इंडिया ए के बैटर इतने आक्रामक मूड में थे कि उन्होंने मैच को जल्द से जल्द खत्म कर दिया। टीम ने 9वें ओवर में ही 2 विकेट खोकर 81 रन बना लिए थे। उस समय टीम जीत से सिर्फ 13 रन दूर थी। अनुष्का को पाकिस्तान की बॉलर मोमिना ने आउट किया, लेकिन तब तक इंडिया जीत के करीब पहुंच चुका था। अंत में इंडिया ने 10.1 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया और पाकिस्तान को 8 विकेट से धूल चटा दी। पाकिस्तान की तरफ से वहीदा और मोमिना को 1-1 विकेट मिला।

### मार्कराम ने रचा इतिहास, रोहित की एलीट लिस्ट में शामिल

**मुंबई (एजेंसी)।** टी20 वर्ल्ड कप 2026 में दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ धमाकेदार पारी खेलकर इतिहास रच दिया। मार्करम ने सिर्फ 19 गेंदों में अर्धशतक जड़ते हुए न सिर्फ टीम को जीत दिलाई, बल्कि टी20 वर्ल्ड कप में सबसे तेज फिफ्टी लगाने वाले कप्तानों की एलीट लिस्ट में जगह बना ली।

मार्करम टी20 वर्ल्ड कप में 19 गेंदों पर अर्धशतक लगाने वाले कप्तानों की सूची में शामिल हो गए। इस लिस्ट में अब उनके साथ- रोहित शर्मा (भारत) - 19 गेंद, दासुन शनाका (श्रीलंका) - 19 गेंद, इसके अलावा मोहम्मद अशरफुल (20 गेंद, 2007) और महेला जयवर्धने (21 गेंद, 2007) भी इस सूची में शामिल हैं। मार्करम टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में यह कारनामा करने वाले पहले दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज बने। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी।

# साउथ अफ्रीका जीता, ऑस्ट्रेलिया की मुश्किलें बढ़ी

**कोलंबो (एजेंसी)।** टी-20 वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज के 24 मुकाबले खेले जा चुके हैं। 6 दिन में 16 मैच और बचे हैं। अब तक किसी भी टीम ने सुपर-8 में जगह नहीं बनाई, लेकिन शनिवार को साउथ अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को हराकर अपनी पोजिशन लगभग कन्फर्म कर ली। अफगानिस्तान का क्वालिफाई कर पाना मुश्किल है, वहीं ओमान एलिमिनेट होने वाली पहली टीम बन गई।

### ग्रुप-ए- भारत-पाकिस्तान के पास क्वालिफिकेशन का मौका

ग्रुप-ए में मेजबान भारत और 2009 की चैंपियन पाकिस्तान के अलावा अमेरिका, नीदरलैंड और नामीबिया हैं। भारत और पाकिस्तान 2-2 मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल में टॉप-2 पोजिशन पर हैं। आज दोनों के बीच होने वाला मैच जीतने वाली टीम सुपर-8 में अपनी जगह लगभग कन्फर्म कर लेगी। वहीं हारने वाली टीम को आखिरी दोनों मैच जीतने ही होंगे।

इस ग्रुप में नामीबिया दोनों मैच हार चुकी है, टीम ने एक और मुकाबला गंवाया तो एलिमिनेट हो जाएगी। अमेरिका और नीदरलैंड भी 2-2 मैच हार चुकी है, इन्हें भी क्वालिफाई करने के लिए आखिरी मुकाबले जीतने ही होंगे। दोनों टीमें 1-1 जीत के साथ तीसरे और चौथे नंबर पर हैं।

### ग्रुप-बीः ऑस्ट्रेलिया की मुश्किलें बढ़ीं

ग्रुप-बी की सिचुएशन इस समय सबसे ज्यादा मजेदार है। होम टीम श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया को हराने वाली जिम्बाब्वे 2-2 जीत के साथ टॉप-2 पोजिशन पर हैं। ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका के खिलाफ एक मैच खेलना है, यहां अगर कंगारू टीम हार गई तो उनका अगले राउंड में पहुंचना नामुमकिन सा हो जाएगा। क्योंकि जिम्बाब्वे फिर आयरलैंड को हराकर ही सुपर-8 में पहुंच जाएगी। श्रीलंका का एक मैच जिम्बाब्वे के खिलाफ भी है, इसे जीतने वाली टीम अपनी जगह अगले राउंड में कन्फर्म कर लेगी। ऑस्ट्रेलिया को ओमान से भी भिड़ना है, लेकिन उन्हें क्वालिफाई करने के लिए आखिरी दोनों मैच जीतने होंगे। ओमान 3 मैच हारकर बाहर हो चुकी है। आयरलैंड 2 मैच हार चुकी है, टीम का क्वालिफाई कर पाना बेहद मुश्किल है। उनका आखिरी मैच जिम्बाब्वे से होगा।

### ग्रुप-सीः इंग्लैंड को सभी मैच जीतने होंगे

2-2 बार की चैंपियन इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के अलावा इस ग्रुप में स्कॉटलैंड, इटली और नेपाल भी हैं। दोनों वर्ल्ड चैंपियन टीमें 2-2 मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल में शुरुआती 2 पोजिशन पर हैं। इंग्लैंड को इकलौती हार विंडीज से ही मिली। अब इंग्लिश टीम को क्वालिफाई करने के लिए इटली के खिलाफ आखिरी मैच जीतना ही होगा। वेस्टइंडीज को इटली और नेपाल से भिड़ना है, दोनों मुकाबले जीतकर टीम नंबर-1 पर रहकर फिनिश करेगी। स्कॉटलैंड और नेपाल ने 1-1 मैच और गंवाया तो टीमें अगले राउंड से बाहर हो जाएंगी। इटली को 1 जीत और 1 हार मिली है।

### ग्रुप-डीः अफगानिस्तान बाहर, अफ्रीका की राह आसान

टूर्नामेंट का सबसे मुश्किल ग्रुप यही था। इसमें 2024 की फाइनलिस्ट साउथ अफ्रीका, 2021 की रनर-अप न्यूजीलैंड और 2024 की सेमीफाइनलिस्ट अफगानिस्तान की टीमें थीं। अफगानिस्तान ने कीवी और प्रोटियाज टीम के खिलाफ अपने दोनों मैच गंवा दिए। अब उन्हें क्वालिफाई करने के लिए आखिरी दोनों मैच जीतने के साथ न्यूजीलैंड के हारने की दुआ भी करनी होगी।

# केएल राहुल ने लगातार दूसरा शतक जड़ा

**कर्नाटक (एजेंसी)।** रणजी ट्रॉफी 2025-26 के सेमीफाइनल में कर्नाटक के स्टार ओपनर केएल राहुल ने शानदार शतक जड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। उत्तराखंड के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले में राहुल ने लगातार दूसरा नॉकआउट शतक लगाया और अपने अनुभव का पूरा फायदा उठाया।

### राहुल-पडिक्कल की दमदार साझेदारी

लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे इस मैच में कर्नाटक की शुरुआत सतर्क रही। कप्तान मयंक अग्रवाल और राहुल ने नई गेंद को संभलकर खेला, लेकिन नौवें ओवर में आदित्य रावत ने अग्रवाल (5 रन, 32 गेंद) को आउट कर दिया। इसके बाद राहुल और पडिक्कल ने पारी को संभाला। दोनों ने धीरे-धीरे रन गति बढ़ाई।

### दूसरे सत्र में राहुल का जलवा

दूसरे सत्र में राहुल ने आक्रामक रुख अपनाया। 52वें ओवर में उन्होंने 153 गेंदों में अपना शतक पूरा किया।

उनकी इस उपलब्धि पर स्टैंड में मौजूद उनके ससुर और बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी और अहान शेट्टी ने तालियां बजाकर उत्साह बढ़ाया। कुछ ओवर बाद पडिक्कल ने भी जगदीशा सुचित की गेंद पर छक्का लगाकर अपना शतक पूरा किया।

### राहुल का 25वां फर्स्ट क्लास शतक

यह राहुल के प्रथम श्रेणी करियर का 25वां शतक है। क्वार्टरफाइनल में मुंबई के खिलाफ रन चेज में 130 रन बनाए थे।रणजी से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ राजकोट में वनडे मैच में 112* रन की पारी खेली थी।पिछले पांच मैचों में यह उनका तीसरा शतक है, जो उनकी शानदार फॉर्म को दर्शाता है।

### मैच की स्थिति

राहुल और पडिक्कल की शतकीय पारियों की बदौलत कर्नाटक ने पहले दिन उत्तराखंड के गेंदबाजों पर दबदबा बनाया और फाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाया।

# भगत ने पैरा बैडमिंटन में रचा इतिहास

**मनामा (एजेंसी)।** मनामा में आयोजित बीडब्ल्यूएफ पैरा बेडमिंटन वर्ल्ड चैंमिपयनशिप में भारत के स्टार पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने इतिहास रच दिया।

37 वर्षीय भगत ने पुरुष एकल एसएल3 वर्ग के फाइनल में इंडोनेशिया के मोहम्मद अल इमरान को 21-12, 21-18 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यह उनके करियर का लगातार चौथा विश्व चैंपियनशिप एकल स्वर्ण और कुल मिलाकर छठा विश्व खिताब है।

एसएल3 वर्ग में वे खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं जिनके निचले अंगों में गंभीर विकलांगता होती है। पांच साल की उम्र में पोलियो से प्रभावित होने के बावजूद भगत ने अपने खेल से दुनिया में भारत का नाम रोशन किया है।

उन्होंने इससे पहले 2009, 2015, 2019, 2022 और 2024 में भी विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। इस जीत के साथ वह विश्व चैंपियनशिप इतिहास में सबसे सफल एकल खिलाड़ी बन गए हैं।

यह जीत इसलिए भी खास है क्योंकि हाल ही में वे डोपिंग रोधी नियमों के 'वेयरअबाउट्स' उल्लंघन के कारण 18 महीने के निलंबन का सामना कर चुके थे, जिसकी वजह से वह 2024 पेरिस पैरालंपिक में हिस्सा नहीं ले पाए थे। लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए एक बार फिर अपना दबदबा साबित किया।

# ईशान मॉडल अदिति से करेंगे शादी

## क्रिकेटर के दादा ने बोले- ईशान की पसंद ही मेरी पसंद

**पटना (एजेंसी)।** भारत और पाकिस्तान के बीच आज टी 20 का मुकाबला है। मैच के पहले टीम इंडिया के ओपनर और बिहार के रहने वाले ईशान किशन की शादी की चर्चा आई है।

ईशान के दादा अनुराग पांडेय ने उनकी गर्लफ्रेंड का नाम बताया है। जिसके बाद ईशान के जयपुर की मॉडल अदिति हुंडिया के साथ अफेयर की पुष्टि हो गई है। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया- ईशान जिससे भी शादी करेगा मुझे स्वीकार है। उसके बड़े भाई ने कहा था कि पल्लवी से शादी करेंगे तो हमने करवा दी थी। अब इसकी भी करवा देंगे। अदिति उसकी गर्लफ्रेंड है। वो जयपुर में रहती है। मॉडल है, मिस इंडिया कंटेस्ट में दूसरे नंबर पर आई थी।

ईशान के डेटिंग के चर्चे पहले ही थे, लेकिन अब उनके रिलेशनशिप पर मुहर लग गई है। बताया जा रहा है कि, टी-20 वर्ल्ड कप के बाद ईशान शादी के बंधन में बंध सकते हैं। हालांकि, शादी की डेट की अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

### कौन हैं ईशान की गर्लफ्रेंड

ईशान किशन की गर्लफ्रेंड अदिति हुंडिया के पिता जयपुर में कारोबारी हैं। अदिति मिस डीवा 2018 की विनर रह चुकी हैं। यहीं से उनको मॉडलिंग की दुनिया में एक अलग पहचान मिलनी शुरू हुई थी।आदिति फेमिना मिस इंडिया की फाइनलिस्ट रह चुकी हैं। नेशनल ब्यूटी क्वीन कॉन्सटेस्ट तक पहुंची हैं। फैशन क्रेडिबिलिटी के साथ सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं।2019 आईपीएल के दौरान ईशान किशन और अदिति हुंडिया के बीच अफेयर की चर्चा होने लगी थी। स्टैंड में अदिती की मौजूदगी 'मिस्ट्री फैनगर्ल' के रूप में चर्चा का विषय बनने लगी थी।वहीं लाइक्स, कमेंट्स और इंस्टाग्राम पर हल्के-फुल्के इंटरैक्शन ईशान किशन की गर्लफ्रेंड से अफेयर की चर्चों को हवा देते रहे हैं।

# गुस्से में संदीप नरवाल ने यह क्या किया? रेफरी को मारा जोरदार धक्का

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय कबड्डी में संदीप नरवाल एक बड़ा नाम है। वह एक लोकप्रिय प्लेयर हैं, जिनको हर कोई जानता है। हालांकि, इन दिनों संदीप नरवाल की एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है, जोकि अब चर्चा का विषय बन गई है। उस वीडियो को देखकर लोग थोड़ा हैरान हो गए हैं। दरअसल, उस वीडियो में अनुभवी संदीप नरवाल रेफरी से ही भिड़ जाते हैं।

आपको बता दें कि संदीप नरवाल का वो वीडियो ऑल इंडिया सर्विसेज कबड्डी मेन एंड वुमेन टूर्नामेंट 2025-26 का है। उस वीडियो में रेफरी संदीप नरवाल की टीम में से किसी खिलाड़ी को येलो कार्ड देते हैं। हालांकि, उस येलो कार्ड से संदीप नरवाल खुश नहीं होते और गुस्से में रेफरी के पास जाते हैं और उन्हें धक्का देकर जमीन पर गिरा देते हैं। इसके बाद दोनों टीम के खिलाड़ी वहां जमा हो जाते हैं। उस वक्त थोड़ी गर्मा गर्मी हो जाती है।

हरियाणा से आने वाले संदीप नरवाल को 2021 में अर्जुन अवॉर्ड मिला था। वह भीम अवॉर्ड भी जीत चुके हैं। 8 साल की उम्र से उन्होंने कबड्डी खेलना शुरू कर दिया था। बता दें कि नरवाल ने अपनी पढ़ाई सोनीपत के गवर्मेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल से की है। वह 2016 से 2018 के दौरान भारतीय कबड्डी टीम के अहम खिलाड़ी थे।

**शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला रहेगा जारी : मुंबई।** आईटी कंपनियों पर दबाव से घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह गिरावट देखी गई और अब आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर ग्लोबल सेंटीमेंट पर ज्यादा रहेगी। घरेलू स्तर पर अगले सप्ताह आयात-निर्यात के आंकड़े जारी होने हैं। इससे भी बाजार में निवेश धारणा प्रभावित हो सकती है। निवेशक ग्लोबल फैक्टर्स से संकेत लेकर अपनी रणनीति तय कर सकते हैं।

**मुफ्त में एलपीजी सिलेंडर... : मुंबई।** होली का त्योहार आने वाला है। इस त्योहारी माहौल में करोड़ों लोगों को मुफ्त एलपीजी सिलेंडर दिया जाएगा। हालांकि, यह स्कीम दो राज्य- उत्तर प्रदेश और दिल्ली के लोगों के लिए है। इसका लाभ उन्हीं लोगों को मिलेगा जो इससे जुड़े सभी शर्तों को पूरा करते हैं। आइए इसके बारे में विस्तार से जान लेते हैं। बता दें कि प्रधानमंत्री उज्वला योजना (पीएम-उज्ज्वला) के तहत उत्तर प्रदेश की महिला लाभार्थियों को मुफ्त एलपीजी रिफिल दिया जाएगा, जिससे राज्य भर की 1.86 करोड़ महिलाओं को त्योहारों के दौरान राहत मिलेगी।

## 20 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी

## भारतीय सॉफ्टवेयर कंपनी पर यूएई की कंपनी का आया दिल

**मुंबई, एजेंसी।** सॉफ्टवेयर और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के क्षेत्र में काम करने वाली कंपनी करने का विचार कर रही है। शेयर बाजार को दी गई सूचना के अनुसार कंपनी की अगली

सिल्वरलाइन टेक्नोलॉजीज करीब 80 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की आगामी 18 फरवरी को एक मीटिंग होगी। इसी मीटिंग में 80 करोड़ रुपये तक के स्ट्रेटेजिक इक्विटी इनवेस्टमेंट प्रोपोजल पर विचार किया जाएगा। कंपनी के अनुसार, इससे कंपनी का पोस्ट-मनी वैल्यूएशन लगभग 400 करोड़ रुपये हो सकता है। यूएई की कंपनी खरीदेगी हिस्सेदारी उल्लेखनीय है कि संयुक्त अरब अमीरात की कंपनी ट्रूलेजर टेक्नोलॉजीज एफजेडई ने सिल्वरलाइन टेक्नोलॉजीज में 20 प्रतिशत तक इक्विटी हिस्सेदारी खरीदने में रुचि दिखाई है। उन्होंने इसके लिए एक गैर-बाध्यकारी लेटर ऑफ इंटेंट भी भेजा है। उस कंपनी से मिली राशि का इस्तेमाल कंपनी की बैलेंस शीट को मजबूत करने, विकास की पहलों को तेज करने और टेक्नोलॉजी-आधारित विस्तार की रणनीति को समर्थन देने के लिए किया जाएगा। कंपनी इस 20 प्रतिशत हिस्सेदारी को प्रेफरेंशियल बेसिस पर ऑफर बोर्ड मीटिंग में एक स्वतंत्र - रजिस्टर्ड वैल्युअर और प्रोफेशनल एडवाइजर्स की नियुक्ति पर भी विचार किया जाएगा। यह सुनिश्चित करेगा कि कंपनी का सही मूल्यांकन हो। सिल्वरलाइन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और याकिन जोशी का कहना है कि कंपनी ट्रूलेजर टेक्नोलॉजीज एफजेडई से मिले एलओआई का मूल्यांकन कर रही है। उन्होंने कहा, यह प्रस्तावित लेनदेन शेयरधारकों के लिए लंबे समय तक वैल्यू बढ़ाने और कंपनी को स्केलेबल ग्रोथ के अगले चरण के लिए तैयार करने पर हमारे निरंतर फोकस को दर्शाता है। हाल ही में लॉन्च किए गए सिल्वर एआई को भी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। पहले ही हफ्ते में इसके 24,000 से ज्यादा रजिस्टर्ड यूजर्स हो गए हैं। यह दिखाता है कि कंपनी की नई टेक्नोलॉजी लोगों को पसंद आ रही है। यह फंड जुटाने का कदम कंपनी को और मजबूत बनाएगा और भविष्य में और भी बड़ी सफलता दिलाने में मदद करेगा।

## यूएस डील ने बदला विदेशी निवेशकों का मूड, भारतीय बाजार में डाले 19675 करोड़

**मुंबई, एजेंसी।** एफपीआई ने जनवरी में भारतीय शेयर बाजार से 35,962 करोड़ रुपये, दिसंबर में 22,611 करोड़ रुपये और नवंबर में 3,765 करोड़ रुपये निकाले थे। कुल मिलाकर, 2025 में एफपीआई ने भारतीय शेयरों से 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी की है। अमेरिका-भारत व्यापार समझौते के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय शेयर बाजार की ओर रुझान बढ़ा है। ऐसे निवेशकों ने फरवरी के पहले दो सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार में 19,675 करोड़ रुपये डाले हैं। आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई का यह फ्लो लगातार तीन माह की भारी बिकवाली के बाद हुआ है। बता दें कि एफपीआई ने जनवरी में भारतीय शेयर बाजार से 35,962 करोड़ रुपये, दिसंबर में 22,611 करोड़ रुपये और नवंबर में 3,765 करोड़ रुपये निकाले थे। कुल मिलाकर, 2025 में एफपीआई ने भारतीय शेयरों से 1.66 लाख करोड़ रुपये (18.9 अरब डॉलर) की निकासी की है। यह एफपीआई के फ्लो की दृष्टि से सबसे खराब वर्षों में रहा है। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि हाल की खरीदारी को वैश्विक वृहद चिंताओं में कमी, खासकर अमेरिका के नरम महंगाई आंकड़ों से समर्थन मिला है। इससे उन की भारत समेत उभरते बाजार में जोखिम लेने की क्षमता बेहतर हुई है। इसी तरह की राय जताते हुए एंजेल वन के विश्लेषक वकारजावेद खान ने कहा कि यह फ्लो अमेरिका-भारत व्यापार करार, समर्थन देने वाले 2026-27 के आम बजट और वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं में कमी की वजह से देखने को मिला है।

**1374 करोड़ रुपये की बिकवाली**-एफपीआई फरवरी माह के 11 कारोबारी सत्रों में से सात में खरीद रहे और चार सत्रों में बिकवाल रहे। इसके बावजूद आंकड़ों से पता चलता है कि एफपीआई ने इस महीने शुद्ध रूप से 1,374 करोड़ रुपये की बिकवाली की है। इसकी वजह यह है कि 13 फरवरी को निफ्टी में 336 अंक की गिरावट के दौरान एफपीआई ने 7,395 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। इस सप्ताह एंथ्रोपिक झटके की वजह से आईटी शेयरों में भारी बिकवाली देखने को मिली।

# भाई से मिला तोहफा बेच लगाया ठेला, मां के हुनर का किया इस्तेमाल

### ● अपने भाई-बहनों में सबसे छोटे ● अब हनी अपने स्टॉल से रोजाना 5,000 रुपये से 6,000 रुपये की बिक्री करते हैं

**नई दिल्ली, एजेंसी।** यह कहानी 18 साल के हनी खान की है। वह लखनऊ के रहने वाले हैं। उनकी अब एक अलग पहचान बन गई है। लखनऊ यूनिवर्सिटी के बाहर वह इडली और मेंडू वड़ा बेचते हैं। इसकी शुरुआत उन्होंने पिछले साल सितंबर से की थी। भाई से गिफ्ट में मिले प्लेस्टेशन को 14,000 रुपये में बेचकर उन्होंने इडली स्ट्रीट नाम का स्टॉल शुरू किया था। हनी की मां रजिया का हुनर इसमें बहुत काम आया। वह चेन्नई के रोयापुरम की रहने वाली हैं। दक्षिण भारतीय व्यंजन बहुत अच्छी तरह बनाती हैं। शादी के बाद वह 20 साल की उम्र में लखनऊ आ गई थीं। अब हनी अपने स्टॉल से रोजाना 5,000 रुपये से 6,000 रुपये की बिक्री करते हैं। उनकी इडली और मेंडू वड़ा हाथों-हाथ बिकते हैं। आइए, यहां हनी खान की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। चार भाइयों और एक बहन में शहजाद खान उर्फ हनी खान सबसे छोटे

हैं। ऐशबाग में एक साधारण दो बेडरूम के किराए के अपार्टमेंट में रहते हैं। उनके दूसरे भाई खाड़ी देशों में काम करते हैं। बहन हरियाणा में रहती है। लखनऊ विश्वविद्यालय के बाहर इडली और मेंडू वड़ा बेचकर हनी हर महीने चोखी कमाई कर रहे हैं। उन्होंने सितंबर 2025 में इडली स्ट्रीट की शुरुआत की थी। अपनी मां के दक्षिण भारतीय व्यंजनों को बनाने में महारत का फायदा उठाकर उन्होंने इस स्टॉल को शुरू किया था। हनी की मां रजिया खान शादी के बाद 20 साल की उम्र में लखनऊ आ गई थीं। वह मूल रूप से चेन्नई के रोयापुरम की रहने वाली हैं। वहीं उन्होंने दक्षिण भारतीय व्यंजन बनाने सीखे। हनी को अपने बड़े भाई से गिफ्ट में मिला था। इसे 14,000 रुपये में बेचकर उन्होंने 2,500 रुपये का एक मेटल बॉक्स खरीदा। उसमें इडली और मेदू वड़ा रखकर लखनऊ विश्वविद्यालय के बाहर बेचना शुरू किया।

# दुनिया के टॉप 10 रईसों में आए तीन भाई-बहन, देशों की जीडीपी से ज्यादा है परिवार की दौलत

### वॉरेन बफे और स्टीव बालमर जैसे दिग्गज टॉप 10 से बाहर हो चुके हैं

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दुनिया के टॉप रईसों की लिस्ट में हाल में काफी उलटफेर देखने को मिला है। वॉरेन बफे और स्टीव बालमर जैसे दिग्गज टॉप 10 से बाहर हो चुके हैं जबकि एक ही परिवार के तीन भाई-बहनों ने इसमें जगह बनाई है। इनमें जिम वॉल्टन, उनके भाई बॉब वॉल्टन और बहन एलिस वॉल्टन शामिल हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स में जिम आठवें, बॉब नौवें और एलिस दसवें नंबर पर शामिल हैं। एलिस दुनिया की सबसे रईस महिला अरबपति हैं। इन तीनों का संबंध वॉल्टन परिवार से है जो रेवेन्यू के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी वॉलमार्ट की प्रमोटर फैमिली है। इस परिवार के दो अन्य सदस्यों को भी दुनिया को टॉप 100 रईसों में जगह मिली है।

वॉल्टन फैमिली को दुनिया का सबसे रईस परिवार माना जाता है। वॉलमार्ट में वॉल्टन परिवार की 47 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस कंपनी की स्थापना साल 1962

में सैम वॉल्टन ने की थी। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक सैम वॉल्टन के बेटे जिम वॉल्टन 158 अरब की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में आठवें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 21.3 अरब डॉलर की तेजी आई है। उनके भाई रॉब वॉल्टन 154 अरब की नेटवर्थ के साथ नौवें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ 20.7 अरब डॉलर बढ़ी है। जिम और बॉब की बहन एलिस वॉल्टन 154 अरब की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 10वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 21 अरब डॉलर की तेजी आई है। सैम वॉल्टन के एक बेटे जॉन वॉल्टन की मौत हो चुकी है। उनके पुत्र लुकास वॉल्टन की नेटवर्थ 53.9 अरब है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 33वें नंबर पर हैं। जॉन वॉल्टन की विधवा क्रिस्टी वॉल्टन 25.4 अरब की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 100वें नंबर पर हैं। जॉन वॉल्टन की 2005 में एक हवाई हादसे में मौत हो गई थी। इससे क्रिस्टी वॉल्टन को वॉलमार्ट में करीब 2 प्रतिशत हिस्सेदारी मिली थी। टॉप 100 रईसों में शामिल वॉल्टन परिवार के पांच सदस्यों की कुल नेटवर्थ 545 अरब डॉलर है जो ग्रीस, हंगरी और ईरान जैसे कई देशों की जीडीपी से ज्यादा है। वॉलमार्ट के दुनिया के 19 देशों में 10,500 से अधिक स्टोर हैं। वॉल्टन का बिजनेस पूरी तरह डिस्काउंट कल्चर पर आधारित था और यही वजह है कि मंदी के दौरान भी इसका स्टॉक हमेशा तेजी में रहा।

## आत्मनिर्भर नहीं, डोनाल्ड ट्रंप पर निर्भर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने शनिवार को भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो सरकार देश को आत्मनिर्भर बनाने की बात करती है, वह अब ट्रंप पर निर्भर होती नजर आ रही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिब्बल ने आरोप लगाया कि सरकार ने भारत की विदेश और आर्थिक नीतियों को अमेरिका के साथ संरेखित करने पर सहमति जताई है, जो देश के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि अमेरिका के कार्यकारी आदेशों का हवाला देते हुए संकेत दिया गया है कि यदि भारत रूसी तेल की खरीद जारी रखता है तो 25 प्रतिशत का दंडात्मक टैरिफ फिर से लगाया जा सकता है। सेवा तीर्थ पर क्या बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सेवा तीर्थ, कर्तव्य भवन-1 और 2 के

उद्घाटन का जिक्र करते हुए सिब्बल ने सवाल किया कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री ने देश के प्रति कौन सा कर्तव्य निभाया है। उन्होंने कहा कि इमारतें बनाना अच्छी बात है, लेकिन शासन और नीतियों पर जवाबदेही भी जरूरी है। सिब्बल ने यह भी दावा किया कि सरकार ने अगले पांच वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर के सामान और सेवाएं खरीदने पर सहमति जताई है और इस पूरे समझौते पर प्रधानमंत्री को संसद में आकर स्पष्ट बयान देना चाहिए। साथ ही उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी चुनाव जीतना जानती है।

## प्राइमरी मार्केट में इस हफ्ते आ रहे हैं 3 कंपनियों के आईपीओ

**नई दिल्ली, एजेंसी।** प्राइमरी मार्केट में इस हफ्ते तीन कंपनियों के आईपीओ खुल रहे हैं। इन तीन कंपनियों के आईपीओ में दो एसएमई सेगमेंट के हैं। वहीं, एक आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है। आइए एक-एक करके जानते हैं इन कंपनियों के विषय में ...

कंपनी के आईपीओ का साइज 49 करोड़ रुपये का है। आईपीओ के जरिए कंपनी 23 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। यह इश्यू पूरी तरह से फ्रेश शेयरों पर आधारित है। आईपीओ 16 फरवरी से 18 फरवरी तक खुला रहेगा। कंपनी ने 205 रुपये से 216 रुपये का प्राइस बैंड तय किया है। वहीं, लॉट साइज 600 शेयरों का बनाया है। रिटेल निवेशकों को कम से कम 1200 शेयरों पर दांव लगाना होगा। जिसकी वजह से मिनिमम इन्वेस्टमेंट वैल्यू 259200 रुपये है।

ग्रे मार्केट में यह आईपीओ 4 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। इन्वेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी के आईपीओ का सबसे अधिक जीएमपी 6 रुपये प्रति शेयर है। वहीं, सबसे कम जीएमपी जीरो रुपये है। यह आईपीओ 18 फरवरी को खुलेगा। कंपनी का आईपीओ 20 फरवरी तक ओपन रहेगा। कंपनी ने 110 रुपये का प्राइस बैंड तय किया है। वहीं,

लॉट साइज 1200 शेयरों का बनाया गया है। रिटेल निवेशकों को कम से कम 2400 शेयरों पर दांव लगाना होगा। मिनिमम इन्वेस्टमेंट वैल्यू 264000 रुपये है। इस आईपीओ का साइज 88.88 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 81 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी।

### गौडियम आईवीएफ और महिला स्वास्थ्य आईपीओ

इस हफ्ते के आखिरी में यह आईपीओ खुलेगा। निवेशकों के पास 20 फरवरी से 24 फरवरी तक आईपीओ पर दांव लगाने का मौका रहेगा। यह मेनबोर्ड सेगमेंट का आईपीओ है। आईपीओ के जरिए कंपनी 2.09 करोड़ शेयर जारी करेगी। इसमें 1.14 करोड़ शेयर फ्रेश इश्यू के जरिए जारी होंगे।

## इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में स्टार्टअप्स के दिन लद गए

### पुरानी कंपनियों ने जमाया कब्जा, लगातार अच्छा प्रदर्शन करना जरूरी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** इलेक्ट्रिक टूव्हीलर को भारत में लोकप्रिय करने का श्रेय भले ही स्टार्टअप्स को जाता हो। लेकिन अब वे ग्राहकों की चित्त से उतर रहे हैं। जी हां, भारत के ई 2व्हीलर बाज़ार में एक बड़ा बदलाव आया है। इस साल से पहले तक स्टार्टअप्स का भले ही दबदबा रहा हो, लेकिन अब पुरानी और जानी-मानी कंपनियां इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट में आगे बढ़ रही हैं।

हमारे सहयोगी ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी 2026 तक, टीवीएस मोटर, बजाज ऑटो और हीरो मोटोकॉर्प जैसी बड़ी कंपनियों ने इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार का 60 प्रतिशत हिस्सा अपने कब्ज़े में ले लिया है। यह आंकड़ा 2023 में सिर्फ 34 प्रतिशत था। ऑटोमोटिव मार्केट रिसर्च फर्म जाटो डायनेमिक्स के मुताबिक, यह एक बड़ा बदलाव है। इस रिपोर्ट के मुताबिक यह बदलाव पिछले एक साल में तेजी से हुआ है। स्टार्टअप्स ने भले ही इस बाज़ार की शुरुआत की और शुरुआती खरीदारों को आकर्षित किया। लेकिन अब पुरानी कंपनियां अपने बड़े डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क, बिक्री के बाद की सर्विस और सही समय पर नए मॉडल लॉन्च करके आम ग्राहकों को जीत रही हैं। पहले से जमा-जमाया नाम भी है इन कंपनियों का। तभी तो इनका भरोसा ईवी में भी सामने

आ रहा है ऐसा क्यों हुआ, इस पर एक इंडस्ट्री एग्जीक्यूटिव ने कहा, शुरुआती दौर में सबसे पहले आना मायने रखता था। अब लगातार अच्छा प्रदर्शन करना ज़्यादा ज़रूरी है। उन्होंने आगे कहा, पुरानी कंपनियों ने इंतज़ार किया, अपनी सप्लाई चेन और डीलरों को तैयार किया, और अब वे सही समय पर अपने प्रोडक्शन को बढ़ा रही हैं। बड़ा फायदा किस कंपनी को

रिपोर्ट के मुताबिक टीवीएस मोटर इस बदलाव का एक बड़ा फायदा उठाने वाली कंपनी बनकर उभरी है। उनकी इलेक्ट्रिक व्हीकल की रणनीति में शामिल है- लगातार प्रोडक्शन बढ़ाना और प्रोडक्ट्स की रेंज को वाइड करना शामिल है। इससे वे अलग-अलग तरह के ग्राहकों को आकर्षित कर पा रहे हैं। कंपनी के क्यू3 एफवाय26 नतीजों के बाद, टीवीएस मोटर ह के सीईओ और डायरेक्टर, के.एन. राधाकृष्णन ने बताया कि उनके फ्लैगशिप आईक्यूब और नए लॉन्च हुए ऑर्बिटर , जो अलग तरह के खरीदारों को टारगेट करता है, दोनों की मांग बहुत अच्छी है। तभी तो दिसंबर 2025 की तिमाही में, कंपनी ने पहली बार एक लाख (100,000) से ज़्यादा इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे। यह तब हुआ जब साल की शुरुआत में प्रोडक्शन में कुछ दिक्कतें थीं। विश्लेषकों का कहना है कि यह टीवीएस की डिस्ट्रीब्यूशन पहुंच का फायदा दिखाता है, जब प्रोडक्शन बड़े पैमाने पर होता है।

बजाज ऑटो बजाज ऑटो ने भी बैटरी पैक की सप्लाई की शुरुआती दिक्कतों को दूर करने के बाद ज़बरदस्त वापसी की है। इससे पहले तो बैटरी पैक की वजह से प्रोडक्शन को धीमा कर रही थीं। प्रोडक्शन बढ़ने के साथ, दिसंबर की तिमाही में बिक्री तेज़ी से बढ़ी। तभी तो बजाज ऑटो ने इलेक्ट्रिक स्कूटर बाज़ार में दूसरा स्थान फिर से हासिल कर लिया। कंपनी ने रेंज को एक नए एंट्री-लेवल वेरिएंट के साथ बढ़ाया है, जो युवा खरीदारों और महिलाओं को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इससे इसकी पहुंच बढ़ी है और विश्वसनीयता और वैल्यू पर इसका ज़ोर और मज़बूत हुआ है। इस समय स्टार्टअप्स के लिए ग्रोथ की राहें अब ज़्यादा अलग-अलग हो रही हैं। हालांकि, एथर एनर्जी ने अपना रिज्टा स्कूटर की बढ़ती मांग और बेहतर ऑपरेटिंग परफॉरमेंस के कारण दिसंबर की तिमाही में काफी अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन ओला इलेक्ट्रिक के मार्केट शेयर में बड़ी गिरावट आई है। ज़्यादा प्रतिस्पर्धी बाज़ार में बढ़ती हुई मुश्किलों से अब कंपनी को दो-चार होना पड़ रहा है।

# भारतीय पर्यटकों पर दुनिया की नजर डेस्टिनेशन वेडिंग से एडवेंचर टूरिज्म तक बना रहे रणनीति

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत वैश्विक पर्यटन के लिए भविष्य के ग्रोथ इंजन के तौर पर उभर रहा है। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि भारतीय पर्यटकों ने विदेशी यात्राओं में अब तक 3.17 अरब डॉलर खर्च किए हैं। यह देखते हुए कि केवल 92 मिलियन भारतीयों के पास पासपोर्ट है और भारत अभी भी पूरे साउट ईस्ट एशिया से अधिक आउटबाउंड यात्रा करता है। इससे यह दुनिया में विशेषकर एशियाई देशों के लिए एक आवश्यक बाजार बन गया है।

**भारतीय पर्यटकों को अन्य देश कैसे कर रहे हैं आकर्षित:** अनुमान है कि 2040 तक भारतीय ट्रैवलर्स हर साल 80 से 90 मिलियन ट्रिप करेंगे, जिससे भारत आउटबाउंड ट्रैवल के लिए सबसे बड़ा सोर्स मार्केट बन जाएगा। इस बाजार का लाभ उठाने के लिए मलेशिया, श्रीलंका, सिंगापुर व अन्य एशियाई देश भारतीय पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। इसमें स्पोर्ट और एडवेंचर टूरिजम के साथ डेस्टिनेंशन वेडिंग, बॉलीवुड और टॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग के साथ फ्लाइंग और क्रूज पर्यटनों के लिए इकोसिस्टम तैयार कर रहे हैं।

**भारतीयों के डेस्टिनेशन वेडिंग पर एशियाई देशों की नजर:** विदेशी स्तर पर पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए मुंबई वन वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट (ओटिएम) सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें 60 देशों ने हिस्सा लिया। मलेशिया पर्यटन विभाग के चैयरमैन मनोहरन पेरियासामी ने बताया कि वर्मतान समय में भारत हमारे लिए एक आवश्यक पर्यटन बाजार है और हम इस बाजार में अपनी स्थिति को और मजबूत बनाने पर जोर दे रहे हैं। हम भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए नए पर्यटन स्थानों, स्पोर्ट और एडवेंचर टूरिजम के साथ डेस्टिनेंशन वेडिंग के लिए विशेष ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। क्योंकि भारतीय शादियां लगभग पांच दिन लंबी होती हैं और उनमें अधिक पैसा खर्च होता है। इसके लिए हम मलेशिया में ऐसे सुंदर और नए स्थानों का विस्तार कर रहे हैं, जो डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए उपयुक्त हैं। हम एक इकोसिस्टम तैयार कर रहे हैं, जो भारतीयों की शादी ब्याह की आवश्कताओं को पूरा करता है। इसमें मलेशिया पर्यटन विभाग और श्रीलंका पर्यटन विभाग दोनों ही भारतीय शादियों को संभालने के लिए एक इकोसिस्टम तैयार कर रहे हैं। जिसमें डेस्टिनेश वेडिंग के लिए मोहक जगहों का विस्तार किया जा रहा तो दूसरी ओर भारतीय पर्यटकों के लिए शुद्ध शाकाहारी खानों के लिए केटरिंग सर्विस तक शामिल है।

# 7.80 लाख क्विंटल चावल पर घोटाले की बू? गोदामों में 'घटिया खेल' का बड़ा खुलासा!

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

**जिले में धान घोटाले की परतें अभी पूरी तरह खुल भी नहीं पाई थीं कि अब सरकारी गोदामों में रखे चावल की गुणवत्ता को लेकर नया सवाल खड़ा हो गया है। करीब 7 लाख 80 हजार क्विंटल चावल के स्टॉक पर गंभीर शंका जताई जा रही है। आरोप है कि मिलिंग प्रक्रिया की आड़ में निम्न गुणवत्ता का चावल जमा कराया जा रहा है, जिसे बाद में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के जरिए गरीबों तक पहुंचाने की तैयारी है।**

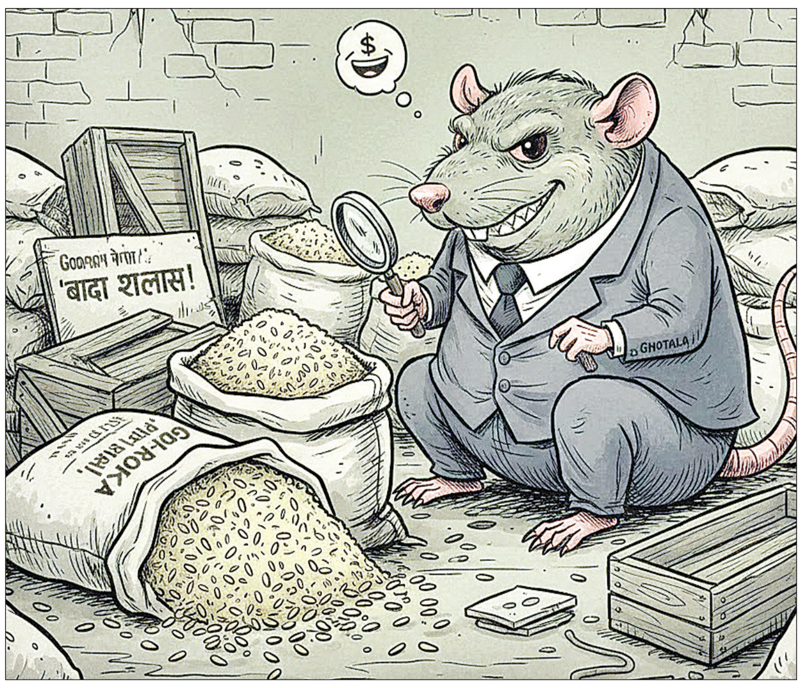


### मानकों पर खरा या कागजों में पास?

सूत्रों का दावा है कि गोदामों में रखा चावल एफआरके (फोर्टिफाइड राइस कर्नल), ब्रोकन प्रतिशत, रंग और चमक जैसे तय मानकों पर कमजोर है। सवाल यह है कि अगर गुणवत्ता संदिग्ध है, तो फिर इसे किस आधार पर पास किया गया? क्या जांच केवल कागजी औपचारिकता बनकर रह गई है?

### बाहरी चावल की एंट्री?

जानकारी यह भी सामने आ रही है कि कुछ राइस मिलर उत्तर प्रदेश से सस्ता चावल मंगाकर स्थानीय गोदामों में जमा कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि इसमें 2-3 साल पुराना स्टॉक भी शामिल हो सकता है, जिसमें ब्रोकन और डिसकलर की मात्रा अधिक है। कम कीमत के चलते ऐसे चावल को प्राथमिकता दिए जाने की चर्चा है। इससे यह आशंका गहराती है कि क्या स्थानीय स्तर पर अच्छा चावल बाहर भेजकर कम गुणवत्ता वाला स्टॉक यहां खपाया जा रहा है?

### क्वालिटी जांच एजेंसी पर उठे सवाल

निजी क्वालिटी जांच एजेंसी की भूमिका भी अब कटघरे में है। चावल की जांच कर पास करने की जिम्मेदारी इन्हीं पर है। आरोप है कि मानकों से समझौता कर प्रति लॉट तय दर पर लेन-देन का खेल चल रहा है। अगर यह सही है, तो यह केवल स्थानीय गड़बड़ी नहीं बल्कि बड़े स्तर की सांठगांठ की ओर इशारा करता है।

### पीडीएस हितग्राहियों पर असर?

अगर घटिया चावल पीडीएस में वितरित हुआ, तो इसका सीधा असर गरीब और जरूरतमंद परिवारों पर पड़ेगा। यह केवल गुणवत्ता का मुद्दा नहीं, बल्कि सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग और जनहित से जुड़े विश्वास का प्रश्न है।

### प्रशासन का पक्ष

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने कहा, अभी इस तरह की कोई शिकायत प्रशासन तक नहीं पहुंची है। शिकायत प्राप्त होने पर जांच करवाई जाएगी और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी ।अब देखना यह है कि क्या यह मामला भी फाइलों में सिमट जाएगा या फिर गोदामों में रखे चावल की निष्पक्ष और वैज्ञानिक जांच से सच्चाई सामने आएगी। जिले में खाद्यान्न प्रबंधन की पारदर्शिता पर उठे ये सवाल जवाब मांग रहे हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### बिना परीक्षा प्रमोट होंगे पहली-दूसरी के छात्र

**जबलपुर।** जबलपुर सहित मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में इस साल भी कक्षा पहली और दूसरी के विद्यार्थियों को पारंपरिक वार्षिक परीक्षा नहीं देनी होगी। राज्य शिक्षा केंद्र ने स्पष्ट किया है कि छोटे बच्चों को परीक्षा के मानसिक दबाव से मुक्त रखने के लिए यह निर्णय लिया गया है। इन विद्यार्थियों का मूल्यांकन सतत एवं समग्र आकलन पद्धति और उनकी दक्षता के आधार पर किया जाएगा। इसका उद्देश्य रटने के बजाय बच्चों के सीखने के स्तर और उनके कौशल विकास को परखना है।

**भाषा चयन के नए नियम लागू**

9 मार्च से शुरू होंगी अन्य परीक्षाएं
कक्षा तीसरी, चौथी, छठवीं और सातवीं की वार्षिक परीक्षाओं का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। ये परीक्षाएं 9 मार्च से 14 मार्च तक आयोजित की जाएंगी, जिनका समय सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक निर्धारित है। साथ ही, राज्य शिक्षा केंद्र ने भाषा विषयों के चयन को लेकर कड़े नियम बनाए हैं। यदि विद्यार्थी हिंदी, उर्दू या मराठी चुनता है, तो द्वितीय भाषा के रूप में अंग्रेजी लेना अनिवार्य होगा। यदि प्रथम भाषा अंग्रेजी है, तो द्वितीय भाषा हिंदी अनिवार्य होगी व उर्दू या मराठी को प्रथम भाषा के रूप में चुनने वाले छात्रों को तीसरी भाषा के रूप में हिंदी पढ़ना आवश्यक होगा।

### 27 साल से फरार दो सजायाफ्ता हत्यारे कानपुर से गिरफ्तार

**जबलपुर।** थाना हनुमानताल में वर्ष 1997 में दर्ज हत्या के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे दो सजायाफ्ता आरोपियों को पुलिस ने आखिरकार कानपुर से गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। दोनों आरोपियों को वर्ष 1999 में सत्र न्यायालय जबलपुर द्वारा आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी, लेकिन जमानत पर रिहा होने के बाद वे फरार हो गए थे। पुलिस के अनुसार अपराध मांक 100/97 धारा 302 भादवि के तहत आरोपी (1) राजेन्द्र मराठा पिता बसंत मराठा उम्र 25 वर्ष निवासी बाबाटोला एवं (2) नरबद मराठा पिता बसंत मराठा उम्र 32 वर्ष निवासी बाबाटोला को वर्ष 1999 में सत्र न्यायालय जबलपुर द्वारा आजीवन कारावास से दंडित किया गया था। दोनों आरोपियों को उच्च न्यायालय जबलपुर से जमानत मिलने के बाद वे जबलपुर छोड़कर फरार हो गए थे। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए उच्च न्यायालय द्वारा स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। लंबे समय से फरार रहने के कारण पुलिस अधीक्षक जबलपुर द्वारा दोनों आरोपियों पर चार-चार हजार रुपये का नगद इनाम भी घोषित किया गया था। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय (भा.पु.से.) द्वारा लंबित वारंटों की तामीली के लिए सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर आयुष गुप्ता एवं नगर पुलिस अधीक्षक गोहलपुर मधुर पटेरिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी हनुमानताल सुभाष चंद बघेल के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम द्वारा लगातार संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही थी। इसी दौरान विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि दोनों आरोपी कानपुर में रहकर मजदूरी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम को तत्काल कानपुर रवाना किया गया। टीम ने पतासाजी करते हुए दोनों फरार सजायाफ्ता आरोपी राजेन्द्र मराठा और नरबद मराठा को गिरफ्तार कर अभिरक्षा में लिया और 14 फरवरी 2026 को जबलपुर लाया गया। इसके बाद दोनों आरोपियों को माननीय मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर केंद्रीय जेल जबलपुर भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी नरबद मराठा के विरुद्ध 15 तथा राजेन्द्र मराठा के विरुद्ध 14 आपराधिक प्रकरण पूर्व से दर्ज हैं। इनमें हत्या, हत्या का प्रयास, लूट, अवैध वसूली, मारपीट, आर्म्स एक्ट और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं।
फरार आरोपियों की गिरफ्तारी में सहायक उप निरीक्षक राजेश मिश्रा, उप निरीक्षक रोहिणी शुक्ला तथा प्रधान आरक्षक विनीत की सराहनीय भूमिका रही।

# 8.64 लाख की अवैध नशीली कफ सिरप जब्त

**देहरादून से दमोह जा रही 40 पेटियां, माढ़ोताल थाना और क्राइम ब्रांच ने कटंगी स्थित ट्रांसपोर्ट में दी दबिश**

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

**माढ़ोताल थाना और क्राइम ब्रांच की संयुक्त कार्रवाई में कटंगी रोड स्थित टाटा शोरूम के पास वीआरएल ट्रांसपोर्ट से प्रतिबंधित नशीली कफ सिरप की बड़ी खेप पकड़ी गई। पुलिस ने 40 पेटियों में भरी 4800 बोतल मैक्ला-टस कफ सिरप जब्त की है, जिसकी कीमत करीब 8 लाख 64 हजार रुपये बताई जा रही है।**

माढ़ोताल टीआई वीरेंद्र सिंह पवार ने बताया कि पुलिस ने बीआरएल/वीआरएल ट्रांसपोर्ट के कैशियर सुमित यादव (25) निवासी वाराणसी (हाल-माढ़ोताल, जबलपुर) से पूछताछ की। पेश किए गए बिल-बिल्टी और जीएसटी इनवॉइस के अनुसार यह खेप मैक्लाक्योर फार्मासिस्ट, देहरादून से 5 फरवरी को बुक की गई थी। इसे मैसर्स सचिन मेडिकोज, जबेरा, दमोह के नाम भेजा गया था। पूछताछ में सामने आया कि डिलीवरी 16 फरवरी को लेने की बात कही गई थी। इससे पहले ही पुलिस ने कार्रवाई कर माल जब्त कर लिया।

### 4800 बोतलों में कोडीन युक्त सिरप

जप्ती के दौरान 40 सीलबंद कार्टून मिले। प्रत्येक कार्टून में 120-120 बोतल (100 एमएल) पाई गईं। कुल 4800 बोतलों में कोडीन फॉस्फेट युक्त कफ सिरप मिला, जिसे नशे के रूप में दुरुपयोग किए जाने की आशंका है। ड्रग इंस्पेक्टर देवेन्द्र जैन की मौजूदगी में सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए।

### पहले से जारी है सख्ती

खाद्य एवं औषधि प्रशासन, भोपाल द्वारा पूर्व में कोडीन युक्त दवाओं की बिक्री पर सख्त नियंत्रण के निर्देश जारी किए जा चुके हैं। बिना डॉक्टर की सलाह और तय सीमा से अधिक स्टॉक/बिक्री पर कार्रवाई का प्रावधान है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा 8, 21, 22 तथा मध्यप्रदेश ड्रग्स कंट्रोल एक्ट 1949 की धारा 5/13 के तहत मामला दर्ज किया है।मैसर्स सचिन मेडिकोज, जबेरा (दमोह)हिमांशु झामैक्लाक्योर फार्मासिस्ट, देहरादून

### संयुक्त टीम की कार्रवाई

यह कार्रवाई एसपी संपत उपाध्याय के निर्देशन में एएसपी आशुतोष गुप्ता, एएसपी जितेंद्र सिंह, सीएसपी उदयभान बागरी, सीएसपी बी.एस. गथोरिया, टीआई शैलेष मिश्रा, टीआई वीरेंद्र सिंह पंवार सहित पुलिस व क्राइम ब्रांच टीम ने की। पुलिस का कहना है कि नशीली दवाओं के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान जारी रहेगा और पूरे नेटवर्क की कड़ियां खंगाली जा रही हैं।

# यश रेसीडेंसी में कार सवार युवक का हंगामा, चौकीदार से मारपीट, फ्लैट में तोड़फोड़

**जबलपुर।** गढ़ा थाना क्षेत्र के शारदा चौक स्थित यश रेसीडेंसी में रविवार रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कार से पहुंचे एक युवक ने सोसाइटी परिसर में जमकर उत्पात मचाया। आरोप है कि उसने चौकीदार के साथ मारपीट की और एक महिला के फ्लैट के दरवाजे की जाली तोड़ दी। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, सोसाइटी में चौकीदारी का काम करने वाले यमुना प्रसाद सेन सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक ड्यूटी पर तैनात थे। रात करीब 8:30 बजे अक्षत लखोटिया अपनी कार (क्रमांक एमपी 20 जेड आर 3798) से सोसाइटी में दाखिल हुआ। वह ए-1 ब्लॉक में रहने वाली सपना चड्ढा के फ्लैट की ओर जाने लगा। चौकीदार के मुताबिक, सपना चड्ढा ने पहले ही उक्त युवक को आने से मना किया था। जब यमुना प्रसाद ने उसे रोकने की कोशिश की, तो आरोपी भड़क गया और कथित तौर पर कहा कि उसे उधार दिए पैसे वापस लेने हैं। इसके बाद वह जबरन फ्लैट के दरवाजे तक पहुंचा और जोर-जोर से खटखटाने लगा।उस समय सपना चड्ढा घर पर मौजूद नहीं थीं, उनका बेटा दक्ष अंदर था। दरवाजा न खुलने पर आरोपी ने दरवाजे पर लगी लोहे की जाली तोड़ दी। बीच-बचाव करने पहुंचे चौकीदार के साथ आरोपी ने कथित रूप से मारपीट की-गाल पर मुक्का मारा और दीवार की ओर धक्का दे दिया, जिससे चौकीदार को चोटें आईं।शोर-शराबा सुनकर सोसाइटी के निवासी पंकज कुमार, विशाल श्रीवास्तव और मनीष होंडा सहित अन्य लोग मौके पर पहुंचे। भीड़ जुटते देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए कार से फरार हो गया।गढ़ा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

# मदन महल स्टेशन पर बढ़ेगा ट्रेनों का ठहराव

**2 की जगह 5 मिनट रुकेंगी श्रीधाम और इंटरसिटी**

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

पश्चिम मध्य रेल का जबलपुर रेल मंडल जल्द ही यात्रियों की एक बड़ी समस्या का समाधान करने जा रहा है। मदन महल रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के बढ़ते दबाव और बुजुर्गों की परेशानियों को देखते हुए रेल प्रशासन यहां कुछ महत्वपूर्ण ट्रेनों के स्टॉपेज समय में बढ़ोतरी करने का निर्णय ले सकता है। वर्तमान में श्रीधाम एक्सप्रेस, अधारताल-कमलापति इंटरसिटी, मेमू और ओवरनाइट एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों का ठहराव केवल 2 मिनट का है, जिसे बढ़ाकर 5 मिनट किए जाने की योजना है।

मदन महल स्टेशन का आधुनिक विकास होने के बाद से यहां यात्रियों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। शहर के एक बड़े हिस्से के यात्री मुख्य स्टेशन जाने के बजाय मदन महल से ही अपनी यात्रा शुरू करना या समाप्त करना पसंद करते हैं। वर्तमान में कम स्टॉपेज समय होने के कारण यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने और उतरने में भारी मशक्कत करनी पड़ती है।

### बुजुर्ग यात्रियों को हो रही परेशानी, सुरक्षा पर भी सवाल

रेल मंडल के पास यात्रियों की लगातार शिकायतें और सुझाव पहुंच रहे हैं, जिनमें कम स्टॉपेज समय को मुख्य समस्या बताया गया है। विशेष रूप से बुजुर्ग यात्रियों के लिए 2 मिनट का समय बहुत कम साबित हो रहा है। कोच में पहले से मौजूद भीड़ के कारण उन्हें भारी सामान के साथ निर्धारित कोच तक पहुंचने और अंदर जाने में काफी समय लगता है। कई बार इस जल्दबाजी में ट्रेन छूटने और दुर्घटना होने का खतरा भी बना रहता है। यात्रियों का कहना है कि जब ट्रेन स्टेशन पर पहुंचती है, तो भीड़ के कारण धक्का-मुक्की की स्थिति बन जाती है, जो परिवार के साथ सफर करने वालों के लिए बड़ी चुनौती है।

### जल्द लागू हो सकता है नया समय पत्रक

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, मदन महल स्टेशन पर ट्रेनों का लोड और यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता दी जा रही है। स्टॉपेज समय को 5 मिनट करने से न केवल यात्रियों को सुरक्षित रूप से ट्रेन में चढ़ने-उतरने का समय मिलेगा, बल्कि स्टेशन पर होने वाली भगदड़ जैसी स्थिति में भी कमी आएगी। मंडल स्तर पर इस प्रस्ताव पर सकारात्मक विचार किया जा रहा है और माना जा रहा है कि जल्द ही इसे आधिकारिक रूप से लागू कर दिया जाएगा। इससे श्रीधाम और इंटरसिटी जैसे महत्वपूर्ण रूटों पर सफर करने वाले हजारों दैनिक यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

**हाईकोर्ट** — **आदेश पर एक्शन मोड में प्रशासन**

# प्रदूषण फैला रहे दो निजी अस्पतालों पर 1 लाख का जुर्माना, सील करने की चेतावनी

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

जबलपुर। माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों का कड़ाई से पालन कराने के लिए शनिवार को जिला प्रशासन, पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीम ने शहर के अस्पतालों में प्रदूषण नियंत्रण मानकों की सघन जांच की। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय और निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशन में हुई इस बड़ी कार्रवाई से अस्पताल संचालकों में हड़कंप मच गया है। निरीक्षण के दौरान कटंगी बायपास स्थित मंगलम हॉस्पिटल और हेल्थ सिटी मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में भारी अनियमितताएं पाई गईं। टीम ने देखा कि इन अस्पतालों में न केवल अपशिष्ट उपचार संयंत्र बंद थे, बल्कि बायोमेडिकल वेस्ट को खुले में जलाया जा रहा था। इस गंभीर लापरवाही पर नगर निगम ने अस्पताल प्रबंधन पर 1 लाख रुपये का जुर्माना ठोंका है और 24 घंटे का अल्टीमेटम जारी किया है।

### खुले में जलता मिला बायोमेडिकल वेस्ट, ईटीपी भी मिले बंद

निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के अनुसार, औचक निरीक्षण के दौरान स्थिति बेहद चिंताजनक मिली। नियमों को ताक पर रखकर अस्पताल का स्टाफ बायोमेडिकल वेस्ट को खुले में आग लगा रहा था, जो पर्यावरण और जनस्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा है। इसके साथ ही तरल अपशिष्ट के उपचार के लिए जरूरी ई.टी.पी. प्लांट भी संचालित नहीं पाए गए, जो प्रदूषण नियंत्रण नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है।

### 24 घंटे का अल्टीमेटमः संतोषजनक जवाब नहीं तो सील होगा अस्पताल

प्रशासन ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए अस्पताल प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि यदि 24 घंटे के भीतर नियमों के उल्लंघन पर कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दिया गया, तो अस्पताल को सील करने की कठोर कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस सख्ती का उद्देश्य शहर के वातावरण को सुरक्षित और प्रदूषण मुक्त बनाना है।

### संयुक्त टीम ने संभाली कमान, लगातार जारी रहेगी जांच

इस बड़ी कार्रवाई के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी सुश्री अंकिता बर्मन, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र राज, और पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की वैज्ञानिक रक्षा रहांगडाले व अमिया एक्का सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान अभी थमेगा नहीं; शहर के अन्य चिकित्सा संस्थानों में भी मानकों की जांच की जाएगी और लापरवाही मिलने पर इसी तरह की सख्त कार्रवाई दोहराई जाएगी।

प्रकाशक एवं मुद्रक विशाखा अवस्थी द्वारा श्री हनुमत कृपा पब्लिकेशन से मुद्रित एवं ब्लॉक -7, हॉल ए-7 स्कीम-18, जेडीए ऑफिस के बाजू, सिविक सेंटर से प्रकाशित। RNI NO. MPHIN/25/A1541
सलाहकार संपादक अरविंद शीले, प्रबंध संपादक श्रवण मिश्रा, संपादक मदन मोहन अवस्थी* पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार दूरभाष -9827007217, 9425856600, 0761-3515636, सतना कार्यालय-07672-292110